NA Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-102

कांग्रेस और मुस्लिम लीग की रिश्तेदारी बहुत पुरानी

'एक्सीडेंटल' हिंदू नेहरू की 'इंटेंशनल' करतूतों की विरासत

राहुल गांधी द्वारा वायनाड में चुनाव जीतने के लिए मुस्लिम लीग की बैसाखियों पर खड़ा होना कोई नई बात नहीं है। यह तो कांग्रेस और मुस्लिम लीग के संबंधों की उस परंपरा का पालन है जो नेहरू ने 1947 में स्थापित की। भारत में कितने लोगों को यह ज्ञात है कि स्वयं को दुर्घटनावश (एक्सीडेंटल) हिंदू बताने वाले इन चाचा जी ने मुस्लिम लीग के 27 सदस्यों को पाकिस्तान बनने के बाद भी भारत की संविधान सभा में काम करने दिया और इनमें से कई 1950 में संविधान में हस्ताक्षर करने के बाद ही पाकिस्तान गए। भारतीयों के साथ यह कोई मजाक नहीं था, यह एक सुनियोजित धोखा था। क्या रातो-रात इनकी मानसिकता बदल गई थी या यह भी उस योजना के पात्र थे जिसके तहत लड़ के लिया है पाकिस्तान, हंस के लेंगे हिंदुस्तान का नारा लगाया गया था? इनमें से एक को तो उन सात सदस्यों में

शामिल किया गया था जिनकी कमेटी संविधान का ड्राफ्ट बना रही थी। जो मुस्लिम लीगी पाकिस्तान नहीं गए उनको कांग्रेस में बड़े ओहदे दिए गए। सरदार लुतफुर रहमान को एमएलए बनाया गया, सैयद जाफ़र इमाम और सैयद मजहर इमाम को राज्य सभा का सदस्य बनाया गया। बेगम एजाज रसूल 1935 से ही मुस्लिम लीग की सदस्या थी और संविधान सभा में भी मुस्लिम लीग के टिकट पर ही चुनी गई थी और 1950 में वह कांग्रेसी हो गई। इस तरीके के कई और उदाहरण भी उपलब्ध हैं।

1947 में जो मुस्लिम भारत छोड़ कर पाकिस्तान चले गए थे उनके घर खाली पड़े हुए थे और जब ये प्रस्तावित किया गया था कि ये घर पाकिस्तान से आए हिंदुओं और सिख शरणार्थियों को दे दिए जाएं तो नेहरू ने यह कह कर इसे रद्द कर दिया कि हम उन मुसलमानों के वापस आने का इंतजार करेंगे। इसी दौरान लगभग कई हजार भोपाल नवाब के क्षेत्र में भी पहुंच गए थे कि वह भी पाकिस्तान ही है जहां जा रहे हैं और लगभग यही

शुभ-लाभ सरोकार

स्थिति हैदराबाद में भी हुई थी। बिहार के मुजफ्फरपुर में तो नेहरू ने हिंदुओं पर वायुसेना से बम तक डलवाने की धमकी दे डाली थी यदि वो हिंसा नहीं रोकते तो और ऐसी कोई धमकी नेहरू ने मुसलमानों को नहीं दी जहां वो हिंसा कर रहे थे। 1947 के बाद जब नूंह में मेवातीस्तान की मांग उठाने वाले एक छुटभैये नेता को जिसे पंजाब के मुख्यमंत्री गोपीचंद भार्गव ने दिल्ली पुलिस से गिरफ्तार करवाया तो नेहरू ने इस पर प्रश्न उठाते हुए गोपीचंद भार्गव को पत्र लिखा। उसमें यहां तक लिख दिया कि मैंने श्री प्रकाश को जेल में मिलने भेजा था और उसने वापस आकर बताया कि ऐसे लोगों की हमें जेल से बाहर आवश्यकता है। गोपीचंद भार्गव को इस बात के लिए बाध्य किया गया कि वह उसके मदरसे और बैंक अकाउंट को पुनः खोल दें। यह भी नहीं भूलना चाहिए जब 1937 में मुस्लिम लीग ने काउंसिल के अंदर वंदे मातरम गान का विरोध किया था तब नेहरू ने ही इस मुद्दे पर समझौता किया था कि पहले के केवल दो अंतरे गाये जाएं जबकि सुभासचंद्र बोस ने स्पष्ट रूप से नेहरू को लिखा था कि सांप्रदायिक मुसलमानों ने समय-समय पर फालतू की बातें उठाने की आदत बना ली है। कभी मस्जिदों के सामने संगीत, कभी मुसलमानों के लिए उपयुक्त नौकरियां न होना और अब वन्दे मातरम। यद्यपि राष्ट्रवादी मुसलमानों द्वारा उठाए गए संशयों और कठिनाइयों से जूझने को मैं खुशी से तैयार हूं, मेरी उस ओर ध्यान देने की तनिक भी अभिलाषा नहीं है जो सांप्रदायिक लोग उठाते हैं। यदि आप आज उन्हें वन्दे मातरम के मुद्दे पर संतुष्ट भी कर ▶9पर

पीएम मोदी का इंटरव्यू : अमेरिकी पत्रिका न्यूज़-वीक ने बनाई कवर-स्टोरी

सफेदपोश षडयंत्रकारियों का लोकतंत्र विरोधी दुष्प्रचार ध्वस्त किया : मोदी

- ऐसे लोग अपने बुलबुले से बाहर नहीं आना चाहते
- अल्पसंख्यक खतरे में वाला झूठ भी उजागर हुआ
- कश्मीर में क्या बदलाव हुए, यह खुद जाकर देखिए
- भगवान श्रीराम हमारी राष्ट्रीय चेतना पर अंकित हैं

हर घर के बड़े बुजुर्गों से कहें, मोदी ने राम-राम भेजा है

ऋषिकेश, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रचार अभियान के तहत दूसरी बार उत्त-राखंड पहुंचे। ऋषिकेश के आईडीपीएल खेल मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उपस्थित जनता से आग्रह किया कि गांव-गांव जाकर वे मेरी तरफ से देवता के आगे माथा टेककर प्रणाम करें और हर घर के बड़े बुजुर्गों से कहें कि मोदी ने उन्हें राम-राम भेजा है। प्रधानमंत्री मोदी मंच पर पहुंचे तो देवभूमि को नमन कर अपना संबोधन शुरू किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं बाबा केदार और बदरीनाथ के चरण में हूं। ▶9पर

कांग्रेस का इतिहास और उसके इरादे खतरनाक हैं : मोदी

धौलपुर-करौली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
राजस्थान के करौली-धौलपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईआरसीपी, किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ईआरसीपी का बड़ा लाभ करौली-धौलपुर को भी मिलेगा। यह इसलिए हल हुआ, क्योंकि हरियाणा में भी हमारी सरकार है और केंद्र में भी हम बैठे हैं। भाजपा ने करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से इंदू देवी जाटव को अपना प्रत्याशी बनाया है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं गुजरात से आता हूं, पानी की दिक्कतों को भली भांति समझता हूं। हम हाथ जोड़कर ▶9पर

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में विपक्ष, लेफ्ट-लिबरलों और सफेदपोश षडयंत्रकारियों द्वारा गढ़े जा रहे लोकतंत्र खतरे में और तानाशाही जैसे दुष्प्रचार (नैरेटिव) ध्वस्त कर दिए। पीएम मोदी ने अमेरिका की प्रसिद्ध साप्ताहिक पत्रिका न्यूज़-वीक को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत केवल इसलिए लोकतांत्रिक देश नहीं है, क्योंकि भारतीय संविधान ऐसा कहता है, बल्कि लोकतंत्र भारत के जीन में बसता है। भारत लोकतंत्र की जननी है, फिर चाहे वो तमिलनाडु के उत्तरामेरुर हो, जहां आप 1100 से 1200 वर्ष पुराने लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर लिखे गए शिलालेख पढ़ सकते हैं। या फिर हमारे धर्मग्रन्थ हों, जिनमें सलाहकार निकायों के द्वारा किस तरह से राजनीतिक शक्तियों का इस्तेमाल हो इसका उदाहरण है। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ कार्य करती है।

न्यूज़-वीक से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र को खतरे में बताने वाले भारत के विपक्ष और पश्चिमी देशों के दुष्प्रचार (प्रोपेगेंडा) पर तगड़ा प्रहार किया। उन्होंने उन सभी आरोपों को खारिज कर दिया, जिसमें लोकतंत्र खतरे में है और भारत में बोलने की आजादी नहीं है, जैसे नैरेटिव गढ़े जा रहे थे। पीएम मोदी ने कहा, भारत और पश्चिम में कुछ लोग हैं, जिन्होंने भारत के लोगों के साथ अपनी विचार प्रक्रियाओं, भावनाओं और आकांक्षाओं को खो दिया है। इस तरह के लोग अलग ही दुनिया में रहते हैं, ▶9पर

अदालत ने माना कि नेशनल हेराल्ड ने अपराध से अर्जित की कमाई

नेशनल हेराल्ड की सम्पत्तियां जब्त होंगी

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
नेशनल हेराल्ड घोटाला मामले में कांग्रेस की संलिप्तता अब कानून के समक्ष पूरी तरह उजागर हो चुकी हैं। दिल्ली में आईटीओ स्थित हेराल्ड हाउस और मुंबई, लखनऊ सहित अन्य स्थानों पर नेशनल हेराल्ड की सम्पत्ति जब्त होने जा रही है। पीएमएलए अदालत ने ईडी के पक्ष में फैसला सुनाया है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धन शोधन (मनी-लॉन्ड्रिंग) मामले में नेशनल हेराल्ड अखबार और उससे संबंधित कंपनियों की लगभग 752 करोड़ रुपए की सम्पत्ति के कुर्की के आदेश को बरकरार रखा है। बुधवार को न्यायालय ने अपने आदेश में माना कि ईडी द्वारा कुर्क की गई चल सम्पत्ति और इक्विटी शेयर अपराध से अर्जित की गई है। यह धन शोधन के अपराध से संबंधित हैं। इस फैसले के बाद ईडी द्वारा कंपनी की सम्पत्ति को अपने कब्जे में लेने के लिए हरी झंडी मिल गई है। ईडी अब दिल्ली में आईटीओ स्थित हेराल्ड हाउस, मुंबई, लखनऊ सहित अन्य स्थानों को अपने कब्जे में ले सकती है।

घोटाले में कांग्रेस नेताओं का हाथ, कानूनी तौर पर पुष्टि

देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 20 नवंबर 1937 को एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड यानी एजेएल का गठन किया था। इसका उद्देश्य अलग-अलग भाषाओं में समाचार पत्रों को प्रकाशित करना था। तब एजेएल के अंतर्गत अंग्रेजी में नेशनल हेराल्ड, हिंदी में नवजीवन और उर्दू में कौमी आवाज समाचार पत्र प्रकाशित होते थे। एजेएल के गठन में जवाहर लाल नेहरू की भूमिका थी, लेकिन इसपर उनका मालिकाना हक कभी नहीं रहा। इस कंपनी को 5000 स्वतंत्रता सेनानी सहयोग कर रहे थे और वही इसके शेयर होल्डर भी थे। 90 के दशक में ये अखबार घाटे में आने लगे। साल 2008 तक एजेएल पर 90 करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज चढ़ गया। तब एजेएल ने फैसला किया कि अब समाचार पत्रों का प्रकाशन नहीं किया जाएगा। अखबारों का प्रकाशन बंद करने के बाद एजेएल प्रॉपर्टी बिजनेस में उतरी। 2012 में भाजपा के नेता और देश के ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

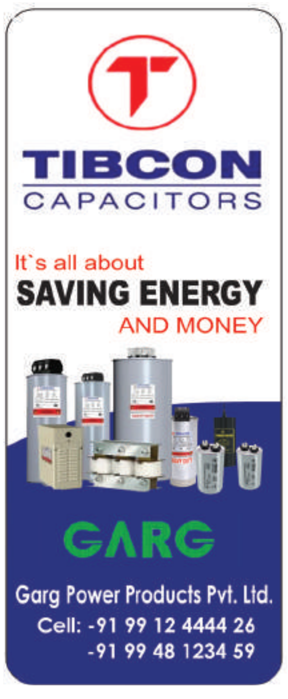

सरकार के लिए देश की सुरक्षा सर्वप्रथम

भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगेंगे

आइजोल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि केंद्र ने भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लाने और मुक्त आवाजाही व्यवस्था को खत्म करने का फैसला किया है। क्योंकि सरकार देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। आइजोल में भाजपा का घोषणा-पत्र जारी करने के बाद पत्रकारों से बातचीत जयशंकर ने यह बात कही।

फ्री मूवमेंट रेजीम (एफएमआर) खत्म करने पर विचार

गौरतलब है कि फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद अपने देश से भागने के बाद म्यांमार के हजारों लोगों ने कई उत्तर-पूर्वी राज्यों खासकर मिजोरम में शरण ली है। मुझे लगता है कि हमारे देश की सुरक्षा, मिजोरम सहित हमारे राज्यों की सुरक्षा के लिए हमें कुछ सावधानियां बरतने की जरूरत है। लेकिन अभी हम जो सावधानियां बरत रहे हैं, वे एक निश्चित स्थिति के जवाब में हैं। अभी भी हमारा पड़ोसी एक संकट से गुजर रहा है। अगर म्यांमार में चीजें सामान्य होतीं तो ऐसा नहीं होता।

जयशंकर ने कहा कि केंद्र लोगों के हितों, परंपराओं, रीति-रिवाजों और सीमा पार रिश्तों के प्रति बहुत संवेदनशील है। प्रस्तावित सीमा बाड़ लगाने और एफएमआर को खत्म करने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिलहाल यह महत्वपूर्ण है कि हम सावधानी बरतें। इसलिए हम चाहते हैं कि लोग समझें कि यह आज की स्थिति की प्रतिक्रिया है।

केंद्र ने फरवरी में भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और दोनों देशों के बीच मुक्त आवाजाही व्यवस्था को खत्म करने का फैसला किया। फ्री मूवमेंट रेजीन (एफएमआर) भारत-म्यांमार सीमा के करीब रहने वाले लोगों को बिना वीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किमी तक जाने की अनुमति देता है। भारत म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है और विशेष रूप से मिजोरम, पड़ोसी देश के साथ 510 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। ▶9पर

अर्धसैनिक बलों के साथ हो रहा खुला फ्रॉड, सरकार मौन

सीआरपीएफ को बेचे जा रहे हैं नकली ट्रैक सूट

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ में नकली ट्रैक सूट बेचे जाने का मामला सामने आया है। नोएडा स्थित बल के ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफ वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन सीडब्ल्यूए द्वारा संचालित परिवार कल्याण केंद्र पर अनाधिकृत तौर से ट्रैक सूट की बिक्री हो रही है। सुरक्षा बल के एक अधिकारी ने सीडब्ल्यूए अध्यक्ष और डीआईजी ग्रुप सेंटर को दी अपनी लिखित शिकायत में आरोप लगाया है कि इस ट्रैक सूट को ज्यादा दामों पर बेचा जा रहा है। इतना ही नहीं, ट्रैक सूट पर एक प्रतिष्ठित ब्रांड का नाम लिखा है।

अधिकारी का दावा है कि यह ट्रैक सूट नकली है। इस मामले की विस्तृत जांच की जाए।सुरक्षा बल के सहायक कमांडेंट राहुल सोलंकी ने अपनी ▶9पर

दिल्ली आबकारी नीति घोटाला

सीबीआई ने भी किया के. कविता को गिरफ्तार

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। सीबीआई ने बताया कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से गिरफ्तार किए जाने के बाद से तिहाड़ जेल में हैं। सीबीआई ने उन्हें वहीं से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें दिल्ली के राऊज एवेंयू कोर्ट ▶9पर

ईडी ने चुनाव आयोग को दी महत्वपूर्ण सूचना

माकपा के 80 अघोषित बैंक खाते

तिरुवनंतपुरम, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।
केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास लगभग 80 अघोषित बैंक खाते हैं। इसके अलावा त्रिशूर में माकपा की करीब 100 अघोषित अचल सम्पत्तियां हैं। यह दावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निर्वाचन आयोग को भेजे गए अपने पत्र में किया है। मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित जांच में ईडी को यह जानकारियां मिली हैं।

जांच एजेंसी का कहना है कि त्रिशूर स्थित करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से संबंधित जांच के दौरान इन सम्पत्तियों का पता चला। इसे लेकर ईडी द्वारा माकपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री एसी मोइदीन से पूछताछ की गई। एजेंसी ने निर्वाचन आयोग को इस बात की जानकारी दी है पार्टी के करीब 80 ▶9पर

शेयर मार्केट

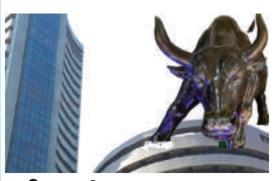

बीएसई : 75,038.15
+354.45 (0.47%) ↑
एनएसई : 22,753.80
+111.05 (0.49%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 74,080/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 85,224/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 24^0

कीमोथैरेपी के बाद महिला के उड़े बाल, त्वचा भी खराब हुई, अब डॉक्टर का खुलासा–उसे कभी कैंसर था ही नहीं

वॉशिंगटन्,11 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के टेक्सास में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक महिला की पैथोलॉजी रिपोर्ट में बताया गया कि महिला कैंसर से पीड़ित है। इस रिपोर्ट के आधार पर महिला की कीमोथैरेपी शुरू कर दी गई, लेकिन अब पता चला है कि महिला को कैंसर था ही नहीं। अब महिला हैरान-परेशान है कि उसके साथ क्या हुआ। इस मामले में डॉक्टरों की भारी लापरवाही सामने आई है।

क्या है पूरा मामला – मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महिला साल 2022 में पेटदर्द की शिकायत पर अस्पताल पहुंची थी। महिला को आशंका थी कि यह किडनी में पथरी की समस्या की वजह से हो सकता है। जांच रिपोर्ट में उसकी किडनी में पथरी का पता भी चला, लेकिन जांच में महिला के स्पलीन (प्लीहा) बढ़ा हुआ पाया गया। इसके बाद बीते साल जनवरी में महिला की स्पलीन की सर्जरी की गई और अतिरिक्त हिस्सों को निकाल दिया गया। सर्जरी से निकाले गए स्पलीन के अतिरिक्त हिस्से को जांच के लिए भेजा गया। तीन पैथोलॉजी लैब की रिपोर्ट में सही–सही जानकारी नहीं मिल पाई तो उसे चौथी लैब में भेजा गया, जहां से कैंसर की पुष्टि हुई।

डॉक्टरों ने पार की लापरवाही की हद – इसके बाद अस्पताल में महिला की कीमोथैरेपी शुरू हो गई। पहली कीमोथैरेपी के बाद महिला के सारे बाल उड़ गए और दूसरी कीमोथैरेपी में महिला की त्वचा खराब हो गई। अप्रैल में जब महिला एक रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंची तो महिला को बताया गया कि उसे कैंसर नहीं है और वह ठीक है। इस खबर को सुनकर महिला हैरान रह गई। महिला का कहना है कि अस्पताल ने घोर लापरवाही की। महिला ने बताया कि लैब से रिपोर्ट उसकी दूसरी कीमोथैरेपी होने से पहले ही अस्पताल पहुंच गई थी, लेकिन अस्पताल के डॉक्टरों ने रिपोर्ट देखी ही नहीं और उसकी कीमोथैरेपी कर दी।

न्यूज ब्रीफ

एक और जंग की आहट, किम जोंग का सेना को युद्ध के लिए और बेहतर तैयार रहने का आदेश

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को युद्ध के लिए तैयार रहने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया के आसपास अस्थिर भू–राजनीतिक हालातों, विशेष रूप से दक्षिण कोरिया और अमेरिका के साथ तनाव को ध्यान में रखते हुए उन का कहना है कि अब जंग के लिए और अधिक तैयार रहने का समय है। दुश्मन डीपीआरके के साथ टकराएगा तो... किम ने सैन्य विश्वविद्यालय किम जोंग इल यूनिवर्सिटी ऑफ मिलिट्री एंड पॉलिटिक्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने युद्ध की तैयारियों को भी जांचा। विश्वविद्यालय और छात्रों से बात करते हुए उन ने कहा कि अगर दुश्मन डीपीआरके के साथ टकराएगा तो हम अपने सभी साधनों को जुटाकर बिना किसी हिचकिचाहट के दुश्मन को मौत के घाट उतार देंगे। पहले से कई अधिक तैयार रहने का समय उत्तर कोरिया के तानाशाह ने निरीक्षण के दौरान डीपीआरके के आसपास कठिन अंतरराष्ट्रीय स्थिति, अनिश्चित एव अस्थिर सेना और राजनीतिक हालातों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले से कई अधिक अब युद्ध के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहने का समय है। हथियारों के बेड़े को मजबूत कर रहा उत्तर कोरिया लगातार अपने हथियारों के बेड़े को मजबूत करता जा रहा है। उसने कुछ महीनों पहले एक हाइपरसोनिक वारहेड ले जाने वाली मध्यम दूरी की ठोस ईंधन वाली बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) का सफल परीक्षण किया था। बताया जा रहा था इस मिसाइल को अमेरिका के दूरस्थ ठिकानों पर हमला करने के लिए तैयार किया गया है। वहीं इस महीने की शुरुआत में किम जोंग उन ने हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण प्रक्षेपण की निगरानी की, जिसमें ठोस ईंधन का इस्तेमाल किया गया था।

सीमा विवाद का तत्काल हल निकालने के पीएम मोदी के बयान पर आई चीन की प्रतिक्रिया

बीजिंग । मजबूत और स्थिर संबंधों से चीन और भारत के साझा हितों की पूर्ति होगी। चीन की यह प्रतिक्रिया भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के साथ चीन के संबंध पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा था कि दोनों देशों को मिलकर बातचीत के जरिए सीमा विवाद का तत्काल हल निकाला जाना चाहिए। अब चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है कि चीन ने प्रधानमंत्री की टिप्पणियों पर गौर किया है। माओ ने आगे कहा कि अगर भारत और चीन के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध होंगे, तो इससे दोनों देशों के साझा हितों की भी पूर्ति होगी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने क्या कहा चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने सीमा विवाद पर कहा है कि भारत–चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को ठीक से प्रबंधित कर उचित रूप से रखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश राजनयिक और सैन्य माध्यमों से संपर्क में हैं। बता दें कि गुरुवार को पीएम मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत के लिए चीन के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध महत्वपूर्ण हैं।

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शीर्ष पर पहुंचा काठमांडो, वायु गुणवत्ता में आई बड़ी गिरावट

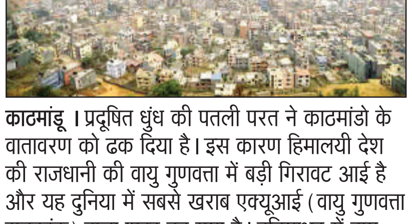

काठमांडू । प्रदूषित धुंध की पतली परत ने काठमांडो के वातावरण को ढक दिया है। इस कारण हिमालयी देश की राजधानी की वायु गुणवत्ता में बड़ी गिरावट आई है और यह दुनिया में सबसे खराब एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) वाला शहर बन गया है। दुनियाभर में वायु–गुणवत्ता का डाटा जुटाने वाले स्विस समूह 'आईक्यू एयर' की रीडिंग के अनुसार, सुबह 8 बजे काठमांडो में पार्टिकुलेट मैटर प्रदूषण (पीएम 2.5) स्तर 241 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। सुबह 10 बजे तक यह बढ़कर 258 पर पहुंच गया। हवाईअड्डे की दृश्यता घटी बढ़ते प्रदूषण स्तर के कारण दृश्यता में गिरावट का असर काठमांडो में हवाईअड्डे के परिचालन पर भी पड़ा। यहां दृश्यता घटकर 2000 मीटर रह गई। इस कारण हवाई जहाजों के उतरते और उड़ान भरते समय काफी सावधानी बरती जा रही है।

हमास के हमले के बाद इजराइल से भारत लौटे छात्रों ने दूतावास को किया धन्यवाद, कहा- समय से सहायता मिली

यरूशलम, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

हमास–इजराइल के बीच जल रही जंग को करीब छह महीने से ज्यादा समय हो गया है। फिर भी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच एक इजराइली शोधकर्ता ने दावा किया है कि हिज्बुल्ला उत्तरी इजराइल के गैलिली क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश कर सकता है। वहीं, इजराइल में पढ़ रहे भारतीय छात्रों ने हमलों के बीच उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली में भारतीय दूतावास और अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इजराइल में कार्बनिक रसायन विज्ञान में पीएचडी के छात्र राहुल ने आतंकवादी हमलों के जवाब में इजराइल द्वारा हमास के खिलाफ युद्ध की घोषणा के बाद के हालात के बारे में बताया। साथ ही कैसे दूतावास ने उनकी मदद की यह भी बताया।

जब जंग शुरू हुई तो...

राहुल ने कहा, जब युद्ध शुरू हुआ, तो यह बहुत चौंकाने वाला था। उस दिन चारों तरफ अफरा–तफरी का माहौल था। बाद में चीजें स्पष्ट हो गई हैं। दूतावास ने घर वापस आने वाली उड़ान के बारे में हमसे संपर्क किया। उन्होंने हमें उन सभी को वापस भेजने का आश्वासन दिया जो घर जाना चाहते थे।

राहुल ने कहा कि भारतीय दूतावास ने तेजी से लोगों को निकालने का प्रबंध किया और सुनिश्चित किया कि सभी छात्र दो से तीन दिनों के भीतर अपने घर लौट सकें। उन्होंने कहा कि आखिरकार हमें दो से तीन दिनों के अंदर वापस बुला लिया गया। उन सभी लोगों की तरह जो घर जाना चाहते थे, हमने ईमेल के माध्यम से अपनी इच्छा जताई थी। फिर उन्होंने हमें तीन दिनों के अंदर घर वापस बुला लिया। उन्होंने अधिकारियों द्वारा दिए गए स्पष्ट मार्गदर्शन के लिए सराहना व्यक्त कर कहा, हां, यह बहुत स्पष्ट था और हम जानते थे कि वास्तव में क्या करना है।

हमले के बाद दूतावास से एक ईमेल मिला

एक अन्य भारतीय छात्र ने भारत और इजराइल दोनों सरकारों के प्रति आभार व्यक्त किया। उसका कहना है, सात अक्तूबर के हमले के बाद हमारे पास दूतावास से एक ईमेल आया। इसके बाद हमने दूतावास और भारत सरकार से संपर्क किया। भारतीय दूतावास ने मदद की। उन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। सब कुछ सुचारू

रूप से हुआ। इसलिए हम भारत सरकार के साथ–साथ इजराइल सरकार को भी धन्यवाद देना चाहते हैं।

भारत ने चलाया था ऑपरेशन अजय

पिछले साल 11 अक्तूबर को, भारत सरकार ने ऑपरेशन अजय शुरू किया, जो फंसे हुए और परेशान भारतीय नागरिकों की मदद करने के लिए एक ऑपरेशन था, जो इजराइल से घर लौटने के इच्छुक थे। ऑपरेशन का नाम संस्कृत शब्द अजय के नाम पर रखा गया था, जिसका अर्थ है अविजय। दिसंबर 2023 तक, 1,309 भारतीय नागरिक, 14 ओसीआई कार्ड धारक और 20 नेपाली ऑपरेशन अजय के तहत इजराइल से भारत लौटे।

इजराइली शोधकर्ता ने बताई आपबीती

अल्मा रिसर्च एंड एजुकेशन सेंटर की अध्यक्ष तथा संस्थापक और इजराइल डिफेंस फोर्सेज इंटेलिजेंस कॉर्प्स की पूर्व शोधकर्ता सरित जेहावी ने बताया, युद्ध आठ अक्तूबर को शुरू हुआ और तब से यहां हर दिन हिज्बुल्ला एंटी–टैंक मिसाइलों से हमला कर रहा है। उन्होंने एक भारतीय विदेशी कामगार की भी हत्या कर दी। इस युद्ध के शुरू होने के बाद से 43 शहरों में 60 हजार इस्राइलियों को निकाला गया था। यह शहर खंडहर में बदल गए हैं। मौजूदा स्थिति मेरे जैसे नागरिकों को भी प्रभावित करती है, जिन्हें यहां से निकाला नहीं गया था।

उन्होंने आगे कहा, मैं सीमा से नौ किलोमीटर दूर रहती हूं और इन इलाकों से नागरिकों को नहीं निकाला गया। हम अपने चारों ओर हमले की आवाज सुनते हैं। कई बार सायरन बजते हैं। सब कुछ बदल गया। इस युद्ध के शुरू होने के बाद से हमारा जीवन पहले जैसा नहीं रहा है। हालांकि, जो चीज हमें ज्यादा परेशान करती है या सबसे खराब स्थिति, जिसका हमें अब डर है वह यह है कि हिज्बुल्ला गैलील पर कब्जा करने की अपनी आक्रामक योजना को अंजाम दे रहा है।

इजराइल-हमास के बीच छह माह से जंग जारी

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है।

व्हाइट हाउस पहुंचे जापान के पीएम, टिम कुक, जेफ बेजोस समेत अन्य भी शामिल

वॉशिंगटन, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जॉय बिडेन ने बुधवार को व्हाइट हाउस में जापानी प्रधानमंत्री समेत टिम कुक और जेफ बेजोस को आमंत्रित किया। इस दौरान स्टार ट्रेक समेत कई अन्य मुद्दों पर बातचीत की गई।उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ उनके देश के संबंध इसी तरह मधुर रहेंगे। इस दौरान व्यापार, खेल और राजनीति आदि पर भी बातचीत हुई। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदो ने इस दौरान अंग्रेजी में बात कर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हम ऐसे ही साथ चलते रहेंगे।

इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बिडेन और जापानी प्रधानमंत्री किशदो ने वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट रहने की बात कही। इस दौरान हिलेरी क्लिंटन, डी नीरो, जापानी पॉप जोड़ी योआसोबी, जेपी मॉर्गन चेज के सीईओ जेमी डिमन, एप्पल के सीईओ टिम कुक और अमेजॉन के संस्थापक जेफ बेजोफ, शॉन फेन, यूनाइटेड स्टीलवर्कर्स के अध्यक्ष डेविड मैक्कल भी उपस्थित रहे।

किशिदा ने कहा कि मैं एक साथ इतने सारे अमेरिकी और जापानी मेहमानों के सामने मैं अवाक हूं, मेरी सांसें रुक गई हैं।

बता दें कि व्हाइट हाउस में राजकीय भोज एक तरह का राजकीय सम्मान होता है, जोकि अमेरिका द्वारा अपने निकटतम सहयोगियों को ही दिया जाता है। साइमन ने इस दौरान गिटार के साथ अपने दो हिट गाने ग्रेसलैंड और स्लिप स्लाइडिन अवे प्रस्तुत किए। ड्राई–एज्ड रिब आई स्टेक, चेरी ब्लॉसम और पॉल साइमन का संगीत भी शाम का हिस्सा रहे।

वहीं राष्ट्रपति जॉय बिडेन ने कहा कि साइमन जिल बिडेन के पसंदीदा कलाकार हैं, इसलिए उन्हें खासतौर पर किशिदा के लिए आमंत्रित किया गया है, वहीं प्रधानमंत्री ने भी साइमन के संगीत की खूब तारीफ की।

पांच अन्य देशों में भी कर चुके हैं राजकीय भोज

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा पांचवें विश्व नेता हैं, जिन्हें फ्रांस, दक्षिण कोरिया, भारत और ऑस्ट्रेलिया के समकक्षों के बाद बिडेन ने राजकीय रात्रिभोज से सम्मानित किया है।

पाकिस्तान में जो हालात हैं, उनसे एक बार फिर देश टूट सकता है, इमरान खान ने दी चेतावनी

इस्लामाबाद,11 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने चेतावनी दी है कि देश में जो मौजूदा हालात हैं, उनसे एक बार फिर ढाका जैसी त्रासदी हो सकती है। इमरान खान ने साल 1971 के हालात की मौजूदा हालात से तुलना की और कहा कि देश आर्थिक तौर पर तबाही के कगार पर पहुंच सकता है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के चीफ इमरान खान ने रावलपिंडी की अडियाला जेल से देशवासियों और पार्टी समर्थकों के लिए संदेश जारी किया।

इमरान बोले- लंदन प्लान से थोपी गई सरकार

अपने संदेश में इमरान खान ने कहा कि कोई भी देश या संस्थान बिना आर्थिक स्थिरता के नहीं चल सकता। पीटीआई के मुख्य सूचना सचिव रऊफ हसन ने मीडिया से बात करते हुए इमरान खान के संदेश की जानकारी दी। वहीं पार्टी के नेता बैरिस्टर राजा ने बताया कि इमरान खान अभी भी देश के लिए समर्पित हैं, लेकिन देशवासियों के लिए चिंतित भी हैं। राजा ने बताया कि इमरान खान ने कहा कि जब लोगों को अधिकार दिए जाएंगे, तभी अर्थव्यवस्था विकास करेगी।

इमरान का संदेश देते हुए बैरिस्टर राजा ने कहा कि 1970 में तत्कालीन सेना प्रमुख याहया खान चाहते थे कि किसी भी पार्टी को बहुमत न मिले, लेकिन जब शेख मुजीबुर रहमान की पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला तो सेना ने बहुमत छीन लिया क्योंकि याहया खान को राष्ट्रपति बनना था। हमुदूर रहमान आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए इमरान खान ने कहा कि हम फिर से वही गलती कर रहे हैं। 1970 में भी लंदन प्लान था और अब एक बार फिर लंदन प्लान के तहत सरकार थोप दी गई है। इमरान खान और उनकी पार्टी लगातार दावा कर रही है कि 8 फरवरी को हुए आम चुनाव में धांधली हुई और जनादेश की चोरी की गई। पीटीआई ने इसके आरोप पाकिस्तानी सेना पर लगाए हैं। हालांकि इसके बावजूद पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली में सबसे ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज की।

वीजा शर्तों में उल्लंघन के चलते ब्रिटेन की कार्रवाई मामले में 11 भारतीय नागरिक समेत 12 लोग गिरफ्तार

लंदन, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के आव्रजन अधिकारियों ने वीजा शर्तों का उल्लंघन करने और केक फैक्ट्री में अवैध रूप से काम करने के संदेह में की गई छापेमारी में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, गौरतलब है कि आरोपियों में से 11 भारतीय नागरिक हैं।

उल्लंघन के संदेह के चलते कई 12 लोगों पर गिरी गाज

बुधवार को ब्रिटेन के होम ऑफिस के एक बयान के मुताबिक, आव्रजन प्रवर्तन अधिकारी इंग्लैड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में खुफिया सूचना के बाद की गई कार्रवाई में पाया गया कि वहां अवैध रूप से काम हो रहा था। गृह कार्यालय के मुताबिक, वहां अवैध रूप से काम करने के संदेह में सात भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

वीजा शर्तों के उल्लंघन मामले पर ब्रिटेन की कार्रवाई

वहीं पास में स्थित एक केक फैक्ट्री से चार भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, उन्हें अपनी वीजा शर्तों का उल्लंघन करते हुए पाया गया। इसके बाद एक भारतीय महिला को एक निजी घर में आव्रजन अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया है। गृह कार्यालय के मुताबिक, दोपहर बाद भी मामले में आगे की कार्रवाई की गई। गृह कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने कहा कि चार आरोपियों को ब्रिटेन से हटाने या भारत निर्वासन पर विचार होने तक हिरासत में लिया गया था, बाकी बचे आठ को शर्त पर जमानत दी गई।

कारखानों के मालिकों पर की जा सकती है कड़ी कार्रवाई

इस बीच, अगर यह साबित हो जाता है कि उन्होंने अपने कारखानों में अवैध श्रमिकों को नियुक्त किया है तो दोनों व्यवसायों को जुर्माने की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। अवैध प्रवासन से निपटने के लिए ब्रिटेन के मंत्री

माइकल टॉमलिंसन ने कहा कि यह कार्रवाई इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि हम देशभर में आव्रजन प्रवर्तन गतिविधि को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं। टॉमलिंसन के मुताबिक, नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर भारी जुर्माने की उम्मीद की जा सकती है और अगर श्रमिकों को यहां रहने या काम करने का कोई अधिकार नहीं पाया गया, तो हम कार्रवाई करने और उन्हें देश से निकालने में पीछे नहीं हटेंगे।

संसदीय चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार, पीएम हान डक सू ने की इस्तीफे की पेशकश

सियोल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के संसदीय चुनाव के लिए मतदान हुआ। नतीजों के शुरुआती रुझानों में राष्ट्रपति यून सुक की पार्टी पिछड़ती नजर आ रही है, वहीं विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिल सकता है। दक्षिण कोरियाई मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, शुरुआती रुझानों में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 161 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं सत्ताधारी पार्टी पीपल्स पावर पार्टी 90 सीटों पर आगे है। चुनाव के अंतिम नतीजें गुरुवार शाम तक जारी हो सकते हैं। दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री हान डक सू समेत राष्ट्रपति के कई शीर्ष अधिकारियों ने राष्ट्रपति यून सुक योल से मिलकर अपने इस्तीफे की पेशकश की है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि राष्ट्रपति ने इस्तीफे स्वीकार किए हैं या नहीं। दरअसल सत्ताधारी पार्टी पीपल्स पावर पार्टी को संसदीय चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। हान डक सू ने हार की जिम्मेदारी ली है और नैतिकता के नाते अपने इस्तीफे की पेशकश की है।

विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत के संकेत

दक्षिण कोरिया के नेशनल इलेक्शन कमीशन एंड नेटवर्क ब्रॉडकास्टर्स के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब छह बजे तक 99 फीसदी वोटों की गिनती हो चुकी है, जिनके अनुसार डेमोक्रेटिक पार्टी को 300 में से 170 सीटों पर जीत मिल सकती है। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी की सहयोगी पार्टी लिबरल पार्टी को कम से कम 10 सीटों पर जीत मिल सकती है। इस पर डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जी म्युंग ने कहा कि जब मतदाता मुझे चुनते हैं तो उनका यह फैसला यून सुन योल सरकार के खिलाफ है और वे डेमोक्रेटिक पार्टी को यह जिम्मेदारी दे रहे हैं कि हम लोगों की आजीविका और समाज को बेहतर बनाने के लिए काम करें।

राष्ट्रपति यून को बड़ा झटका

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विभिन्न सर्वे में भी डेमोक्रेटिक पार्टी की 196 सीटों पर जीत दर्ज करने का दावा किया गया था। वहीं पीपल्स पावर पार्टी को 105 सीटें मिलने की बात कही गई थी। चुनाव नतीजों में भी पीपल्स पावर पार्टी को 100 के करीब सीटें मिलने की उम्मीद है। इसका मतलब ये होगा कि विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के पास संसद में बहुमत होगा और ऐसे में विपक्षी पार्टी के पास राष्ट्रपति के वीटो को पलटने और संविधान संशोधन की शक्ति होगी। राष्ट्रपति यून ने करीब दो साल पहले राष्ट्रपति पद संभाला था और अभी उनका तीन और वर्षों का कार्यकाल बचा है। ऐसे में संसदीय चुनाव के नतीजों से स्पष्ट है कि राष्ट्रपति यून सुक योल को अपना पूरा कार्यकाल संसद में विपक्ष के दबदबे के बीच गुजरना पड़ेगा। राष्ट्रपति यून ने राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के ली जी म्युंग को करीबी मुकाबले में हराया था।

दक्षिण कोरिया में 254 सीटों के लिए हुआ था मतदान

दक्षिण कोरिया में संसद की 300 सीटें हैं, जिनमें से 254 सीटों पर सीधे चुनाव होता है, वहीं 46 अन्य सीटें पार्टी समर्थन के अनुसार आवंटित की जाती हैं। दक्षिण कोरिया के चुनाव आयोग के अनुसार, संसदीय चुनाव में करीब 67 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह दक्षिण कोरिया के संसदीय चुनाव में सबसे ज्यादा वोटिंग प्रतिशत है।

सतर्कता विभाग (विजिलेंस) की कार्रवाई

अरविंद केजरीवाल का पीए बर्खास्त

जाली सर्टिफिकेट मामले में आपा नेता पर कार्रवाई

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कानून का शिकंजा कसता चला जा रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद अब सतर्कता विभाग (विजिलेंस) ने केजरीवाल के निजी सचिव (पीएम) विभव कुमार को बर्खास्त कर दिया है। दिल्ली शराब घोटाले में विभव कुमार से भी प्रवर्तन निदेशालय कई बार पूछताछ कर चुका है।

दूसरी तरफ 12वीं का जाली सर्टिफिकेट मामले में आपा नेता पर चुनाव आयोग ने कार्रवाई की है। लुधियाना में जाली डिग्री बनाने और गलत दस्तावेज लगाकर वकील की डिग्री दिलाने

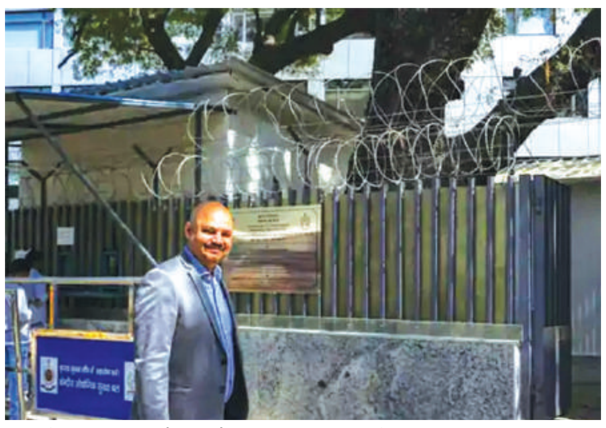

की शिकायत करने वाले आम आदमी पार्टी के जिला युवा प्रधान परमिंदर सिंह संधू खुद जालसाजी में फंस गए। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल की सिफारिश पर हुई जांच में पता चला कि 12वीं में फेल होने वाला आम आदमी पार्टी का युवा नेता जाली सर्टिफिकेट लगाकर वकील बना है।

जांच रिपोर्ट आने के बाद भी राजनीतिक आकाओं की वजह से वह पुलिस पर दबाव बनाकर गिरफ्तारी से बचता रहा। शिकायतकर्ता एडवोकेट डेविड गिल ने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की। जिसके बाद चुनाव आयोग के आदेश पर आप नेता परमिंदर सिंह संधू पर मामला दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए गए। थाना डिविजन पांच की पुलिस ने धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

लुधियाना के टिब्बा रोड के गोपाल नगर इलाके में रहने वाले आप नेता परमिंदर सिंह संधू की शिकायत पर थाना डिविजन पांच पुलिस ने नवंबर 2022 को महानगर के कई वकीलों पर जाली डिग्री बनाने सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। जब जांच आगे बढ़ी तो पता चला कि जाली दस्तावेज लगाने और जाली डिग्री लाने के मामले में परमिंदर सिंह संधू खुद भी गलत है। जिसके बाद एडवोकेट गिल ने शिकायत की और आरोप लगाया कि आप नेता ने 12वीं में फेल होने के बावजूद जाली सर्टिफिकेट लगा वकालत की है। एडवोकेट गिल ने 30 जनवरी 2023 को दर्ज कराई अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि आरोपी परमिंदर सिंह संधू द्वारा एलएलबी में दाखिला लेने के लिए पेश किया 12वीं कक्षा का प्रमाण पत्र फर्जी है।

शिकायत के बाद पुलिस ने जांच की। पुलिस के अनुसार संधू ने एलएलबी में दाखिले के लिए दिल्ली बोर्ड ऑफ सीनियर सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा जारी 12वीं के सर्टिफिकेट का इस्तेमाल किया था। जांच के दौरान उसने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसने 2008 में पंजाब स्कूल एजुकेशन बोर्ड, मोहाली से 12वीं पास की थी, लेकिन जनवरी 2020 में उसका सर्टिफिकेट खो गया। जांच के दौरान जब पुलिस ने बोर्ड से सम्पर्क किया तो पता चला कि संधू 2008 में 12वीं फेल हो गया था। दिल्ली बोर्ड ऑफ सीनियर सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा जारी सर्टिफिकेट फर्जी था। एडवोकेट गिल ने कहा कि राजनीतिक दबाव के कारण संधू पर कोई एक्शन पुलिस नहीं ले रही थी। चुनाव आयोग से शिकायत करने के बाद ही संधू को नामजद किया गया है।

गुजरात में कांग्रेस को झटका रोहन गुप्ता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस नेता रोहन गुप्ता भाजपा में शामिल हो गए हैं। पिछले महीने 22 मार्च को रोहन गुप्ता ने पार्टी के संचार विभाग से जुड़े एक कांग्रेस नेता पर लगातार अपमान और चरित्र हनन का आरोप लगाते हुए पार्टी से इस्तीफा दिया था।

भाजपा में शामिल होने के बाद रोहन गुप्ता ने कहा, कितने विरोधाभास हो सकते हैं। एक संचार प्रभारी हैं, जिनके नाम में राम है, उन्होंने हमसे सनातन का अपमान होने पर चुप रहने को कहा था। देश के नाम पर गठबंधन बनाया गया, लेकिन उसमें देश विरोधियों को शामिल किया गया। ऐसी क्या मजबूरी है कि जिस केजरीवाल पर खालिस्तानियों से जुड़े होने का आरोप लगा था, आज वही

केजरीवाल उनका समर्थन कर रहे हैं। रोहन ने कहा, मैं नवरात्रि में भाजपा में शामिल हो कर गर्व महसूस कर रहा हूं। मैं बिना किसी उम्मीद के देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं पिछले 15 साल तक कांग्रेस में था, जबकि मेरे पिता 40 साल तक कांग्रेस में रहे। बिना किसी उम्मीद के हमारे परिवार ने कांग्रेस के लिए कार्य किया। लेकिन हमारा अपमान किया जा रहा है और स्वाभिमान को कुचला जा रहा है। इसलिए मैंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला लिया।

12 मार्च को घोषित कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची में रोहन गुप्ता का भी नाम शामिल था। लेकिन उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। उन्होंने बताया कि उनके पिता की तबीयत ठीक नहीं चल रही है, इस कारण वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। हालांकि, अब वह भाजपा में शामिल हो चुके हैं। रोहन गुप्ता ने कहा था, गंभीर बीमारी के कारण मेरे पिता अस्प-ताल में भर्ती हैं। मैं कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अहमदाबाद पूर्व संसदीय क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी वापस ले रहा हूं। मैं पार्टी की ओर से नामित नए उम्मीदवार को पूरा समर्थन दूंगा। गुप्ता ने एक पत्र के जरिये गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल को अपना नाम वापस लेने की जानकारी दे दी है। पोस्ट में उन्होंने आगे कहा लिखा था वह अपने अपने जीवन का एक और कठिन निर्णय लेने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 15 साल तक कांग्रेस के साथ रहने के बाद अब पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं।

सिक्किम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणा-पत्र जारी

गंगटोक, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिक्किम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आज अपना घो-षणा पत्र जारी कर दिया है। सिक्किम की राजधानी गंगटोक में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री उत्तर पूर्व के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उनका विजन है कि देश के हर कोने से कनेक्टिविटी रहनी चाहिए। नड्डा ने कहा कि बीते 10 वर्षों में सिक्किम में आए बदलावों को आप खुद देख सकते हैं। सिक्किम की 32 विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होना है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी का घोषणा पत्र जारी करने

के बाद कहा कि आपको जानकर खुशी होगी कि मोदी जी के द्वारा पूर्वोत्तर में पांच लाख करोड़ रुपए, पिछले 10 वर्षों में खर्च किए गए हैं। पिछली सरकार ने उत्तर पूर्वी राज्यों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। कांग्रेस का काम करने का यही तरीका है। प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी ने ही लुक ईस्ट, एक्ट ईस्ट और एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट नीति बनाई। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सिक्किम में करीब 55 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है।

भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद, एक गिरफ्तार

इंफाल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी मात्रा में नकदी, कार्बाइन मशीन गन समेत कई चीजें बरामद कीं। वहीं एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। मणिपुर पुलिस के साथ चलाए गए अभियान के तहत असम राइफल्स ने 13,11,130 रुपए नकद, एक कार्बाइन मशीन गन, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड, एक शॉटगन और गोला-बारूद के साथ एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। बरामद सामान के साथ पकड़े गए व्यक्ति को आगे की जांच के लिए उखरुल पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

दिल्ली दंगा में जेएनयू के उमर खालिद की भूमिका उजागर

षडयंत्र करने और अफवाहें फैलाने में सक्रिय था खालिद

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

कड़कड़डूमा कोर्ट में बुधवार को दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद की जमानत को लेकर सुनवाई हुई। इसमें दिल्ली पुलिस की ओर से बताया गया कि आरोपी उमर खालिद ने प्रभावशाली लोगों को माध्यम से मीडिया और सोशल मीडिया पर झूठा नैरेटिव गढ़ा। उसने अपने पक्ष में झूठी कहानी फैलाई।

उमर खालिद की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसके मोबाइल फोन के डाटा से कई जानकारी मिली है। उसकी चैट से कई राज खुले हैं। वह कुछ राजनेत-ाओं, अभिनेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सम्पर्क में था। विशेष लोक अभियोजक द्वारा यह भी प्रस्तुत किया गया कि कई लोगों ने जमानत की सुनवाई को प्रभावित करने के लिए एक्स (पहले ट्विटर) का सहारा लिया। उन्होंने एक्स पर तीस्ता सीतलवाड, एमनेस्टी इंडिया, आकार पटेल, राज कौशिक, स्वाति चतुर्वेदी, आरजू अहमद और अन्य की पोस्ट का हवाला दिया।

विशेष न्यायाधीश ने उमर खालिद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिदीप पेस की खंडन दलीलें भी सुनीं। दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने मामले को आगे की बहस के लिए 24 अप्रैल को सुबह 10 बजे सूचीबद्ध किया। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक

(एसपीपी) ने उमर खालिद की जमानत अर्जी के व्हाट्सएप चैट का हवाला दिया। व्हाट्सएप चैट से यह भी पता चला है कि उसे जमानत की सुनवाई को स्पष्ट रूप से प्रभावित करने के लिए झूठा नैरेटिव गढ़ा। एसपीपी अमित प्रसाद ने तीस्ता सटेलवाड, आकार पटेल, कौशिक राज, स्वाति चतुर्वेदी, आरजू अहमद और अन्य द्वारा ट्विटर पर पोस्ट का भी उल्लेख किया।

एसपीपी ने अदालत में कुछ ट्वीट पढ़े। एक ट्वीट में लिखा था, राम रहीम की पैरोल मंजूर, उमर खालिद की जमानत सुप्रीम कोर्ट में 14 बार स्थगित हुई। एक अन्य ट्वीट में कहा गया, उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली। यह न्याय का मजाक है। एमनेस्टी इंडिया ने भी ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, एससी ने उनकी जमानत पर सुनवाई 14 बार स्थगित की है। वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिदीप पेस ने तर्क दिया कि केवल आरोपी व्यक्तियों से मिलना आतंकवाद का संकेत नहीं देती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उमर खालिद के पिता इंटरव्यू देते हैं इसका मतलब ये नहीं कि उसे जमानत नहीं दी जा सकती है। पेस ने कहा कि इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि आतंकी गतिविधि को अंजाम दिया गया। उमर खालिद के खिलाफ यूएपीए की धारा-15 नहीं लगाई जा सकती है। पेस ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को खारिज कर दिया कि उमर खालिद ने गुप्त बैठकें की। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ये कह रहा है कि उमर खालिद, ताहिर हुसैन और खालिद सैफी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के दफ्तर में मिले। अभियोजन के इस कथन का आधार केवल गवाह का बयान और सीडीआर है। उन्होंने पूछा कि क्या जमानत नहीं देने के लिए सीडीआर पर भरोसा किया जा सकता है। सीडीआर के मुताबिक भी सभी आरोपित दिए गए समय और तिथि पर एक साथ नहीं थे।

9 अप्रैल को दिल्ली पुलिस की ओर से दलीलें पूरी कर ली गई थी। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर अमित प्रसाद ने कहा था कि उमर खालिद की जमानत याचिका दिल्ली हाई कोर्ट खारिज कर चुका है।

उन्होंने कहा था कि हाई कोर्ट ने सेशंस कोर्ट के जमानत खारिज करने के फैसले पर पूरी सहमति जताई थी। उन्होंने कहा था कि जमानत पर विचार करते समय सभी तथ्यों पर विचार किया जाना चाहिए। अमित प्रसाद ने कहा था कि उमर खालिद की ओर से जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ये नहीं कहा जा सकता है कि जांच में कई गड़बड़ियां हैं। ये आरोप मुक्त करने की याचिका नहीं है।

गौरतलब है कि उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली थी और कहा था कि अब वह ट्रायल कोर्ट में याचिका दायर करेगा। उमर खालिद को 2020 के दिल्ली दंगों के पीछे बड़ी साजिश के मामले में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वो जेल में है। इससे पहले 18 अक्टूबर 2022 को दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा दिसंबर 2019 और फरवरी 2020 के बीच हुई बैठकों का नतीजा थी जिनमें उमर खालिद भी शामिल हुआ था। हाई कोर्ट ने कहा था कि उमर खालिद का नाम साजिश की शुरुआत से लेकर दंगा होने तक आता रहा। उमर खालिद व्हाट्सऐप ग्रुप डीपीएसजी और मुस्लिम स्टूडेंट्स ऑफ जेएनयू का सदस्य था। उमर खालिद ने कई बैठकों में हिस्सा लिया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर चार्जशीट पर भरोसा किया जाए तो ये साजिश की ओर साफ-साफ इशारा कर रहे हैं।

हाई कोर्ट ने कहा था कि विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में होने वाले आम राजनीतिक प्रदर्शन की तरह नहीं था बल्कि ये एक खतरनाक था जिसके गंभीर परिणाम हुए। पुलिसकर्मियों पर, महिला प्रदर्शनकारियों पर हमला किया गया जिससे इलाके में दंगा फैला जो कि निश्चित रूप से एक आतंकी कार्रवाई थी।

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का आंदोलन तेज

आंदोलन कुचलने की कोशिशें भाजपा पर भारी पड़ेंगी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 11 अप्रैल।

हालांकि अभी तक भाजपा ने लद्दाख की लोकसभा सीट के लिए अपने पत्ते नहीं खोले हैं पर यह पूरी तरह से सच है कि भूमि, संस्कृति और पहचान को सुरक्षित करने के लिए संविधान की छठी अनुसूची के लिए लद्दाख में हाल ही में विरोध प्रदर्शनों में वृद्धि का आगामी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पूरा प्रभाव पड़ेगा। दरअसल 5 अगस्त, 2019 को लद्दाख को एक अलग केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के रूप में स्थापित करने के बाद प्रारंभिक आशावाद के बावजूद, स्थानीय लोगों में शोषण और जनसांख्यिकीय बदलाव की आशंका के कारण जल्द ही मोहभंग हो गया, क्योंकि धारा 370 के तहत पहले मिली सुरक्षा अब मौजूद नहीं है।

लद्दाख में छठी अनुसूची के तहत शामिल करने की मांग के रूप में जो आंदोलन शुरू हुआ वह पूर्ण राज्य का दर्जा, नौकरी

आरक्षण और भूमि संरक्षण सहित आकांक्षाओं के व्यापक स्पेक्ट्रम में विकसित हुआ है। ये मांगें उनकी स्वायत्तता और भलाई के संबंध में लद्दाखियों की गहरी चिंताओं को दर्शाती हैं। इस आंदोलन में लेह और करगिल में राजनीतिक दलों द्वारा प्रदर्शित दुर्लभ एकता, जैसा कि करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) के बीच गठबंधन द्वारा प्रदर्शित की गई है, भाजपा के लिए एक चुनौती पेश करने लगी है। भाजपा के चुनावी वादे, विशेष रूप से छठी अनुसूची के कार्यान्वयन के संबंध में, बढ़ते असंतोष के कारण अब जांच का सामना कर रहे हैं।

लद्दाख में भाजपा की चुनावी सफलता, विशेष रूप से 2019 के लोकसभा चुनावों में लद्दाख सीट हासिल करना, को आंशिक रूप से यूटी दर्जे की मांग सहित लद्दाख की शिकायतों को दूर करने के वादों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था।

पर्यवेक्षकों का मानना है कि लद्दाख की चिंताओं को दूर करने में भाजपा की असमर्थता के परिणामस्वरूप मतदाताओं में निराशा है, जिससे आगामी लोकसभा चुनावों में चुनावी समर्थन का नुकसान हो सकता है। जानकारी के लिए भाजपा लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी)-लेह को नियंत्रित करती है जबकि एलएएचडीसी-करगिल कांग्रेस और नेकां के गठबंधन के साथ है।

हालांकि गृह मंत्रालय द्वारा गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने मामले को सुलझाने के लिए एलएबी और केडीए के सदस्यों के साथ कई दौर की बैठकें की हैं। समिति ने अपनी विशिष्ट पहचान को बनाए रखने के लिए लद्दाख के लोगों की चिंताओं की सराहना की है, लेकिन राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के लिए प्रतिबद्ध होने से इनकार कर दिया है। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लद्दाख में राज्य का दर्जा और क्षेत्र के लिए छठी अनुसूची की मांग को लेकर आंदोलन में सबसे आगे हैं।

विपक्षी कांग्रेस ने आंदोलन का समर्थन करके भाजपा के खिलाफ बढ़ते मोहभंग को भुनाने में तेजी लाई है। कांग्रेस नेता शेरिंग दोरजे कहते थे कि जनता भाजपा से परेशान है। वे कहते थे कि वांगचुक के अभियान ने लोगों को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग के लिए दबाव बनाने के लिए प्रेरित किया है।

दोरजे के बकौल, भाजपा को अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान नहीं करने के कारण कड़ी राजनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ेगा। भाजपा ने 2019 में करगिल से कुछ वोट हासिल किए, लेकिन भाजपा के अल्पसंख्यक विरोधी रुख के कारण यह समर्थन 70 से 80 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है। ऐसे में भाजपा के खिलाफ लद्दाख में बढ़ते गुस्से के बीच कांग्रेस को एक मौका दिख रहा है।

पुलवामा में सुरक्षाबलों के हाथों एक उग्रवादी मारा गया

जम्मू, 11 अप्रैल (ब्यूरो)।

कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। सुरक्षा बलों को आशंका है कि आतंकी लोकसभा चुनावों में खलल डाल सकते हैं। आतंकी इरादों से निपटने को हाई अलर्ट भी जारी किया गया है।

पुलिस ने बताया कि कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया है। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फ्रेसीपुरा इलाके में गुरुवार की सुबह से ही मुठभेड़ जारी है। आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर जिले के राजपुरा इलाके के फ्रेसीपुरा गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उसने बताया कि आतंकवादियों के बलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया।

सुरक्षाधिकारी कहते हैं कि उस पार से आतंकी घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे चुनावों में खलल डाल सकें। हालांकि अभी तक सुरक्षाबलों ने उनकी सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया है। उड़ी सेक्टर में एलओसी पर शुक्रवार को ही सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो आतंकियों को ढेर कर दिया था। इस बीच सुरक्षाधिकारियों का दावा है कि कश्मीर में होने जा रहे लोकतंत्र के इस महापर्व में खलल डालने के लिए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान और वहां पनाह लेकर बैठे आतंकवादी एक्टिव हो गए हैं। उनका दावा है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने आतंक के नए गठजोड़ लश्कर-इंडियन मुजहीद्दीन-अल बदर को इसकी जिम्मेदारी दी है। अगर खुफिया रिपोर्टों पर यकीन करें तो पाक अधिकृत कश्मीर में लांचिंग पेड पर मौजूद करीब 400 आतंकियों को कश्मीर में घुसपैठ करवाने की तैयारी की जा रही है।

आईएसआई ने कश्मीर में होने जा रहे लोकसभा चुनाव को नेस्तनाबूद करने के लिए साजिश का ब्लूप्रिंट भी तैयार किया है। अधिकारी दावा करते थे कि आतंकियों ने इसके लिए कई प्लान बनाए हैं। इनमें कश्मीर में मौजूद स्लीपर सेल के जरिए लोगों को बरगलाना और जरूरत पड़ने पर धमाके करना भी शामिल है। आतंकी कश्मीर में मतदान को प्रभावित करने के इरादे लिए हुए हैं ताकि पाकिस्तान दुनिया को दिखा सके कि कश्मीरी भारत के खिलाफ हैं। इसके लिए आतंकियों को सुरक्षाबलों के अतिरिक्त मतदान केंद्रों को निशाना बनाने के लिए कहा गया है।

यही नहीं अलग-अलग जगहों पर धमाके करके लोगों में दहशत का माहौल पैदा करना, ताकि वोटिंग पर्सेंटेज गिर सके इसकी भी आतंकी तैयारी कर रहे हैं। जबकि कश्मीर घाटी में मौजूद स्लीपर सेल तक ड्रोन और अन्य तरीकों से हथियार पहुंचाने का प्रयास भी तेज हो गया है। जानकारी के लिए सेनाधिकारियों ने एलओसी पर तैनात जवानों को यह निर्देश दिए हैं कि वे घुसपैठियों पर एलओसी पर ही मार गिराएं।

हरियाणा में स्कूली बस पलटने से पांच बच्चों की मौत,15 घायल

महेंद्रगढ़, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिले के उन्हाणी गांव के पास गुरुवार को एक स्कूल बस के पलट जाने से पांच बच्चों की मौत हो गयी और 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक जीएल पब्लिक स्कूल में आज सार्वजनिक अवकाश था, लेकिन यहां एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बच्चों को लेने के लिए बस भेजी गयी थी जिसमें करीब 35-40 बच्चे सवार थे। इसी दौरान बस अनियंत्रित होकर पलट गयी। घटना की वजह ओवरटेकिंग बतायी गयी है।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच एवं बचावकार्य शुरू किया। घायल बच्चों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल बच्चों को रेवाडी अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के समय बस चालक नशे में था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा कनीना स्कूल बस दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद घायलों का हाल-चाल जानने के लिए अस्पताल में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मृतक बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी। जानकारी के अनुसार हादसे में पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा के भांजे पूर्व सरपंच संजय शर्मा के पुत्र का भी निधन हुआ है।

राष्ट्रपति व पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुर्घटना पर दुख जताते हुए कहा कि हरियाणा के महेंद्रगढ़ में हुआ बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी शोक-संवेदनाएं उन सभी परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपने बच्चों को खोया है। इसके साथ ही मैं सभी घायल बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों और उनके परिजनों की हरसंभव सहायता में जुटा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्कूल बस दुर्घटना में अनेक मासूम बच्चों की मृत्यु का समाचार हृदय विदारक है। ईश्वर शोक संतप्त माता-पिता एवं परिजनों को यह क्रूर आघात सहने की शक्ति प्रदान करें। मैं घायल हुए बच्चों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने निजी अस्पताल में पहुंच कर 12 छात्रों का हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने सीमा त्रिखा ने कहा कि निजी स्कूल संचालक व्यापार करना बंद करें। कहा कि निजी स्कूल संचालक को नियमों का पालन करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि ड्राइवर के साथ-साथ स्कूल के प्रिंसिपल व मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कहा कि ईद के अवकाश के दिन स्कूल खोलना गंभीर बात है। इसको लेकर प्रदेश के सभी शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई जाएगी। हादसे को लेकर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन की तरफ से घायलों की हर संभव मदद की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की निगरानी में बेहतर उपचार हो रहा है। इस साथ ही डीसी ने स्कूल प्रशासन पर कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं, बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल की मान्यता को रद्द करने के लिए लिखा है। जीएलपी स्कूल कनीना की बस गांव सेहलंग, खेड़ी-तलवाना, खरकड़ा बास, धनौंदा रूट से करीब 43 बच्चों को बैठाया था। इसके बाद करीब 8:30 बजे जब गांव उन्हाणी के नजदीक स्थित महाविद्यालय के पास पहुंची तो मोड़ पर चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और पेड़ से टकराने के बाद बस पलट गई। कुछ प्रत्यदर्शियों का कहना है कि बस चालक शराब के नशे में था।

भरतपुर होकर हिसार-हावड़ा के बीच स्पेशल रेलगाड़ी का संचालन

कोटा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। रेल प्रशासन ने सीजन में अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए भरतपुर होकर हावड़ा-हिसार-हावड़ा के मध्य स्पेशल रेलगाड़ी का एक ट्रिप चलाने का निर्णय लिया है जिससे यात्रियों को सीजन में अग्रिम आरक्षण का लाभ एवं भीड़ से राहत मिल सके।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गाड़ी संख्या 03007 हावड़ा-हिसार स्पेशल 15 अप्रैल को हावड़ा से रात 11 बजे रवाना होकर बुधवार दोपहर ढाई बजे हिसार पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 03008 हिसार-हावड़ा स्पेशल 19 अप्रैल को हिसार से रात 10 बजे रवाना होकर 21 अप्रैल को को सांय 7.30 बजे हावडा पहुँचेगी। यह गाड़ी दोनों दिशाओं में हिसार-हावड़ा के मध्य बैण्डेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर,आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किउल, मोकामा, बख्तियारपुर, पटना, दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, प्रयागराज, कानपुर सेट्रल, इटावा, शमशाबाद टाउन, आगराकैंट, अछनेरा, भरतपुर , बांदीकुई, जयपुर, रींगस, सीकर, झुंझुनू, लोहारू एवं सादुलपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल गाड़ी में एक सैकण्ड क्लास एसी, 5 थर्ड एसी, 10 द्वितीय शयनयान, दो साधारण श्रेणी एवं दो गार्ड डिब्बों सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

पेट्रोल पंप मालिक पर हथियारबंद लुटेरों का हमला, नकदी लूटकर हुए फरार

नागौर, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में अजमेर-बीकानेर हाईवे पर स्थित थांवला फांटे के पास स्थित पेट्रोल पंप पर कार सवार हथियार बंद लुटेरों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। लुटेरों ने पेट्रोल पंप पर सेल्समैन और मालिक के साथ जमकर मारपीट की। साथ ही 32 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। साथ ही जाते समय सेल्समैन के 7200 रुपये भी लेकर चले गए। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार नागौर जिले के पादुकला थाना इलाके के थांवला फांटे के पास स्थित पेट्रोल पंप पर कार सवार बदमाशों ने लूट की। पेट्रोल पंप के मालिक और सेल्समैन के साथ मारपीट की। साथ ही 32 हजार रुपये और सेल्समैन के 7200 रुपये लेकर फरार हो गए। घटना के बाद सूचना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पादुकाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में बदमाशों ने कार से उतरते ही सेल्समैन धर्माराम को पकड़ लिया और ऑफिस में लेकर पहुंचे। इस दौरान पेट्रोल पंप का मालिक उमेद सिंह वहां सो रहा था। बदमाशों ने उमेद पर लोहे के सरिए कई बार वार किए। गन दिखाकर उसे जान से मारने क धमकी दी। लुटेरों ने वहां रखे पैसे के बॉक्स को उठाकर अपनी कार में रख लिया। चाबी छीनकर तिजोरी में रखे 32000 हजार रुपये भी निकाल लिए। ऑफिस में रखे रजिस्ट्रर और कागजात सहित सामान लेकर फरार हो गए। थानाधिकारी सुनील कुमार चौधरी ने बताया कि पुलिस ने उमेद सिंह की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

दुष्कर्म के आरोपी ने जेल में गर्दन काटकर किया आत्महत्या का प्रयास

करनाल, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। जेल में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी ने आत्महत्या का प्रयास किया। जेल में बंद बंदी ने स्टील की प्लेट को तोड़कर तेजधार हथियार से गला काट लिया था। फिलहाल जिला जेल पुलिस ने आरोपी को कल्पना चावला राजकीय मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस के अनुसार बंदी बसंत कुमार गांव बेरी जिला गया बिहार हाल ही निवासी सिवाह जिला पानीपत पर 7 अगस्त 2023 को नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में निसिंग थाना में मामला दर्ज किया गया था।

13 सितंबर 2023 को जिला जेल में बंद किया गया था। 10 अप्रैल को आरोपी बसंत को कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद जेल में जाकर आरोपी ने बैरक में स्टील की प्लेट तोड़कर उसका एक टुकड़ा लिया और बैरक के बाथरूम में जाकर अपनी गर्दन काट ली। सूचना मिलते ही उसे मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में दाखिल कराया गया। आरोपी के खिलाफ रामनगर थाना में मामला दर्ज कर लिया है। रामनगर थाना प्रभारी सुशील कुमार ने बताया कि बंदी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मोदी फिर से आए तो संविधान में होगा बदलाव :परसादी लाल मीणा

दौसा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में कई लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है। इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस पार्टी अपने-अपने प्रत्याशियों के लिए प्रचार प्रसार में जुटी हुईं हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तारीख नजदीक आती जारी है वैसे-वैसे नेताओं के हमले भी तेज होते नजर आ रहे हैं। दौसा के लालसोट में दौलतपुरा में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला। गहलोत सरकार के तत्कालीन चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि मोदी फिर से आए तो संविधान में बदलाव होगा।

दौसा के दौलतपूरा में पूर्व चिकित्सा मंत्री ने एक बार फिर कांग्रेस के मंच से कहा कि यदि मोदी की तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में वापसी हो जाती है तो मोदी देश के संविधान को बदलकर रख देंगे। पता नहीं क्या करेंगे देश में। परसादी लाल मीणा ने कहा कि मोदी ने दो-दो चुने हुए मुख्यमंत्री को जेल में डाल रखा है। एक है हेमंत सोरेन तथा दूसरे अरविंद केजरीवाल। बीते दिनों कांग्रेस के स्टार प्रचारक सचिन पायलट ने भी नरेंद्र मोदी से पूछा कि भारत में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों को यदि 400 पार का बहुमत मिल जाता है तो संविधान में कौन सा बदलाव करेंगे, ये स्पष्ट करें। वहीं अब परसादी लाल मीणा का भरे मंच इस तरह का बयान सामने आया है।

छह वाहन चोर गिरफ्तार चोरी हुए 11 वाहन बरामद

पाली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। एसपी चूनाराम जाट ने बताया कि पाली शहर में सार्वजनिक स्थानों और शहर के मुख्य मार्गों से वाहन चोरी की वारदात को गम्भीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस के अनुसार श्रेयस नगर निवासी रोहित राज पुत्र सुमेरराज के घर के बाहर खड़ी बुलेट बाइक रात्रि में चोरी हो जाने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगाले। विशेष टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर पुलिस ने जयेश और पुनित लोढ़ा को गिरफ्तार किया और इनसे सख्ती से पूछताछ करने पर इन्होंने पाली से दो बुलेट बाइक चोरी का खुलासा किया। पुलिस ने इनके कब्जे से बाइक बरामद की ली है।

इसी प्रकार एक हुडंई सेन्ट्रो कार कार चोरी होने के एक अन्य मामले में घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे चेक कर इस वारदात में शामिल अभियुक्तों का पता लगाया।

बारदाना के गोदाम में लगी भीषण आग, सात घंटे में पाया आग पर काबू

फतेहाबाद, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के गांव रसूलपुर स्थित एक राइस मिल के बारदाना गोदाम में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई। आग की लपटें व तेज धुआं उठते देखकर गोदाम संचालक ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर कुलां चौकी पुलिस, मार्केट कमेटी सचिव संदीप लोहान व धारसूल अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंचीं। जहां दमकल कर्मियों व पुलिस ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन आग काफ़ी फैल चुकी थी।

जिसके बाद जिला के अन्य फायर स्टेशनों पर इसके बारे में सूचित किया और जेसीबी मशीनों को भी मंगाया गया। इससे कुछ समय बाद ही रतिया, भूना, टोहाना व जाखल केंद्र से दमकल गाडियां भी आग बुझाने पहुंची। इसके बाद तीन जेसीबी मशीनों की मदद से पांच दमकल विभाग की गाड़ियों से फायर कर्मियों ने लगभग 7 घंटे की कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गोदाम में रखा पूरा बरदाना जलकर खाक हो गया था। इसके अलावा गोदाम में पड़ी करीब 30 से 40 तिरपाल भी जल चुकी हैं। अग्नि की इस घटना से लगभग 18 लाख रुपए का नुक्सान होने का अनुमान लगाया गया है।

धारसूल दमकल केंद्र के इंचार्ज सुरेंद्र कुमार ने बताया कि घटना बुधवार रात की हैं। डायल 112 की तरफ़ से उन्हें सूचना मिली थी। जिस पर दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गोदाम में लगी आग इतनी भयंकर रूप धारण कर चुकी थी कि दमकल की 5 गाड़ियां भी आग पर काबू नहीं पा सकीं, करीब सात घंटे की मशक्कत के बाद आग को बुझाया जा सका।

गांव रसूलपुर स्थित हरे कृष्णा राइस मिल के बारदाना गोदाम में रात को शार्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी लगने के बाद फायर ब्रिगेड में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। जिसके बाद आनन-फानन में फायर ब्रिगेड ने एक के बाद एक कर जिला के विभिन्न दमकल स्टेशनों से गाड़ियां आग बुझाने के लिए भेजी, लेकिन 5 गाड़ियां भी भीषण आग पर काबू न पा सकी। घटना में लगभग 70 हज़ार कट्टे बारदाना व 30 से 40 तिरपालें जलकर खाक हो गई हैं। बारदाना गोदाम से रात को आग की लपटों के साथ निकलता धुआं देखने के बाद संचालक दीपक कुमार ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर दमकल की गाड़ियों के साथ पहुंचे पुलिस बल ने आसपास लोगों को सतर्क करते हुए जेसीबी से बारदाना को उठाकर आग से सुरक्षित करने का प्रयास किया, ताकि आग पर काबू पाया जा सके। इस दौरान फायर ब्रिगेड की एकाएक पांच गाड़ियां आग बुझाने की कोशिश में जुटी थी, लेकिन आग इतनी ज्यादा विकराल थी कि 5 गाडियां मिलकर भी आग पर काबू नहीं पा सकीं। राहत एवं बचाव कार्य में दर्जनों कर्मी लगे हुए थे।

आज का राशिफल

मेष - चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ - इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन - क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क - ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे- तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह - म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या - टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला - र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन-साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक - तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु - ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर - भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ - गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है ।

मीन - दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे- लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 12 अप्रैल 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी दोपहर 01:13 तक
नक्षत्र : रोहिणी रात्रि 12:51 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 02:12 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:13 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:25 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी व्रत , खरमास चालू हैं , भद्रा दोपहर 01:13 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भारतीय इंजीनियर की शिकायत पर कंपनी ने की नस्लवादी टिप्पणी, गुस्साए लोग बोले–माफी मांगो

नई दिल्ली,11 अप्रैल (एजेंसियां)।

मैकबुक एक्सेसरी से जुड़ी शिकायत दर्ज कराने वाले एक भारतीय पर कनाडाई एक्सेसरीज ब्रांड डीब्रांड ने नस्लवादी टिप्पणी कर दी। अब डीब्रांड को सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

नीदरलैंड में काम करने वाले पुणे के एक व्यक्ति भुवन चित्रांश ने सोमवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शिकायत की कि डीब्रांड से खरीदी गई उनके मैकबुक स्किन का रंग खरीदने के केवल दो महीने के भीतर बदल गया।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपने मैकबुक स्किन की एक तस्वीर साझा की और डीब्रांड के आधिकारिक अकाउंट को टैग करते हुए लिखा, कुछ महीने पहले यह स्किन खरीदी थी। दो महीने में ही इसका कलर चला गया, अब मुझे क्या करना चाहिए जवाब में, डीब्रांड ने ग्राहक के उपनाम का मजाक उड़ाते हुए प्रतिक्रिया दी, जिसकी अब आलोचना हो रही है।

डीब्रांड ने लिखा आपका अंतिम नाम मूल रूप से बकवास है, गंभीर रहें। इस प्रतिक्रिया को नस्लवादी टिप्पणी बताते हुए एक्स पर लोगों ने नाराजगी जताई। कई उपयोगकर्ताओं ने इस प्रतिक्रिया पर अपनी निराशा व्यक्त की और कंपनी से माफी मांगने की मांग की। हालांकि, कंपनी ने इस पर कोई खेद नहीं जताया और इस पोस्ट को भी नहीं हटाया। इसे करीब 40 लाख बार देखा गया और इस पर 1,700 से अधिक टिप्पणियां की गईं।

एक्स उपयोगकर्ता स्टीफन ने टिप्पणियों में लिखा, ग्राहक की सहायता करने के पहले, आप ग्राहक के विदेशी नाम का मजाक उड़ाते हैं। एक अन्य उपयोगकर्ता, डेनिज ने कहा, आपने यहां पूरी तरह से रेखा पार कर ली है, दोस्त, आप माफी भी नहीं मांग रहे।

कंपनी ने कहा कि उसने मैकबुक स्किन से जुड़ी दिक्कत पर प्रतिक्रिया देने के बाद ग्राहक के नाम का मजाक उड़ाया। कंपनी ने लिखा, सुधार: हमने ग्राहक सहायता प्रदान करने बाद उसके नाम का मजाक उड़ाया। डीब्रांड ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, अधिकांश सतहों की तरह, गंदगी और जमी हुई गंदगी समय के साथ सतह पर जमा हो सकती है। आप आइसोप्रोपिल अल्कोहल के साथ हल्के से भीगे माइक्रोफाइबर कपड़े का उपयोग करके इसे साफ कर सकते हैं। डीब्रांड ने तकनीकी विशेषज्ञ की शिकायत पर उसे यह सलाह दी। अपने आईफोन केस और मैकबुक स्किन के लिए लोकप्रिय डीब्रांड सोशल मीडिया पर अपने गैर-क्षमाप्रार्थी और अक्सर अशिष्ट लहजे के लिए जाना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

अरबों रुपये की धोखाधड़ी मामले में संपत्ति कारोबारी को मौत की सजा, बैंक से नकदी ठगने का लगा था आरोप

नई दिल्ली। वियतनाम की संपत्ति कारोबारी ट्रूओंग माय लैन को अरबों डॉलर की धोखाधड़ी के मामले में गुरुवार को मौत की सजा सुनाई गई। प्रमुख डेवलपर फर्म वान थिन्ह फाट की अध्यक्ष ट्रूंग माई लैन पर एक दशक से अधिक समय तक साइगॉन कमर्शियल बैंक (एससीबी) से नकदी ठगने का आरोप लगाया गया था। ट्रूओंग माय लैन और दर्जनों अन्य सह-आरोपियों पर 12.5 बिलियन डॉलर के गबन से जुड़े देश के सबसे बड़े धोखाधड़ी मामलों में से एक में फैसले सुनाया गया। लैन और 85 अन्य को पांच सप्ताह तक चली सुनवाई के बाद हो ची मिन्ह सिटी में फैसला और सजा सुनाई गई। सह-आरोपियों की सूची में पूर्व केंद्रीय बैंकर, पूर्व सरकारी अधिकारी और पूर्व एससीबी अधिकारी शामिल हैं। इन पर रिश्वतखोरी, सत्ता का दुरुपयोग, विनियोग और बैंकिंग कानून का उल्लंघन करने का आरोप है। हालांकि, लैन ने आरोपों से इनकार किया था और अधीनस्थों पर उंगली उठाई थी। अभियोजकों ने लैन के लिए मौत की सजा की मांग की, जो ऐसे मामलों में एक दुर्लभ कदम है। वह वियतनाम में सरकारी हस्तियों और व्यापारिक नेताओं को निशाना बनाने वाले राष्ट्रव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में गिरफ्तार किए गए 85 लोगों में शामिल थीं। लैन ने पिछले हफ्ते अदालत में अपने अंतिम बयान में, आत्मघाती विचारों के संकेत दिए थे। सरकारी मीडिया के अनुसार, उसने कहा, मेरी हताशा के कारण, मैंने मौत के बारे में सोचा। उन्होंने कहा, मैं इतनी गुस्से में हूं कि मैं इतनी बेवकूफ थी कि इस बहुत ही भयंकर कारोबारी माहौल- बैंकिंग क्षेत्र में शामिल हो गई, जिसके बारे में मुझे बहुत कम जानकारी है।

जेट एयरवेज के संस्थापक को विशेष अदालत से झटका, स्वास्थ्य के आधार पर जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली। मुंबई की एक विशेष अदालत ने बुधवार को धन शोधन के एक मामले में जेट एयरवेज के

संस्थापक नरेश गोयल को स्वास्थ्य के आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि कैंसर से पीड़ित 74 वर्षीय कारोबारी की अस्पताल में बेहतर देखभाल की जा रही है, जहां वह भर्ती हैं। गोयल का पिछले दो महीने से मुंबई के एक निजी सर एचएन रिलायंस अस्पताल में इलाज चल रहा है। अदालत ने फरवरी में गोयल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था, लेकिन उन्हें अपनी पसंद के अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी। बुधवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामलों के लिए विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं कराया गया है। गोयल को सितंबर 2023 में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से केनरा बैंक द्वारा उनकी (अब ग्राउंडेड) एयरलाइन, जेट एयरवेज को दिए गए 538.62 करोड़ रुपये के ऋणों की हेराफेरी करने और धनशोधन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

तैयार हुआ कारुवी हाथ से पकड़े जाने वाला बिजली उपकरण

मुंबई। प्रमुख क्लाउड सॉफ्टवेयर प्रदाता जोहो के संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू ने बताया कि उन्होंने

अपनी तरह का पहला बिजली उपकरण बनाया है, जो कमर्शियल प्रोडक्शन के लिए तैयार है। कारुवी, हाथ से पकड़े जाने वाले उपकरण देश में अधिक ग्रामीण रोजगार पैदा करने में मदद करेगा। वेम्बू ने लिखा, कुछ साल पहले, महामारी के दौरान जोहो के एक ग्राहक और फैन अब्दुल गफूर अपनी कंपनी के हाथ से पकड़े जाने वाले उपकरणों से भरा एक बॉक्स लेकर तेनकासी में मुझसे मिलने आए थे। अब्दुल गफूर मध्य-पूर्व और (अब भारत) में इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के एक प्रमुख स्वयं-ब्रांड वितरक मिस्टर लाइट ग्लोबल के मालिक हैं। गफूर ने वेम्बू को बताया कि वे ये उत्पाद बनाएं और फिर, वह उन्हें वितरित करने को तैयार है। श्रीधर वेम्बू ने कहा, मैंने कहा, हम इसके बारे में कुछ नहीं जानते। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण रोजगार पैदा हो सकते हैं। इस तरह उन्होंने मुझे आकर्षित किया। सॉफ्टवेयर कंपनी ने चुनौती स्वीकार की और लगभग दो साल पहले एक छोटी इंजीनियरिंग टीम की स्थापना की। बहुत सारे डिजाइन और रीडिजाइन के बाद, ज़ोहो ने अब व्यावसायिक उत्पादन (कमर्शियल प्रोडक्शन) के लिए तैयार उपकरणों का एक समूह बनाया है। वेम्बू ने कहा, हम तेनकासी में बन रही फैक्ट्री में कुछ इनोवेटिव आइडिया आजमा रहे हैं।

एलन मस्क बोले–पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्साहित हूं

इसी महीने भारत आ रहे टेस्ला के मालिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का ऐलान कर सकते हैं

नई दिल्ली,11 अप्रैल (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी टेस्ला के मालिक एलन मस्क इस महीने भारत आएंगे। सूत्रों के हवाले से बताया है कि उनकी यह विजिट 22 से 27 अप्रैल के बीच हो सकती है। मस्क ने एक्स पोस्ट में लिखा- पीएम मोदी से मुलाकात का इंतजार है।

उनकी यह पहली भारत यात्रा होगी। मस्क इस दौरान भारत में टेस्ला के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का ऐलान कर सकते हैं। मोदी और मस्क अब तक 2 बार मिल चुके हैं। 2015 में कैलिफोर्निया में टेस्ला फैक्ट्री में मुलाकात हुई थी। इसके बाद जून 2023 में दोनों न्यूयॉर्क में मिले थे।

मस्क बोले- भारत में भी दूसरे देश की तरह ईवी होनी चाहिए

मस्क ने इस हफ्ते कहा था कि भारत में इलेक्ट्रिक कारें होनी चाहिए जैसे कि हर दूसरे देश में हैं। भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक व्हीकल उपलब्ध कराना एक स्वाभाविक प्रगति है।

मस्क ऐसे समय भारत आ रहे हैं जब यहां चुनाव होने हैं। वहीं इस समय अमेरिकी और चीनी बाजारों में ईवी डिमांड धीमी हुई है। चीनी व्हीकल्स से भी टेस्ला को कॉम्पिटिशन मिल रहा है।

कार मैन्युफैक्चरिंग और बैटरी स्टोरेज प्लांट लगाना चाहती है टेस्ला

3 अप्रैल को ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स ने बताया था कि टेस्ला इस महीने भारत में एक टीम भेजेगी, जो देश में 2 से 3 बिलियन डॉलर (16 हजार करोड़ से 25 हजार करोड़) के इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए जगह की तलाश करेगी। रिपोर्ट में बताया गया था कि इलेक्ट्रिक कार मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए टीम का फोकस महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे ऑटोमोटिव हब वाले राज्यों पर होगा। इसकी वजह इन राज्यों के पोर्ट (बंदरगाह) हैं, जहां से कारों का एक्सपोर्ट आसान होगा। टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कार के साथ बैटरी स्टोरेज सिस्टम भी बनाना और बेचना चाहती है। कंपनी ने इसके लिए भारतीय अधिकारियों के पास एक प्रपोजल दिया था।

2022 में टेस्ला और सरकार के बीच नहीं बनी थी बात

2022 में टेस्ला ने भारत आने की इच्छा जताई थी, लेकिन तब कंपनी और सरकार के बीच बात नहीं बन पाई थी। टेस्ला ने सरकार से पूरी तरह से असेंबल गाड़ियों पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को 100 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने की मांग की थी। कंपनी चाहती थी कि उसकी गाड़ियों को लग्जरी नहीं बल्कि इलेक्ट्रिक व्हीकल माना जाए, लेकिन सरकार ने कहा था कि दूसरे देशों से इंपोर्ट किए जाने वाले किसी भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर इंपोर्ट ड्यूटी माफ या कम करने का कोई भी इरादा नहीं है। सरकार ने कहा था कि अगर टेस्ला भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का कमिटमेंट करती है तो इंपोर्ट पर छूट देने पर विचार किया जाएगा। हालांकि मस्क चाहते थे कि पहले भारत में कारों की बिक्री की जाए, इसके बाद प्लांट लगाने पर विचार किया जाएगा।

27 मई 2022 को भी एक ट्वीट में रिप्लाई करते हुए एलन मस्क ने कहा था, टेस्ला ऐसे किसी लोकेशन पर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लगाएगी जहां उसे पहले से कारों को बेचने और सर्विस की परमिशन नहीं है।

पिछले साल नवंबर में टेस्ला फैक्ट्री पहुंचे थे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

पिछले साल नवंबर में कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कैलिफोर्निया में टेस्ला की मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी विजिट की थी। हालांकि इस दौरान एलन मस्क मौजूद नहीं थे। उन्होंने ङ्ग पर लिखा था- आपका टेस्ला में आना सम्मान की बात है! कैलिफोर्निया नहीं आ पाने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मैं फ्यूचर डेट में मीटिंग की आशा रखता हूं। पीयूष गोयल ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- प्रतिभाशाली भारतीय इंजीनियरों और फाइनेंस प्रोफेशनल्स को सीनियर पोजिशन पर काम करते हुए और टेस्ला की रिमार्केबल जर्नी में योगदान करते हुए देखकर बेहद खुशी हुई। गोयल ने कहा- एलन मस्क की मैग्नेटिक प्रेजेंस को मिस किया और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

अभी टेस्ला की चार इलेक्ट्रिक कारें

अमेरिकन मार्केट में अभी टेस्ला की चार इलेक्ट्रिक कारें बेची जा रही हैं। इनमें मॉडल 3, और मॉडल शामिल हैं। इनमें मॉडल 3 का रियल व्हील ड्राइव वैरिएंट सबसे सस्ता है। अमेरिका में इसकी कीमत 38,990 डॉलर (करीब 32.48 लाख रुपए) है। भारत में अभी ईवी की केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी भारत का ईवी मार्केट अभी छोटा है लेकिन तेजी से बढ़ रहा है।

इस साल वैश्विक व्यापार में देखने को मिल सकता है सुधार, विश्व व्यापार संगठन ने जारी किया पूर्वानुमान

नई दिल्ली,11 अप्रैल (एजेंसियां)।

बीते साल गिरावट आने के बाद वर्ष 2024 में वैश्विक व्यापार में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने की उम्मीद है। हालांकि, कई हिस्सों में युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक नीति को लेकर अनिश्चितता की वजह से काफी जोखिम पैदा हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने बुधवार को अपना यह पूर्वानुमान जारी किया। इसके साथ ही डब्ल्यूटीओ ने वर्ष 2024 के लिए वैश्विक व्यापार में बढ़ोतरी संबंधी अपने अनुमान को घटाकर 2.6 फीसदी कर दिया। पिछले साल अक्तूबर में डब्ल्यूटीओ ने व्यापार वृद्धि दर 3.3 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। इस साल वैश्विक वस्तु व्यापार धीरे-धीरे बढ़ने की उम्मीद विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने बयान में कहा कि वर्ष 2023 में गिरावट आने के बाद इस साल वैश्विक वस्तु व्यापार धीरे-धीरे बढ़ने की उम्मीद है। पिछले साल उच्च ऊर्जा कीमतों और मुद्रास्फीति के लंबे समय तक बने रहने का प्रभाव रहा। इसमें कहा गया है कि वस्तुओं के वैश्विक व्यापार की मात्रा 2023 में 1.2 फीसदी गिरने के बाद इस साल बढ़कर 2.6 फीसदी और वर्ष 2025 में 3.3 फीसदी रहनी चाहिए। वर्ष 2024-2025 में मुद्रास्फीति धीरे-धीरे कम होने की आसार इसके मुताबिक, हालांकि क्षेत्रीय संघर्ष, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक नीति को लेकर अनिश्चितता का माहौल पूर्वानुमान के लिए काफी नकारात्मक जोखिम पैदा करते हैं। वर्ष 2023 में व्यापारिक निर्यात में गिरावट के पीछे तेल एवं गैस जैसी वस्तुओं की गिरती कीमतें प्रमुख वजह थी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने कहा कि वर्ष 2024 और 2025 में मुद्रास्फीति धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। इससे उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में वास्तविक आय, विनिर्मित वस्तुओं की खपत बढ़ेगी। व्यापार-योग्य वस्तुओं की मांग में सुधार पहले से ही स्पष्ट है। यह बेहतर आय संभावनाओं से जुड़ी घरेलू खपत में वृद्धि से संबंधित है। जोखिमों को कम करना जरूरी- नगोजी ओकोंजो इवेला डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक नगोजी ओकोंजो-इवेला ने कहा कि हम जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं और एक ठोस बहुपक्षीय व्यापार ढांचे की बदौलत वैश्विक व्यापार में सुधार की दिशा में बढ़ रहे हैं, जो आजीविका और कल्याण में सुधार के लिए जरूरी हैं। जरूरी है कि हम आर्थिक वृद्धि और स्थिरता बनाए रखने के लिए जोखिमों को कम करें।

टाटा ग्रुप देश भर में चार्जिंग स्टेशंस बनाएगा, शेल इंडिया के साथ की पार्टनरशिप, एमओयू साइन

नई दिल्ली, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप जल्द ही देश भर में चार्जिंग स्टेशंस बनाने का प्लान कर रहा है। अपने इस प्लान के लिए टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएम) ने हाल ही में शेल इंडिया मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसआईएमपीएल) के साथ एक नॉन-बाइंडिंग मेमोरेंडम ऑफ अंडरटेकिंग (एमओयू) पर साइन किए हैं।

दोनों ही कंपनियां मजबूती और रिसोर्सेज का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की रेंज से जुड़ी चिंता और चार्जिंग की पहुंच जैसी चुनौतियों का समाधान करेंगी। अभी रेंज और चार्जिंग की प्रॉब्लम के चलते इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लोग तेजी से अपना नहीं रहे हैं। अभी ईवी गाड़ियों की कम सेल्स की एक अहम वजह चार्जिंग स्टेशंस की किल्लत है। इस पार्टनरशिप के तहत टाटा पैसेंजर और शेल इंडिया दोनों कंपनियां इलेक्ट्रिक गाड़ियों को अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करेंगी। दोनों कंपनियों का प्लान सहूलियत के हिसाब से पेमेंट सिस्टम्स और लॉयल्टी प्रोग्राम भी शुरू करने का है।

दोनों कंपनियां कहां बनाएंगी चार्जिंग स्टेशंस?

दोनों कंपनियों के बीच इस पार्टनरशिप से शेल के देश भर में फैले फ्यूल स्टेशन नेटवर्क और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के पास मौजूद भारतीय सड़कों पर दौड़ रही टाटा की 1.4 लाख इलेक्ट्रिक गाड़ियों की डिटेल्स से चार्जिंग स्टेशंस का जाल बिछाया जाएगा। टाटा कंपनी का कहना है कि जहां पर टाटा की इलेक्ट्रिक गाड़ियों के मालिक बार-बार जाते हैं, वहां-वहां चार्जिंग स्टेशंस बनाए जाएंगे।टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की इलेक्ट्रिक पैसेंजर गाड़ियों के मामले में मार्केट में 71% की हिस्सेदारी है। कंपनी ने गुरुग्राम में अपना पहला ईवी एक्सक्लूसिव स्टोर पेश किया है। कंपनी ने देश के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने के लिए कई चार्ज प्वाइंट ऑपरेटरों के साथ भी काम किया है।

शेल इंडिया ग्लोबल लेवल पर एनर्जी की दिग्गज कंपनी शेल की सब्सिडियरी है।

एडीबी ने देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया, पिछले साल भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.7 प्रतिशत विस्तार का अनुमान लगाया था

नई दिल्ली,11 अप्रैल (एजेंसियां)।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। एडीबी ने कहा है कि मजबूत वृद्धि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की निवेश और उपभोक्ता मांग में क्रमिक सुधार से प्रेरित होगी। हालांकि, 2024-25 का विकास अनुमान 2022-23 वित्तीय वर्ष के अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है। एडीबी ने कहा कि मजबूत निवेश ने वित्त वर्ष 2022-23 में जीडीपी वृद्धि को गति दी क्योंकि खपत कम थी। एडीबी ने पिछले साल दिसंबर में वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.7 प्रतिशत विस्तार का अनुमान लगाया था। एशियाई विकास आउटलुक के अप्रैल संस्करण में एडीबी ने कहा कि विनिर्माण और सेवाओं में मजबूत गति के साथ वित्त वर्ष 2023 में अर्थव्यवस्था में जोरदार वृद्धि हुई है। यह तेजी से बढ़ती रहेगी। विकास मुख्य रूप से मजबूत निवेश मांग और उपभोग मांग में सुधार से प्रेरित होगा। वहीं मुद्रास्फीति में गिरावट का रुझान जारी रहेगा। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 में नरमी के बावजूद विकास मजबूत रहेगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एडीबी ने भारत की विकास दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है।

एडीबी ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में निर्यात अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है क्योंकि प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि धीमी हो गई है लेकिन वित्त वर्ष 2025 में इसमें सुधार होगा। एडीबी के अनुसार मुद्रास्फीति कम होने पर मौद्रिक नीति के विकास में सहायक बने रहने की उम्मीद है, जबकि राजकोषीय नीति का लक्ष्य समेकन है, लेकिन पूंजी निवेश के लिए समर्थन बरकरार है। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2024 में विकास दर धीमी होकर 7 प्रतिशत होने का अनुमान है, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में यह सुधरकर 7.2 प्रतिशत हो सकती है। एडीबी ने कहा कि मध्यम अवधि में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक एकीकरण की जरूरत है। वित्त वर्ष 2025 के लिए एडीबी का विकास पूर्वानुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लगाए गए अनुमानों के अनुरूप है। आरबीआई ने पिछले हफ्ते कहा था कि सामान्य मानसून की उम्मीद, मुद्रास्फीति के दबाव में कमी और विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में निरंतर गति के कारण चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 7 प्रतिशत रह सकती है।

एसबीआई ने आरटीआई कानून के तहत इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से किया इनकार, कही यह बात

नई दिल्ली,11 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत चुनाव आयोग को दिए गए चुनावी बॉन्ड का ब्योरा देने से इनकार करते हुए दावा किया है कि यह व्यक्तिगत जानकारी है जिसे किसी जिम्मेदार हैसियत से रखा गया है। एसबीआई ने यह भी कहा कि इसके बावजूद चुनाव आयोग की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन मौजूद हैं।

चुनावी बॉन्ड योजना को असंवैधानिक और स्पष्ट रूप से मनमाना बताते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को एसबीआई को निर्देश दिया कि वह 12 अप्रैल, 2019 से खरीदे गए बॉन्ड का पूरा विवरण चुनाव आयोग को प्रस्तुत करे, आयोग से कहा गया था कि वह 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर सूचना प्रकाशित करे।

11 मार्च को, अदालत ने समय सीमा के विस्तार की मांग करने वाली एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया और 12 मार्च को व्यावसायिक घंटों के अंत तक चुनाव आयोग को चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने का आदेश दिया।

आरटीआई कार्यकर्ता कोमोडोर (सेवानिवृत्त) लोकेश बत्रा ने 13 मार्च को एसबीआई से संपर्क कर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद चुनाव आयोग को उपलब्ध कराए गए इलेक्टोरल बॉन्ड का पूरा डेटा डिजिटल रूप में देने की मांग की थी।

बैंक ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दिए गए दो छूट प्रावधानों का हवाला देते हुए जानकारी से इनकार कियाङ्क इनमें धारा 8 (1) (ई) एक जिम्मेदार क्षमता में रखे गए रिकॉर्ड से संबंधित है और धारा 8 (1) (जे) व्यक्तिगत जानकारी को रोकने की अनुमति देती है।

केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी तथा एसबीआई के उप महाप्रबंधक द्वारा दिए जवाब में कहा गया, आपके द्वारा मांगी गई सूचना में खरीदारों और राजनीतिक पार्टियों से जुड़ी जानकारी मांगी गई है और इसलिए इसका खुलासा नहीं किया जा सकता क्योंकि यह जानकारी एक जिम्मेदारी के तहत सार्वजनिक नहीं की जा सकती।आरटीआई कानून की धारा 8(1)(ई) और (जे) के तहत ऐसी जानकारी देने से छूट प्राप्त है।

बत्रा ने एसबीआई द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे को भुगतान की गई फीस का विवरण भी मांगा था। इसका भुगतान चुनावी बॉन्ड के रिकॉर्ड के खुलासे के खिलाफ मामले का बचाव करने के लिए एसबीआई की ओर से किया गया था।

बत्रा ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि एसबीआई ने वह सूचना देने से इनकार कर दिया जो पहले से ही चुनाव आयोग की वेबसाइट पर है। साल्वे को दी गई फीस के बारे में बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बैंक ने ऐसी सूचना देने से इनकार किया है जिसमें करदाताओं का पैसा शामिल है।

चुनाव आयोग ने 14 मार्च को एसबीआई द्वारा जारी आंकड़ों को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित किया, जिसमें बॉन्ड भुनाने वाले राजनीतिक दलों और दानदाताओं का विवरण था। शीर्ष अदालत ने 15 मार्च को प्रत्येक चुनावी बॉन्ड के लिए अद्वितीय संख्या को रोककर पूरी जानकारी नहीं देने के लिए एसबीआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि बैंक जानकारी का खुलासा करने के लिए कर्तव्यबद्ध था।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि उसने बॉन्ड के सभी विवरणों का खुलासा करने का निर्देश दिया है, जिसमें खरीदारों के नाम, राशि और खरीद की तारीख शामिल है। राजनीतिक चंदा देने के लिए बॉन्ड खरीदने वाली इकाइयों की पूरी सूची पेश करने के एक दिन बाद सीजेआई ने कहा कि सभी विवरण एसबीआई द्वारा प्रस्तुत किए जाने चाहिए, क्योंकि अदालत ने बैंक को अधूरी जानकारी प्रस्तुत करने के लिए फटकार लगाई थी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

उम्मीदों का कत्ल

अमेरिका में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी में आईटी मास्टर्स करने गये हैदराबाद के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने अमेरिका में अध्ययनरत भारतीय छात्रों को भयभीत किया है। यह छात्र अपने विश्वविद्यालय के होस्टल से बीते माह लापता हुआ था। परिजनों के अनुसार गत सात मार्च से उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। विचलित करने वाली बात यह है कि इस साल के अभी तीन माह ही बीते हैं और ग्यारह भारतवंशी या भारतीय छात्रों की हत्या या संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। हैदराबाद के अब्दुल अरफाथ के परिजनों का कहना था कि उनसे एक अज्ञात कॉल के जरिये एक व्यक्ति ने फिरौती की मांग की थी। कहा जा रहा था कि किसी आपराधिक समूह द्वारा उनका अपहरण किया गया था। माता-पिता ने विदेश मंत्रालय से भी मामले में हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी। गत माह 21 मार्च को न्यूयार्क स्थित भारतीय कांसुलेट के अधिकारियों ने कहा था कि वे स्थानीय अधिकारियों से तालमेल बनाये हुए हैं। दुखद ही है कि एक अन्य भारतीय छात्रा उमा सत्या साई की क्लीवलैंड में ही पिछले सप्ताह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। जिसकी जांच चल रही है। अभी तक उसकी मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पिछले महीने भी भारत के एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नर्तक अमरनाथ घोष की मिसौरी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बीते महीने भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर बीस वर्षीय भारतीय छात्र अभिजीत की मौत की जानकारी दी थी। इसी तरह फरवरी में एक 23 वर्षीय अमेरिकी-भारतीय छात्र समीर कामथ इंडियाना के एक प्राकृतिक संरक्षण क्षेत्र में मृत पाये गए थे। अब चाहे दो फरवरी को वाशिंगटन में रेस्तरां के बाहर आईटी इंजीनियर विवेक तनेजा पर जानलेवा हमला हो, जनवरी में इलिनोइस में 18 वर्षीय छात्र अकुल धवन की संदिग्ध मौत हो या फिर जनवरी में एक बेघर नशेड़ी द्वारा भारतीय छात्र विवेक सैनी की पीट-पीटकर की गई हत्या हो, ये घटनाएं बेहद दुखद व चिंता जनक हैं। दरअसल, भारतीय छात्रों के मन में अमेरिका को लेकर जो 'सपनों के नखलिस्तान' की धारणा बनी रही है, अब अमेरिका सुरक्षा की दृष्टि से उतना निरापद नहीं रहा। जब अमेरिका का कोई राष्ट्रपति सार्वजनिक तौर पर उकसावे का बयान दे कि भारतीय युवा तुम्हारी नौकरियां खा जाएंगे तो नासमझ लोगों की घातक प्रतिक्रिया का खमियाजा किसी न किसी को तो भुगतना ही होगा। नस्लभेदी नजरिया हो, अपराधों की दुनिया हो, नशे तस्करों के जाल हों या फिर ईर्ष्या की प्रतिक्रिया हो, भुगतना तो निर्दोष प्रवासियों को ही है। भारतीय अभिभावक अपना पेट काटकर व बैंकों से लोन लेकर अपने बच्चों को पढ़ाने अमेरिका भेजते हैं। ऐसे में किसी छात्र की हत्या पूरे परिवार को गहरे दुख व अवसाद में डुबो देती है। एक छात्र की मौत एक प्रतिभा की तमाम संभावनाओं की मौत होती है। भारतीय छात्रों का बड़ी संख्या में उच्च शिक्षा व रोजगार के लिये लगातार पलायन करना हमारे नीति-नियंताओं के लिये भी आत्ममंथन का विषय है कि क्यों हम अपनी प्रतिभाओं को अनुकूल शैक्षिक व रोजगार का वातावरण भारत में नहीं दे पा रहे हैं। सही मायनों में अमेरिका लोकतांत्रिक मूल्यों, समरसता के समाज और वैचारिक आजादी जैसे जुमलों के सहारे जैसे विकासशील व गरीब मुल्कों को धमकाया करता है, वे मूल्यों उसके यहां प्रतिष्ठित हैं, इस बात में भी संदेह है। पिछले दिनों एक भारतीय की कार से कुचलने पर हुई मौत पर पुलिसकर्मी ने एक संवेदनहीन टिप्पणी की थी कि उसे मुआवजा मिलेगा। यह बयान अमेरिकी समाज की एक इंसान की जान के बारे में संकीर्ण सोच को भी दर्शाता है। पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नूई की भारतीय छात्रों के साथ हो रही घटनाओं पर की गई टिप्पणी भी विचारणीय है। जिसमें उन्होंने छात्रों से सतर्क रहने, सुरक्षा के लिये स्थानीय कानूनों का सम्मान करने तथा नशे से दूर रहने की सलाह दी थी।

हैदराबाद के एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने अमेरिका में अध्ययनरत भारतीय छात्रों को भयभीत किया है। यह छात्र अपने विश्वविद्यालय के होस्टल से बीते माह लापता हुआ था। परिजनों के अनुसार गत सात मार्च से उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। विचलित करने वाली बात यह है कि इस साल के अभी तीन माह ही बीते हैं और ग्यारह भारतवंशी या भारतीय छात्रों की हत्या या संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। हैदराबाद के अब्दुल अरफाथ के परिजनों का कहना था कि उनसे एक अज्ञात कॉल के जरिये एक व्यक्ति ने फिरौती की मांग की थी। कहा जा रहा था कि किसी आपराधिक समूह द्वारा उनका अपहरण किया गया था। माता-पिता ने विदेश मंत्रालय से भी मामले में हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी। गत माह 21 मार्च को न्यूयार्क स्थित भारतीय कांसुलेट के अधिकारियों ने कहा था कि वे स्थानीय अधिकारियों से तालमेल बनाये हुए हैं। दुखद ही है कि एक अन्य भारतीय छात्रा उमा सत्या साई की क्लीवलैंड में ही पिछले सप्ताह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

सैकड़ों राजनीतिक दलों में से कुछ राजनीतिक दल ही ऐसे होते हैं जिन्हें देश की जनता सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाती है

चुनावी बांड पर विपक्षी दलों का शोर कितना उचित?

डॉ राकेश कुमार आर्य

कांग्रेस इस समय चुनाव के लिए कोई मुद्दा ढूंढ रही थी । इलेक्ट्रोल बॉन्ड पर मचे शोर ने उसे तात्कालिक आधार पर बीजेपी पर आक्रमण करने के लिए एक मुद्दा अवश्य दे दिया है । जिससे कांग्रेस के लिए डूबते हुए को तिनके का सहारा वाली कहावत चरितार्थ हो गई है। हम सभी यह भली प्रकार जानते हैं कि हमारे देश में सैकड़ों छोटे-बड़े राजनीतिक दल काम कर रहे हैं। जिस किसी के भी सिर में महत्वाकांक्षा या नेतागीरी की खुजली होती है वही एक नया राजनीतिक दल लेकर आ जाता है। यह माना जा सकता है कि लोकतंत्र में बहुदलीय व्यवस्था के लिए स्थान होता है, पर वह इतना भी नहीं होता कि सारे स्थान को राजनीतिक दल ही ग्रहण कर लें ।

इस समय इलेक्ट्रोल बॉन्ड को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। जिन राजनीतिक दलों को चंदा वसूली की इस प्रक्रिया से कोई लाभ नहीं हुआ है, वे उन राजनीतिक दलों पर आक्रामक दिखाई दे रहे हैं जिन्हें इस प्रकार की प्रक्रिया से पर्याप्त लाभ मिला है। आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी कांग्रेस को इस समय बीजेपी पर हमला करने का अच्छा अवसर उपलब्ध हो गया है। कांग्रेस इस समय चुनाव के लिए कोई मुद्दा ढूंढ रही थी । इलेक्ट्रोल बॉन्ड पर मचे शोर ने उसे तात्कालिक आधार पर बीजेपी पर आक्रमण करने के लिए एक मुद्दा अवश्य दे दिया है । जिससे कांग्रेस के लिए डूबते हुए को तिनके का सहारा वाली कहावत चरितार्थ हो गई है। हम सभी यह भली प्रकार जानते हैं कि हमारे देश में सैकड़ों छोटे-बड़े राजनीतिक दल काम कर रहे हैं। जिस किसी के भी सिर में महत्वाकांक्षा या नेतागीरी की खुजली होती है वही एक नया राजनीतिक दल लेकर आ जाता है। यह माना जा सकता है कि लोकतंत्र में बहुदलीय व्यवस्था के लिए स्थान होता है, पर वह इतना भी नहीं होता कि सारे स्थान को राजनीतिक दल ही ग्रहण कर लें । यह भी एक सर्वमान्य सत्य है कि इन सैकड़ों राजनीतिक दलों में से कुछ राजनीतिक दल ही ऐसे होते हैं जिन्हें देश की जनता सत्ता के शीर्ष तक पहुंचाती है। अधिकांश राजनीतिक दल उनके राष्ट्रीय अध्यक्षों की एक ऐसी फौज होते हैं जिन्हें उनका राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुछ अन्य पदाधिकारी लोगों से पैसा ऐंठने और अपनी नेतागिरी चमकाने के लिए प्रयोग करते हैं। भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना दिनांक 15 मई 2023 के अनुसार देश के 26 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में कुल 58 दलों को राज्य पार्टी का दर्जा प्राप्त है। जबकि 2500 से अधिक राजनीतिक दल पंजीकृत हैं। भारत में इलेक्ट्रोल बॉन्ड को लाने का उद्देश्य यही था कि इतनी बड़ी संख्या में कुकुरमुत्तों की तरह फैल गये ये राजनीतिक दल और उनके नेता देश की जनता की जेब पर डाका न डाल सकें। उद्देश्य था कि देश की राजनीति और चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी बने। चुनावी बॉन्ड की इस

प्रक्रिया से निश्चित रूप से लोगों की जेब पर डाका डालने वाले कुछ राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर नकेल लगाने में सफलता भी मिली। चुनावी बांड की इस प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि चुनावी फंडिंग केवल वही पार्टियां प्राप्त कर सकती हैं जिन्हें आम चुनाव में कम से कम एक प्रतिशत वोट प्राप्त हुआ हो। यदि कोई राजनीतिक दल एक प्रतिशत से कम वोट लेता है तो उसे चुनावी फंडिंग लेने का अधिकार नहीं होगा। निश्चित रूप से जिन राजनीतिक दलों का केवल कागजों में अस्तित्व है वे तो अब चुनावी फंडिंग लेने की प्रक्रिया में दूर-दूर तक भी नहीं आते हैं। इस प्रकार के प्राविधानों से यह स्पष्ट हो जाता है कि चुनावी बांड के माध्यम से चुनावी फंडिंग को पूरी तरह सुरक्षित और डिजिटल बनाने में सहायता मिली है। केंद्र की मोदी सरकार का यह एक लक्ष्य भी रहा है कि सारी चीजें सुरक्षित और डिजिटल हो जाएं। अब यह अनिवार्य कर दिया गया है कि कोई व्यक्ति ₹2000 से अधिक का कोई दान चुनावी बांड और चेक के रूप में नहीं दे सकता। इसके बावजूद भी यदि वह ऐसा करता है तो यह कार्य गैर कानूनी होगा। यही कारण है कि चुनावी बांड के सभी लेन-देन चेक या डिजिटल माध्यम से किए जाते हैं। हम सभी जानते हैं कि इंदिरा गांधी के जमाने में जब सीताराम केसरी पार्टी के कोषाध्यक्ष हुआ करते थे तो स्वयं प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी यह पता नहीं होता था कि पार्टी के खाते में कितने रुपए हैं ? उस समय सारी प्रक्रिया बड़ी गोपनीय रहती थी सीताराम केसरी को इंदिरा गांधी ने उनके पद से हटाने का भी प्रयास किया था। पर वह ऐसा कर नहीं पाई थीं। क्योंकि सीता राम केसरी ने सारा हिसाब किताब बहुत गोपनीय रखा हुआ था जिसे बिना बताए हुए पार्टी के कोषाध्यक्ष पद से जाने की धमकी दे दिया करते थे। उस समय कांग्रेस में यह चर्चा आम तौर पर रहती थी कि खाता ना बही, जो चाचा ने कही, वही – सही। निश्चित रूप से वह स्थिति अच्छी नहीं थी। आज बहुत हद तक यह पारदर्शिता है कि किसी भी राजनीतिक दल के खाते में पैसा कहां से आ रहा है और कितना आ रहा है ? कुछ लोगों की यह मान्यता रही है कि चुनावी बांड की इस प्रक्रिया को केंद्र की मोदी सरकार ने विपक्षी दलों को मिलने वाली चुनावी फंडिंग को रोकने के उद्देश्य से प्रेरित होकर लागू किया है। लोकतंत्र में आलोचना करने का सभी को अधिकार होता है। वैसे भी हमारा संविधान भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। परंतु इसके उपरांत भी हम यह कहना चाहेंगे कि केंद्र की मोदी सरकार ने यदि विपक्षी दलों की चुनावी फंडिंग की पड़ताल करने के लिए ही यह कदम उठाया है तो उसने अपने अपनी पार्टी अर्थात भाजपा को भी इसके दायरे से बाहर नहीं रखा है। जहां लोकतंत्र में आलोचना के साथ-साथ भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोगों को प्राप्त होती है , वहीं सरकार को 'राष्ट्रप्रथम' की पवित्र भावना को विकसित करने और उस पवित्र भावना को लागू करने में आने वाली बाधाओं को भी समीक्षित, निरीक्षित और परीक्षित करने का अधिकार होता है। जिस समय चाचा केसरी की राजनीतिक संस्कृति देश में काम कर रही थी, उस समय चुनावी फंडिंग की गोपनीयता लोगों के राइट टू इनफार्मेशन का उल्लंघन कर रही थी। पर आज उसे केंद्र की मोदी सरकार ने सबके लिए सहज सुलभ करवा दिया। इसे उचित ही कहा जाना चाहिए। इस नई प्रक्रिया के बारे में हम सब यह भी जानते हैं कि चुनावी बांड आर्थिक रूप से स्थिर कंपनियों को किसी भी तरह से खतरा नहीं पहुंचाते हैं।

दृष्टि कोण

न्यूनतम मजदूरी से भी वंचित प्रवासी आदिवासी मजदूर

मैं और मेरा परिवार पिछले 15 सालों से गन्ना कटाई का काम कर रहे हैं। लेकिन हमारी इतनी कम आमदनी है कि मेरे द्वारा लिया गया कर्ज भी हम मुकद्दम (ठेकेदार) को चुका नहीं पाते हैं। इसलिए फिर सालों साल इसी काम में फंसे रहते हैं, क्योंकि हमें उसे पेशगी का डेढ़ गुना अधिक ब्याज चुकाना होता है। यदि यह कर्ज चुकता नहीं होता है तो फिर अगले साल उसी मुकद्दम के साथ जाना होता है। जहां वह हमें मिलने वाली 375 रुपए मजदूरी में से अपना पैसा काट लेता है। जिसके बाद मेरे पास इतने कम पैसे बचते हैं कि परिवार पालने के लिए मुझे उससे फिर से कर्ज लेना पड़ता है। इस तरह मैं और मेरा परिवार पिछले 5 सालों से कर्ज के इसी भंवर जाल में फंसा हुआ है।" यह कहना है 45 वर्षीय आदिवासी मजदूर उलूसया भाई गवली का जो दक्षिण गुजरात में बड़े पैमाने पर उगाये जाने वाले गन्ना के खेतों में प्रवासी मज़दूर के रूप में काम करते हैं। वह गुजरात के डांग जिला से रोज़ी रोटी कमाने के उद्देश्य से वलसाड में गन्ना के खेत में काम करते हैं। लेकिन राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मज़दूरी से भी कम इन्हें और इनके जैसे लाखों मज़दूरों को मज़दूरी अदा की जा रही है। जिसके कारण इन मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। क़र्ज़ लेकर परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें एक बार फिर से कर्ज लेने पर मजबूर होना पड़ता है। दरअसल महाराष्ट्र की सीमा से सटे गुजरात के दक्षिण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गन्ने का उत्पादन किया जाता है। इसकी वजह से यह क्षेत्र बहुत बड़ी मात्रा में चीनी के उत्पादन के तौर पर जाना जाता है। गुजरात के डांग, वलसाड, तापी, सूरत, नर्मदा और महाराष्ट्र के सकरी, धूलिया, नंदुरबार, अक्कलकुवा आदि जिले गन्ने की खेती व चीनी मिलें बाहुल्य क्षेत्र के तौर पर जाने जाते हैं। इन क्षेत्रों में गुजरात के डांग, तापी और सूरत तथा महाराष्ट्र के धुलिया और नंदूबार आदिवासी बाहुल्य जिलों से लाखों की संख्या में आदिवासी मजदूरों को परिवार सहित गन्ना काटने के लिए लाया जाता है। इसके अतिरिक्त हाल के कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश के धडगांव, शिरपुर, चालिसगांव और बलवानी जिलों के मजदूरों को भी इन क्षेत्रों में गन्ना काटने तथा वलसाड, नवसारी, सूरत, नर्मदा और भरूच के चीनी मिलों में काम कराने के उद्देश्य से लाया जा रहा है। जहां इन मजदूरों से न केवल 14 घंटों से भी ज्यादा समय तक काम करवाया जाता है बल्कि न्यूनतम मजदूरी भी अदा नहीं की जाती है। इतना ही नहीं, अक्सर सुविधाएं उपलब्ध कराने के नाम पर इनसे मजदूरी के मिले पैसों में से भी कुछ पैसे काट लिए जाते हैं। 2015 से मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी और अन्य मुद्दों पर गुजरात सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत मजदूरी तय की गई थी। उस समय विधानसभा में राज्य के तत्कालीन श्रम और रोजगार मंत्री ने कहा था कि लगभग तीन लाख श्रमिक गन्ना कटाई एवं लोडिंग कार्य में लगे हैं। जिनकी न्यूनतम मजदूरी दर दिनांक 01/04/2023 से राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना संख्या KHR/2023/ दिनांक 27/03/2023 द्वारा 27/LVD/10/2013/137375 (P।F) M(2) के माध्यम से गन्ना कटाई करने वाले मजदूरों के लिए ₹476 रुपए प्रति टन का भुगतान करने का विज्ञापन प्रकाशित किया था। लेकिन साल 2023-24 के दौरान न्यूनतम मजदूरी ₹476 रुपए में से प्रति मजदूर ₹101 रुपए की कटौती की जा रही है। जिसका एक उदाहरण तापी जिले में संचालित दादरिया शुगर फैक्ट्री है। जहां बिल न्यूनतम मजदूरी 476 रुपए के अनुसार बनाया गया है लेकिन इसमें से 21 रुपए अन्य सुविधाएं तथा 80 रुपए मुक़द्दम (मजदूर उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार) कमीशन प्रति टन काटा जाता है। इस प्रकार मजदूरों को ₹375 रु प्रति टन भुगतान किया जा रहा है। इस वर्ष दक्षिण गुजरात की सभी चीनी मिलों में लगभग 90 लाख टन गन्ना पेराई होने का अनुमान लगाया गया है। इस प्रकार सभी चीनी मिलों में 375 रु प्रति मज़दूर के मजदूरी का भुगतान किया जाए तो 91 करोड़ से भी कम भुगतान किया जायेगा, जो एक प्रकार से इन गरीब आदिवासी मजदूरों का शोषण है। इस संबंध में महाराष्ट्र के धुले जिले के 40 वर्षीय आदिवासी मजदूर चिंतामन दशरथ पंवार कहते हैं कि "हम गन्ना काटने वाले मजदूरों का जीवन तो मालिकों व ठेकेदारों का कर्जा चुकाने में ही बीत जाएगा, क्योंकि हमारी मजदूरी बहुत कम है। हालांकि सरकार ने तो हमारी मजदूरी बढ़ा दी है लेकिन मिल मालिक हमें बढ़ा हुआ मजदूरी दे नहीं रहें हैं।" वह कहते हैं कि "देश में कहीं भी कर्जे का इतना ब्याज ही शायद कोई लेता होगा। हमारा मुकद्दम हमें जो कर्ज देता है, उसका 6 महीने में ही हमसे डेढ़ गुणा वसूल करता है। इस कर्जे को चुकाते चुकाते हमारे सालों साल निकल जाते हैं। इस कर्ज को चुकाने के लिए घर की महिलाएं भी हमारे साथ 12 से 14 घंटे मजदूरी करती हैं, लेकिन फिर भी हम इस दलदल से बाहर नहीं निकल पाते हैं और अंततः हमें फिर से क़र्ज़ लेना पड़ता है।" वह बताते हैं कि "मज़दूरों के रहने वाले स्थान पर महिलाओं के लिए शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। उचित खानपान के अभाव में अधिकतर महिला मज़दूर कुपोषित और बीमार रहती हैं। लेकिन उन्हें इसी हालत में खेतों में काम करनी पड़ती है। यदि वह नहीं करेंगी तो मज़दूरी कट जाएगी।" हालांकि पिछले महीने 11 मार्च को मजदूर अधिकार मंच के प्रतिनिधियों ने दादरिया शुगर फैक्ट्री के एमडी और राज्य प्रबंधक से मुलाकात की और न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान करने के मामले से उन्हें अवगत कराया। इस संबंध फैक्ट्री प्रबंधक अजीत पाटिल कहते हैं कि "हम अपनी मनमानी से मजदूरों का मजदूरी बढ़ाते या घटाते नहीं हैं बल्कि गुजरात राज्य सहकारी चीनी उद्योग संघ ने एक पत्र जारी कर जिस प्रकार से मजदूरों का भुगतान करने का निर्णय लिया है।

कुछ अलग

बहुत याद आते हैं सर्कस के बब्बर शेर

तब तक टीवी ने हम लोगों की शाम को बख्श दिया था। ईजाद ही नहीं हुआ था। मोबाइल ने दिनरात हड़पे नहीं थे। वह भी नहीं बना था। उस दौर में वक्त खुद प्रतीक्षा करता था। शहर में सर्कस लगने की खबर आते ही, आग जैसी फैलती थी। परिवारों में तो खासकर। मगर अब सर्कस में चौपायों में केवल घोड़े ही बचे हैं। ढाई सदी बीते दुनिया का सर्वप्रथम सर्कस चार अप्रैल 1768 के दिन ही आया था। लंदन में फिलिप और उनकी पत्नी पैट्सी ने घुड़सवारी के करतब दिखाकर सर्कस की नींव डाली थी। इस छह फुटे फौजी अश्वारोही ने ही करिश्मायी शो आयोजित किया। वही बाद में विकसित होकर मनोरंजन में नया आयाम लाया। फिर अन्य चौपाये सर्कस में शरीक हुए। खासकर शेर बब्बर, बाघ, रीछ, हाथी इत्यादि। मगर पशुओं के प्रति क्रूरता वाला कानून संसद द्वारा बनते ही, सब बंद हो गया। फीका पड़ गया। लखनऊ की एक लोमहर्षक वारदात चिरस्मरणीय रहती है। पचास साल बीते। दयानिधान पार्क (लालबाग, नावेल्टी थ्येटर के ठीक सामने) में सर्कस के तंबू गड़ा करते थे। एक दफा (1974) का किस्सा है, दैनिक "नवजीवन" के चीफ रिपोर्टर साथी हसीब सिद्दीकी की जुबानी। उनके न्यूज एडिटर सुरेश मिश्र आधी रात नगर संस्करण में अंतिम खबर भेजकर, आदतन नजीराबाद के अब्दुल्लाह होटल के लिए रवाना हुए। हजरतगंज के काफी हाउस से कई सालों पूर्व ही यह होटल दानिश्वरों जमावड़े के लिए मशहूर था। खासकर दूध की मोटी परतवाली मलाई के खातिर। सुरेश मिश्र वहां पहुंचे ही थे कि फुटपाथ पर सोने वालों की भगदड़ मच गई थी। पता चला था कि लालबाग पार्क में लगे सर्कस का एक शेर पिंजरे से निकलकर अमीनाबाद की सैर कर रहा था। वह एक सुशुप्त श्रमिक का मुंह चाटने लगा। नींद टूटने से नाराज श्रमिक आक्रोशित था। शेर पर हथेली चलाई। फिर उसे देखकर उसके होश उड़ गए। भागा। इस पूरे हादसे को सुनकर सुरेश मिश्र जी ने सर्वप्रथम दफ्तर फोन किया कि संस्करण देर से छपेगा। फिर स्वयं आकर पूरी खबर लिखी। इससे लखनऊ में जबरदस्त सनसनी फैली। ₹नवजीवन₹ एकमात्र दैनिक था जिसमें यह समाचार छपा था। दाद दी गई इस समाचारपत्र संपादक को कि ऐसी विलक्षण खबर चलाई। स्वाभाविक है कि बाकी अखबारों की प्रातःकालीन बैठक मे संपादकों ने रिपोर्टरों का कोर्ट मार्शल किया। इतनी बड़ी खबर ? भीड़भरे मार्केट में शेर का टहलना ! कैसे छूट गई ? मगर हम सब सुरेश मिश्र की कसीदे गाते हैं। मिलता-जुलता एक हादसा हुआ था इसी दयानिधान पार्क में 1950 में भी। उस दिन भी एक सर्कस में शेरों का शो हो रहा था। अकस्मात एक शेर रिंग मास्टर पर लपका और उसे घायल कर दिया। कुछ देर के लिए तो कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। सारे स्थानीय संवाददाता कार्यालय की ओर लपके। खबर शाया करने। मगर मेरे बड़े भ्राता स्वर्गीय श्री के. प्रताप राव सर्कस के अगले शो तक रुके रहे। तब वे ₹हिंदुस्तान टाइम्स₹ के यूपी संवाददाता थे। उनका कार्यालय हजरतगंज में हलवासिया मार्केट के ठीक सामने पहली मंजिल पर जगदीश भवन में था। बगल में मकबरे का फाटक है। उन्होंने अगले शो में देखा कि वही घायल रिंग मास्टर फिर शेरों का शो पेश करता है ? शो सफलता से पूरा हुआ। उस हमलावर शेर की कचूमर निकलने तक मारा। फिर दर्शकों की करतल ध्वनि के बीच शो का अंत हुआ। दफ्तर आकर मेरे भाई साहब ने रपट भेजी। खासकर रिंग मास्टर की फोटो तथा बहादुरी वाली कि घायल होकर भी शेरों का शो दोबारा दर्शाया। रोका नहीं।

देश दुनिया से

जलवायु परिवर्तन के दौर में 'प्राकृतिक बॉन्ड' पर चर्चा जरूरी

हमारे देश में दुनिया की 18 फीसदी आबादी रहती है, लेकिन हमारे पास वैश्विक भूमि का 2 .4 फीसदी, वन का दो फीसदी, स्वच्छ जल का मात्र चार फीसदी ही उपलब्ध है। भविष्य में जैसे-जैसे जनसंख्या का दबाव बढ़ता जाएगा, ये संसाधन और कम होते जाएंगे। अभी जिस दर से हम प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वर्ष 2030 तक हमें 25 गुना ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों की जरूरत होगी। पारिस्थितिकी के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं, इससे अस्थिरता का माहौल पैदा होगा।

अपने देश की जनसंख्या के हिसाब से प्राकृतिक संसाधनों की भारी कमी है। हमारे देश में दुनिया की 18 फीसदी आबादी रहती है, लेकिन हमारे पास वैश्विक भूमि का 2.4 फीसदी, वन का दो फीसदी, स्वच्छ जल का मात्र चार फीसदी ही उपलब्ध है। भविष्य में जैसे-जैसे जनसंख्या का दबाव बढ़ता जाएगा, ये संसाधन और कम होते जाएंगे। अभी जिस दर से हम प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वर्ष 2030 तक हमें 25 गुना ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों की जरूरत होगी। पारिस्थितिकी के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं, इससे अस्थिरता का माहौल पैदा होगा। इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स ऐंड पीस के अनुसार, अगर खाद्य सुरक्षा पर 25 फीसदी खतरा होगा, तो देश में टकराव/ संघर्ष की आशंका 36 फीसदी तक बढ़ जाएगी और इतने ही पानी की कमी होगी, तो संघर्ष की घटनाएं 18 फीसदी बढ़ जाएंगी। जैव विविधता की दृष्टि से हमारे देश में चार हॉटस्पॉट हैं, लेकिन ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इन स्थानों का भी 90 प्रतिशत क्षेत्र कम हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, प्राकृतिक आपदा के कारण भारत को हर साल औसतन सात अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान होता है। यही कारण है कि पिछले पांच वर्षों में, संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पूरा करने में भारत की रैंकिंग में गिरावट आई है। वर्ष 2022 में भारत 121वें स्थान पर था। इन सब घटनाओं को देखते हुए आज प्राकृतिक बॉन्ड के प्रति प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। यह प्राकृतिक बॉन्ड है क्या ? हमने अब तक प्रकृति से जो लिया है या ले रहे हैं, उसे उसी अनुपात में प्रकृति को हम लौटा सकें, यह प्रतिबद्धता ही प्राकृतिक बॉन्ड है। अगर हम नहीं लौटा पाते हैं, तो हम इस प्रकृति के कर्जदार हैं। प्रकृति कोई वित्तीय संस्था नहीं है, जो पूरी जांच-पड़ताल के साथ हमें कर्ज देती है। इस पूरे ब्रह्मांड का संचालन सह अस्तित्व के सिद्धांत के तहत होता है। प्रकृति हमारे जीवन का आधार है, पर उसका ऋण चुकाना भूलकर हम सुख-साधनों की तरफ भाग रहे हैं। हम अपनी आने वाली पीढ़ी को आखिर कैसी पृथ्वी सौंप कर जाएंगे ? कोरोना महामारी के संकट ने हमें सिखा दिया है कि वास्तविक धन क्या है। प्रकृति की उपेक्षा करके मनुष्य आगे नहीं बढ़ सकता। जलवायु परिवर्तन और उसके कारण होने वाले विस्थापन का मुकाबला करने तथा पीड़ित लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए अब तक देश में कोई ठोस नीति या कार्य योजना नहीं है। यही कारण है कि एक अनुमान के मुताबिक, अकेले भारत में जलवायु आपदाओं के कारण 2050 तक 4.5 करोड़ लोगों को अपने घरों से पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में चरम मौसमी घटनाओं के परिणामस्वरूप पलायन करने वाले लोगों की संख्या वर्तमान संख्या से तीन गुना हो जाएगी। वैश्विक जलवायु जोखिम सूचकांक, 2021, अनुसंधान समूह जर्मनवॉच की वार्षिक रैंकिंग, भारत को जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित शीर्ष 10 देशों में रखती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जिस तरह वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है, उसके चलते 2035 तक खाद्य कीमतों में सालाना 3.2 फीसदी की वृद्धि होने का अंदेशा है। यही नहीं, इससे फसलों की उपज पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु में आ रहे बदलावों के कारण आम आदमी के खाने की थाली कहीं ज्यादा महंगी हो सकती है। इन दिनों देश में लोकसभा चुनाव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। लेकिन बढ़ते वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जनजीवन पर क्या असर पड़ेगा, और उससे निपटने के लिए राजनीतिक दलों के पास क्या कार्ययोजना है, यह इस चुनावी बहस का मुद्दा नहीं है। अगर सही में देखा जाए तो यह चुनाव भी पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बहुत ज्यादा नुकसानदायक है। इसलिए हम अपने देश की लोकतांत्रिक संरचना को हरित लोकतंत्र के अंतर्गत शामिल नहीं कर सकते हैं। मौजूदा जलवायु परिवर्तन के दौर में यह आवश्यक है कि देश को एक हरित लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाने की पहल की जाए, और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन रोका जाए। पर्यावरण के विनाश की कीमत पर किया जाने वाला विकास अंततः हमें विनाश के रास्ते पर ही ले जाएगा। इसलिए समय रहते सचेत होने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होने की जरूरत है।

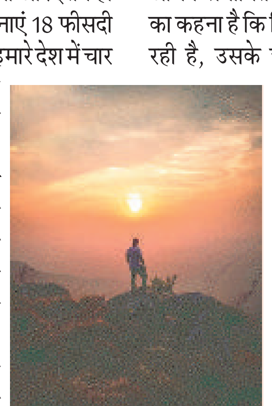

आप का नजरिया

नजीर का न्याय

दशकों से निरंतर बहस का विषय रहा है कि हमारी प्राथमिकता विकास हो या पर्यावरण। जिन समाजों को विकास के चलते विस्थापन झेलना पड़ता है, वे विकास को विनाश की संज्ञा देते रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों व पर्वतीय इलाको में बांध व अन्य बड़ी विकास परियोजनाओं के अस्तित्व में आने पर विरोध के सुर गाहे-बगाहे उभरते रहे हैं। ऐसे में न्यायिक फैसले सरकारों की मनमानी पर अंकुश लगाने का काम करते हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का एक ऐसा निर्णय आया है जिसे विकास तथा पर्यावरण संरक्षण व पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से नजीर का फैसला कहा जा रहा है। यह फैसला एक सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट और दुर्लभ प्रजाति के पक्षी सोन चिड़िया को लेकर है। दरअसल, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी सोन चिड़िया के अस्तित्व के लिये राजस्थान और गुजरात के इलाके में घातक माने जा रहे सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट की ट्रांसमिशन लाइनों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा अनुकरणीय फैसला दिया है कि जो आने वाली पढ़ियों के लिये मार्गदर्शक साबित हो सकता है। जो न्यायिक दृष्टि में भी बदलाव का पर्याय है। दरअसल, अब तक अधिकांश अदालत के फैसले पर्यावरण के पक्ष में या फिर विकास के पक्ष में जाते रहे हैं। लेकिन अदालत ने यह बताने का प्रयास किया है कि मनुष्य के लिये विकास जरूरी है तो पारिस्थितिकीय संतुलन भी जरूरी है। अदालत के फैसले के आलोक में मौजूदा ग्लोबल वार्मिंग संकट और उसके दूरगामी प्रभाव भी रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अदालत ने जलवायु परिवर्तन तथा पारिस्थितिकीय असंतुलन को देश के संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की दृष्टि से जोड़कर देखा है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि कोर्ट ने अपना पुराना फैसला भी इस संकट को दूर करने के लिये बदला है। दरअसल, गुजरात व राजस्थान के करीब नब्बे हजार वर्ग किमी के क्षेत्र में विस्तृत ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन प्रोजेक्ट दुर्लभ पक्षी सोन चिड़िया के अस्तित्व पर खतरा बन रहा था। जिस पर शीर्ष अदालत ने एक फैसले में रोक लगा दी थी। दरअसल, अदालत को तब बताया गया था कि विद्युत तारों के संपर्क में आने से इन पक्षियों की बड़ी संख्या में मृत्यु हो रही है। ये बिजली की तारें उस क्षेत्र में लगायी गई हैं जहां इन पक्षियों का आना-जाना होता है, जिनसे ये पक्षी बड़ी संख्या में टकराकर दम तोड़ देते हैं। अदालत के फैसले के चलते सौर ऊर्जा की महत्वाकांक्षी योजना पर प्रतिकूल असर पड़ रहा था। दरअसल, यह इलाका सौर ऊर्जा उत्पादन की दृष्टि से खासा उर्वरा माना जाता है। ऐसे में अदालत ने यह महत्वपूर्ण फैसला दिया कि जहां एक ओर सौर ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य भी पूरे हों, वहीं पक्षियों के अधिवास व जीवन की भी रक्षा हो सके। बीच का रास्ता निकालते हुए अदालत ने फैसला दिया कि 77 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में बिजली की ट्रांसमिशन लाइन प्रभावी रहेंगी। वहीं दूसरी ओर तेरह हजार वर्ग किमी के क्षेत्र को इन दुर्लभ पक्षियों के अधिवास के रूप में सुरक्षित करने को कहा है।

मां कूष्मांडा की पूजा के समय करें इन मंत्रों का जप और आरती, दूर होंगे दुख और संताप

जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की महिमा निराली हैं। अपने भक्तों का उद्धार करती हैं, तो दुष्टों का संहार करती हैं। उनकी कृपा से भक्तों के जीवन में मंगल ही मंगल होता है। सनातन शास्त्रों में मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा का गुणगान किया गया है। ब्रह्माण्ड की रचना मां कूष्मांडा ने की है। उनका निवास स्थान सूर्य लोक में हैं। जगत जननी मां कूष्मांडा ब्रह्मांड की रक्षा करती हैं। धार्मिक मत है कि मां कूष्मांडा पूजा-भक्ति से शीघ्र प्रसन्न हो जाती हैं। मां की कृपा से व्रती को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। अगर आप भी मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो चैत्र नवरात्र के चौथे दिन विधि-विधान से मां कूष्मांडा की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय इन मंत्रों का जप करें और अंत में ये आरती करें।

ॐ देवी कूष्माण्डायै नमः।।
सुरासम्पूर्ण कलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कूष्माण्डा शुभदास्तु मे।।

स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु माँ कूष्माण्डा रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु दयारूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
या देवी सर्वभूतेषु शांतिरूपेण संस्थिता,
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

ध्यान

वन्दे वाञ्छित कामार्थे चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
सिंहरूढ़ा अष्टभुजा कूष्माण्डा यशस्विनीम्।।
भास्वर भानु निभाम् अनाहत स्थिताम् चतुर्थ दुर्गा त्रिनेत्राम्।
कमण्डलु, चाप, बाण, पद्म, सुधाकलश, चक्र, गदा, जपवटीधराम्।।
पटाम्बर परिधानां कमनीयां मृदुहास्या नानालङ्कार भूषिताम्।
मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि, रत्नकुण्डल, मण्डिताम्।।
प्रफुल्ल वदनांचारू चिबुकां कान्त कपोलाम् तुगम् कुचाम्।
कोमलाङ्गी स्मेरमुखी श्रीकंटि निम्ननाभि नितम्बनीम्।।

स्त्रोत

दुर्गतिनाशिनी त्वंहि दरिद्रादि विनाशनीम्।
जयंदा धनदा कूष्माण्डे प्रणमाम्यहम्।।
जगतमाता जगतकत्री जगदाधार रूपणीम्।
चराचरेश्वरी कूष्माण्डे प्रणमाम्यहम्।।
त्रैलोक्यसुन्दरी त्वंहि दुःख शोक निवारिणीम्।
परमानन्दमयी, कूष्माण्डे प्रणमाम्यहम्।।

कवच

हंसरै में शिर पातु कूष्माण्डे भवनाशिनीम्।
हसलकरीं नेत्रेच, हसरौश्च ललाटकम्।।
कौमारी पातु सर्वगात्रे, वाराही उत्तरे तथा,
पूर्वे पातु वैष्णवी इन्द्राणी दक्षिणे मम।
दिग्विदिक्षु सर्वत्रेव कूं बीजम् सर्वदावतु।।

आरती

कूष्माण्डा जय जग सुखदानी।
मुझ पर दया करो महारानी।।
पिङ्गला ज्वालामुखी निराली।
शाकम्बरी माँ भोली भाली।।
लाखों नाम निराले तेरे।
भक्त कई मतवाले तेरे।।
भीमा पर्वत पर है डेरा।
स्वीकारो प्रणाम ये मेरा।।
सबकी सुनती हो जगदम्बे।
सुख पहुँचती हो माँ अम्बे।।
तेरे दर्शन का मैं प्यासा।
पूर्ण कर दो मेरी आशा।।
माँ के मन में ममता भारी।
क्यों ना सुनेगी अरज हमारी।।
तेरे दर पर किया है डेरा।
दूर करो माँ संकट मेरा।।
मेरे कारज पूरे कर दो।
मेरे तुम भंडारे भर दो।।
तेरा दास तुझे ही ध्याए।
भक्त तेरे दर शीश झुकाए।।

इस शुभ मुहूर्त में करें मां कूष्मांडा की पूजा एवं साधना

चैत्र नवरात्र की चतुर्थी तिथि 11 अप्रैल को दोपहर 03 बजकर 04 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 12 अप्रैल को दोपहर 01 बजकर 11 मिनट पर समाप्त होगी। इसके बाद पंचमी तिथि शुरू होगी। साधक दोपहर 01 बजकर 11 मिनट तक मां कूष्मांडा की पूजा एवं साधना कर सकते हैं।

शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र के चौथे दिन मंगलकारी सौभाग्य योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग 13 अप्रैल को देर रात 02 बजकर 13 मिनट तक है। इसके साथ ही चैत्र नवरात्र के चौथे दिन भद्रावास योग भी है। इस योग का निर्माण दोपहर 01 बजकर 11 मिनट तक है। इस समय में मां कूष्मांडा की पूजा-उपासना करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

सूर्योदय और सूर्यास्त का समय

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 59 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 45 मिनट पर
चन्द्रोदय- सुबह 08 बजकर 19 मिनट पर
चंद्रास्त- देर रात 11 बजे

पंचांग

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 29 मिनट से 05 बजकर 14 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 21 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 44 मिनट से 07 बजकर 07 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 59 मिनट से 12 बजकर 44 मिनट तक

अशुभ समय

राहु काल - सुबह 10 बजकर 46 मिनट से 12 बजकर 22 मिनट तक
गुलिक काल - सुबह 07 बजकर 34 मिनट से 09 बजकर 10 मिनट तक
दिशा शूल - पश्चिम

चैत्र नवरात्र के चौथे दिन दुर्लभ 'भद्रावास' योग का हो रहा है निर्माण

चैत्र नवरात्र के चौथे दिन जगत जननी आदिशक्ति मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु साधक व्रत-उपवास भी रखते हैं। शास्त्रों में मां कूष्मांडा की महिमा का गुणगान किया गया है। मां कूष्मांडा ने ब्रह्मांड की रचना की है। इसके लिए मां कूष्मांडा को जगत जननी आदिशक्ति भी कहा जाता है। इनका निवास स्थान सूर्य लोक में हैं। मां कूष्मांडा के मुखमंडल पर तेजोमय आभा झलकती है। इस कांतिमय आभा से समस्त लोक प्रकाशवान होते हैं। मां की सवारी शेर है। मां कूष्मांडा अष्टभुजा धारी हैं। धार्मिक मत है कि मां की उपासना करने वाले साधकों की हर मनोकामना पूरी होती है। ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र के चौथे दिन दुर्लभ भद्रावास का योग बन रहा है। आइए, शुभ मुहूर्त एवं योग जानते हैं-

शुभ मुहूर्त- चैत्र नवरात्र की चतुर्थी तिथि दोपहर 01 बजकर 11 मिनट तक है। इसके बाद पंचमी तिथि शुरू हो जाएगी। इस दिन अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 56 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 47 मिनट तक है। इस समय में मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना कर सकते हैं। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन कृतिका नक्षत्र का संयोग बन रहा है। कृतिका नक्षत्र पड़ने वाले दिन मासिक कार्तिगाई मनाई जाती है।

भद्रावास योग- ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र के चौथे दिन दुर्लभ भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण दोपहर 01 बजकर 11 मिनट तक है। इस समय में मां कूष्मांडा की पूजा-उपासना करने से साधक को सभी प्रकार के सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में निहित है कि भद्रा के स्वर्ग या पाताल लोक में गमन या इन दोनों लोकों में रहने के दौरान पृथ्वी के समस्त जीव, जंतु, पशु, पक्षी और मानव जगत का कल्याण होता है।

लक्ष्मी पंचमी आज

जानिए इसकी पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और महत्व

श्री लक्ष्मी पंचमी हिंदुओं का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो देवी लक्ष्मी को समर्पित है। यह त्योहार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं और उन्हें समर्पित करते हैं। लक्ष्मी पंचमी का महत्व है क्योंकि इसे मां लक्ष्मी की आशीर्वाद के लिए एक शुभ मुहूर्त माना जाता है। इस दिन लोग धन, समृद्धि, और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। विशेष रूप से व्यापारिक और वित्तीय उन्नति के लिए लोग इस दिन कार्य करते हैं। लक्ष्मी पंचमी को मनाकर लोग अपने जीवन में समृद्धि, सुख, और सम्मान का आनंद लेते हैं। इस त्योहार के माध्यम से लोग मां लक्ष्मी की कृपा को प्राप्त करते हैं और उनके घर में धन-धान्य का आगमन होता है। श्री लक्ष्मी पंचमी शुक्रवार, दि.12 अप्रैल को मनाई जाएगी।

शुभ मुहूर्त

अभिजीत 11:56:26 से 12:47:34 बजे तक
विजय मुहूर्त दोपहर 02:30 से 03:21 बजे तक
लाभ मुहूर्त प्रातः 11:15 से 12:06 बजे तक
अमृत मुहूर्त दोपहर 12:06 से 01:00 बजे तक

पूजा विधि – सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान को साफ करें और गंगाजल छिड़कें। देवी लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। देवी को फूल, फल, मिठाई, और दीप अर्पित करें। देवी लक्ष्मी का मंत्र ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलाये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं का 108 बार जाप करें। देवी की आरती करें और प्रसाद वितरित करें।

श्री लक्ष्मी पंचमी का त्योहार धन, समृद्धि, और ज्ञान की देवी लक्ष्मी की पूजा करने के लिए मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा करने से वे भक्तों पर प्रसन्न होती हैं और उन्हें धन, समृद्धि, और ज्ञान प्रदान करती हैं। यह त्योहार बुद्धि, विद्या, और कला की देवी सरस्वती की पूजा करने के लिए भी मनाया जाता है।

व्रत कथा– एक बार एक गरीब स्त्री थी जो बहुत परेशान थी। उसके जीवन में कई समस्याएं थीं। उसने कई उपाय किए, लेकिन उसे कोई लाभ नहीं हुआ। अंत में, उसने श्री लक्ष्मी पंचमी का व्रत रखने का फैसला किया। उसने सभी नियमों का पालन किया और भक्ति भावना से व्रत रखा। व्रत के बाद, उसकी सभी समस्याएं दूर हो गईं और उसे जीवन में सुख-शांति प्राप्त हुई। श्री लक्ष्मी पंचमी का त्योहार देवी लक्ष्मी की पूजा करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का एक उत्तम अवसर है।

अप्रैल महीने में कब है मासिक कार्तिगाई? जानें, तिथि एवं पूजा विधि

हर माह कृतिका नक्षत्र के दिन मासिक कार्तिगाई दीपम का पर्व मनाया जाता है। चैत्र महीने में 11 अप्रैल को मासिक कार्तिगाई है। सनातन धर्म शास्त्रों में निहित है कि मासिक कार्तिगाई के दिन देवों के देव महादेव ज्योत रूप में प्रकट हुए थे। अतः मासिक कार्तिगाई पर भगवान शिव के ज्योत रूप की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। दक्षिण भारत में मासिक कार्तिगाई के दिन पूजा-अर्चना के बाद संध्याकाल में दीपावली समान दीये जलाये जाते हैं। इस शुभ अवसर पर पूरी-पकवान समेत मिष्ठान पकाकर महादेव और देवताओं के सेनापति भगवान कार्तिकेय को अर्पित किया जाता है। आइए, पूजा विधि और महत्व जानते हैं-

तिथि–ज्योतिषियों की मानें तो 05 अप्रैल को कृतिका नक्षत्र दिन भर है। यह शुभ योग 12 अप्रैल को देर रात 01 बजकर 38 मिनट तक है। इस दिन चैत्र नवरात्र की तृतीया तिथि दोपहर 03 बजकर 03 मिनट तक है। इसके बाद चतुर्थी तिथि है। साधक किसी समय अपने आराध्य भगवान शिव की पूजा-उपासना कर सकते हैं। विशेष कार्यों में सिद्धि प्राप्ति हेतु प्रदोष काल में भगवान शिव की साधना करते हैं।

महत्व–मासिक कार्तिगाई तिथि पर शिव मंदिर एवं मठों को भव्य तरीके से सजाया जाता है। इस दिन त्रिलोकीनाथ महादेव की पूजा करने से साधक के जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख और कष्ट दूर हो जाते हैं। साथ ही आरोग्य जीवन का वरदान प्राप्त होता है। मासिक कार्तिगाई पर संध्याकाल में दीप जलाने से घर में सकारात्मक शक्ति का संचार होता है।

पूजा विधि–मासिक कार्तिगाई के दिन ब्रह्म बेला में उठें। इस समय भगवान शिव को प्रणाम कर दिन की शुरुआत करें। इसके बाद नित्यकर्मों से निवृत्त होने के बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। इसी समय आचमन कर स्वयं को शुद्ध करें और नवीन वस्त्र धारण कर सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पंचोपचार कर भगवान शिव की पूजा करें। अपनी स्थिति के अनुसार भगवान शिव का अभिषेक दूध, दही, घी, शहद, पंचामृत आदि से करें। इस समय चालीसा और कवच का पाठ एवं मंत्रों का जप करें। अंत में आरती कर सुख-समृद्धि की कामना करें। संध्या काल में आरती कर दीये जलाएं।

अप्रैल में 04 दिन बजेगी शहनाई
जानिए विवाह मुहूर्त एवं नक्षत्र संयोग

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को आत्मा का कारक माना जाता है। सूर्य देव के धनु और मीन राशि में गोचर करने से देवताओं के गुरु बृहस्पति देव का प्रभाव क्षीण हो जाता है। इसके चलते 30 दिनों तक खरमास लगता है। इस दौरान मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। वर्तमान समय में सूर्य देव मीन राशि में विराजमान हैं और 13 अप्रैल को मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। इसके बाद सभी प्रकार के शुभ कार्य किए जाएंगे। आइए, अप्रैल महीने में विवाह हेतु शुभ तिथियां और मुहूर्त जानते हैं-

अप्रैल माह विवाह मुहूर्त

18 अप्रैल को विवाह मुहूर्त है। इस दिन मघा नक्षत्र है।

19 अप्रैल को विवाह मुहूर्त है। इस दिन एकादशी भी है। वहीं नक्षत्र मघा है। एकादशी तिथि पर विवाह करना श्रेष्ठ माना जाता है।

20 अप्रैल को भी विवाह मुहूर्त है। इस दिन उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र है। वहीं, तिथि द्वादशी है।

अप्रैल महीने में अंतिम लग्न यानी विवाह मुहूर्त 21 अप्रैल को है। इस दिन तिथि त्रयोदशी है। वहीं, नक्षत्र उत्तर फाल्गुनी ही है। इसके बाद अप्रैल महीने में विवाह मुहूर्त है। ज्योतिष त्रयोदशी तिथि को विवाह हेतु शुभ मानते हैं। विवाह तिथि निर्धारण हेतु स्थानीय पंडित से अवश्य सलाह लें।

इन महीनों में नहीं होगी शादी

ज्योतिषियों की मानें तो गुरु और शुक्र तारा के अस्त होने पर शादी नहीं करनी चाहिए। 22 अप्रैल से शुक्र तारा के अस्त होने के चलते मई और जून महीने में कोई विवाह मुहूर्त नहीं है।

इसके बाद 2 जुलाई से विवाह मुहूर्त है। वहीं, जुलाई 16 से लेकर 12 नवंबर तक चातुर्मास के चलते विवाह मुहूर्त नहीं है। हालांकि, इस दौरान प्रकांड पंडित से सलाह लेकर अबूझ मुहूर्त के दौरान शादी की जा सकती है।

जूनियर एनटीआर की देवरा की रिलीज तारीख टली

अब 10 अक्टबूर को सिनेमाघरों दस्तक देगी फिल्म

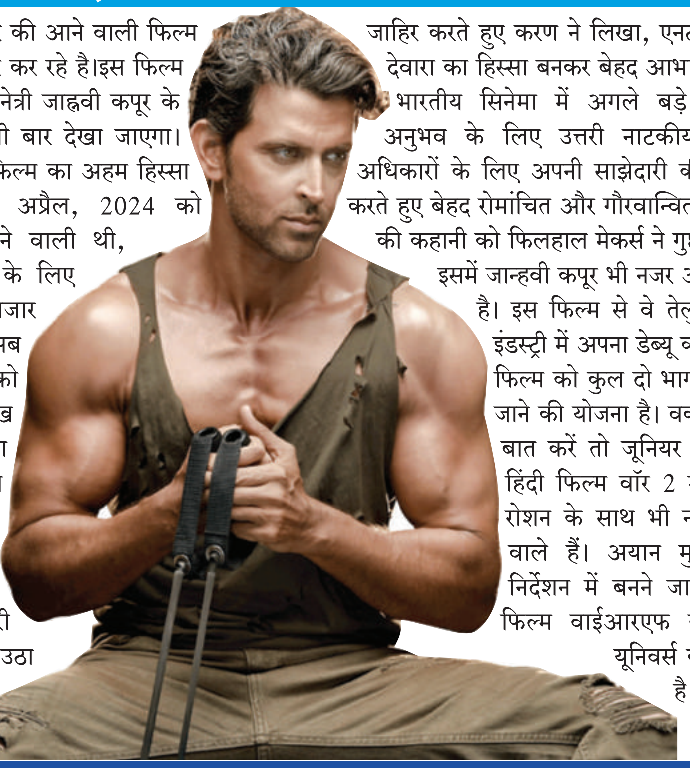

दर्शक जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म देवरा का बेसब्री से इंतजार कर रहे है।इस फिल्म में जूनियर की जोड़ी अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। सैफ अली खान भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।यह फिल्म पहले 5 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन अब इस फिल्म के लिए प्रशंसकों को लंबा इंतजार करना होगा।यह फिल्म अब 10 अक्टबूर, 2024 को सिनेमाघरों का रुख करेगी।एनटीआर की देवरा से अब करण जौहर का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने देवरा के उत्तर भारतीय फिल्म वितरण के सभी अधिकारों की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा ली है।इस मौके पर अपनी खुशी को जाहिर करते हुए करण ने लिखा, एनटीआर की देवारा का हिस्सा बनकर बेहद आभारी हूं। हम भारतीय सिनेमा में अगले बड़े सिनेमाई अनुभव के लिए उत्तरी नाटकीय वितरण अधिकारों के लिए अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए बेहद रोमांचित और गौरवान्वित हैं।देवारा की कहानी को फिलहाल मेकर्स ने गुप्त रखा है। इसमें जान्हवी कपूर भी नजर आने वाली है। इस फिल्म से वे तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपना डेब्यू कर रही हैं। फिल्म को कुल दो भाग में बनाए जाने की योजना है। वर्क फ्रंट की बात करें तो जूनियर एनटीआर हिंदी फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ भी नजर आने वाले हैं। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनने जा रही यह फिल्म वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है।

अमिताभ के बचपन का रोल निभा कर हुआ हिट हुआ ये बच्चा

बड़ा होकर बना बिजनेस का मास्टरमाइंड 41 साल बाद दिखता है ऐसा

अमिताभ बच्चन ने बॉलीवुड को कई यादगार फिल्में दी हैं, फिल्म कुली उन्हीं में से एक है। इस फिल्म के लिए उन्हें दुनिया भर में सराहा गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के बचपन का किरदार निभाने वाला बच्चा तो आपको याद ही होगा। यह बच्चा इंडस्ट्री में मास्टर रवि के नाम से काफी मशहूर हो गया, लेकिन जैसे-जैसे वह बड़ा हुआ, उसे रवि वलेचा के नाम से पहचाना जाने लगा। रवि ने कई सुपरहिट फिल्मों में बाल कलाकार के तौर पर काम किया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कभी फिल्मों का जाना माना चेहरा रहे मास्टर रवि कहां हैं और क्या करते हैं।

मास्टर रवि ने इन फिल्मों में किया काम

मास्टर रवि, जिन्होंने अब अपना नाम बदलकर रवि वलेचा कर लिया है, ने 1977 में रिलीज़ हुई एक और सुपरहिट फिल्म अमर अकबर एंथोनी में 'बाल अमिताभ' की भूमिका निभाई। विभिन्न भाषाओं की 300 से अधिक फिल्मों में काम कर चुके रवि अब 46 साल के हैं। उन्होंने शुरुआत फिल्मों में अपना करियर बनाया है। मास्टर रवि ने कुली, अमर अकबर एंथोनी, देश प्रेमी, शक्ति, मिस्टर नटवरलाल और कई अन्य फिल्मों में एक्टिंग की। रवि ने 90 के दशक के लोकप्रिय शो 'शांति' के कुछ एपिसोड में भी काम किया है।

आज कर रहे ये काम

लेकिन आज रवि हॉस्पिटैलिटी में एक लोकप्रिय नाम है। सूत्रों के मुताबिक, वह उन बच्चों को व्यक्तित्व विकास और अन्य कौशल का प्रशिक्षण भी देते हैं जो हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में कुछ बड़ा करने की इच्छा रखते हैं। ग्लेमर की दुनिया को छोड़ रवि आज खुद का बिजनेस चला रहे हैं।

रेड ब्रालेट पहन टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा ने बढ़ाया तापमान

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग लुक्स से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा ने अपनी नई फोटोशूट में फैंस का दिल जीत लिया है। उन्होंने लाल ब्रालेट पहनी और उनकी हॉटनेस ने सभी को हैरान कर दिया। केट ने अपने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं जिसे देखने के बाद आपका दिल धक-धक करने लग जाएगा। एक्ट्रेस के खुले बाल, हल्का मेकअप और पोजिंग के साथ जलवा बिखेर रही हैं। एक्ट्रेस केट शर्मा हमेशा इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर कर हर बार इंटरनेट पर सनसनी मचा देती हैं।वो जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपना दिल हार जाते हैं।केट शर्मा ने अपनी इन तस्वीरों में बेहद ही ग्लैमरस अदाएं दिखाते हुए फैंस को अपनी ओर रिझाना शुरू कर दिया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। फैंस उनकी तस्वीरों को देखकर उनकी हॉटनेस में खो गए हैं और तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या खूब दिखती हो। दूसरे ने लिखा केट की हॉटनेस का जवाब नहीं।

11 साल के फिल्मी कॅरियर में इस एक्ट्रेस ने दीं 15 फ्लॉप फिल्में

बॉलीवुड की चकाचौंध कुछ लोगों को रास आ जाती है और उनके सितारे बुलंदियों पर पहुंच जाते हैं लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो इस चकाचौंध में कहीं गुम हो जाते हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में ऐसे कई सितारे हैं जो ज्यादा समय तक नहीं टिक पाए और यहां से किनारा कर लिया। उन्हीं में से एक हैं अजय देवगन की ये एक्ट्रेस जिन्होंने 11 साल के फिल्मी करियर में एक दो नहीं बल्कि 15 फ्लॉप फिल्में दीं, हालांकि इनकी छह हिट फिल्में भी रहीं। ये कोई और नहीं बल्कि इश्क विश्क गर्ल अमृता राव हैं। आइए हम आपको बताते हैं अमृता राव के फिल्मी करियर के बारे में और जानते हैं कि आखिर क्यों उन्होंने इंडस्ट्री से किनारा कर लिया।

अजय, शाहरुख, शाहिद के साथ किया काम

7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव ने 2002 में बॉलीवुड फिल्म अब के बरस से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म 'इश्क विश्क' रही, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ एक प्यारी सी कॉलेज गर्ल का किरदार निभाया था। अमृता राव की फिल्म 'मस्ती' भी हिट रही, शाहिद कपूर के साथ 'विवाह' जैसी फिल्म में उन्होंने बेहतरीन अभिनय किया और शाहरुख के साथ 'मैं हूं ना' में भी वो नजर आई थीं। इतना ही नहीं अमृता राव ने अजय देवगन के साथ 'द लेजेंड ऑफ भगत सिंह' में भी काम किया। यही नहीं सनी देओल के साथ 'सिंह साहब द ग्रेट' भी उनकी फिल्म नहीं चल पाई और फिर उन्होंने बैक-टू-बैक 15 फ्लॉप फिल्में दीं, इसके बाद उन्होंने एक्टिंग से किनारा कर लिया।

शाहरुख, अजय, शाहिद के साथ किया काम, छोड़ी इंडस्ट्री

पति के साथ यूट्यूब चैनल चलती हैं अमृता राव

एक्टिंग से किनारा करने के बाद बॉलीवुड एक्ट्रेस अमृता राव ने 15 मई 2014 को आरजे अनमोल के साथ शादी की। उनकी शादी बहुत ही सिंपल तरीके से हुई। 3000 रु के कपड़े, 11000 हजार का मंडप और डेढ़ लाख रुपए में उनकी पूरी शादी हो गई। शादी के बाद अमृता अपनी फैमिली लाइफ एंजॉय कर रही हैं और अपने पति अनमोल के साथ मिलकर एक यूट्यूब चैनल चलाती हैं, जिस पर वो गेस्ट का इंटरव्यू करती हैं। अमृता सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने वीडियो और फोटो शेयर करती रहती हैं।

वंशज में रोमांटिक सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान गीतांजलि मंगल को आई चोट

टेलीविजन शो वंशज में मिराया की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री गीतांजलि मंगल ने साझा किया कि शो में एक रोमांटिक सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उनके टखने में मोच आ गई।हाल ही में, अभिनेता माहिर पांधी को सेट पर हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई और कुछ हफ्ते बाद गीतांजलि को भी चोट लग गई, जो बाद में लिगामेंट फटने में बदल गई।मिराया और निखिल (आर्यन अरोड़ा) के बीच एक रोमांटिक सीक्वेंस के दौरान, महाजन परिवार की सुरक्षा गार्ड गीतांजलि गलती से घास पर फिसल गई और उसके दाहिने टखने में मोच आ गई।गीतांजलि मंगल ने कहा: यह एक अद्भुत अनुक्रम था जहां हम सभी होली मनाने का आनंद ले रहे थे, और मिराया की उभरती प्रेम कहानी में एक आकर्षण था। हालाँकि, शॉट में निखिल की ओर दौड़ते समय मेरे टखने में बुरी तरह मोच आ गई। मैंने शूटिंग जारी रखी, लेकिन जब मैं और अधिक दर्द सहन नहीं कर सकी, तो प्रोडक्शन हाउस और पूरी टीम तुरंत दौड़ी और मुझे डॉक्टर के पास ले गई। जहां यह पता चला कि यह मोच थी जिसमें लिगामेंट फट गया था और जोड़ के आसपास के ऊतकों में सूजन थी।मैं ठीक हो रहा हूं और अपनी टीम और साथी कलाकारों के सहयोग से चल-फिर रहा हूं। निर्देशक उन दृश्यों में सुधार करने के लिए काफी दयालु रहे हैं जहां मुझे ज्यादा हिलना-डुलना नहीं पड़ता है या लंबे समय तक खड़ा नहीं रहना पड़ता है क्योंकि एपिसोड का प्रसारण करीब है। उन्होंने कहा, मेरे सह-कलाकारों माहिर पांधी, कंचन दुबे, निशा नागपाल और परिणीता सेठ को एक परिवार की तरह वहां मौजूद रहने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।वंशज गर्म पारिवारिक विवादों के इर्द-गिर्द घूमता है, विशेष रूप से महाजन परिवार के भीतर विरासत के विवादों से संबंधित, जिसमें एक तरफ दिग्विजय या डीजे (माहिर पांधी) और दूसरी तरफ युविका (अंजलि तत्रारी) हैं।

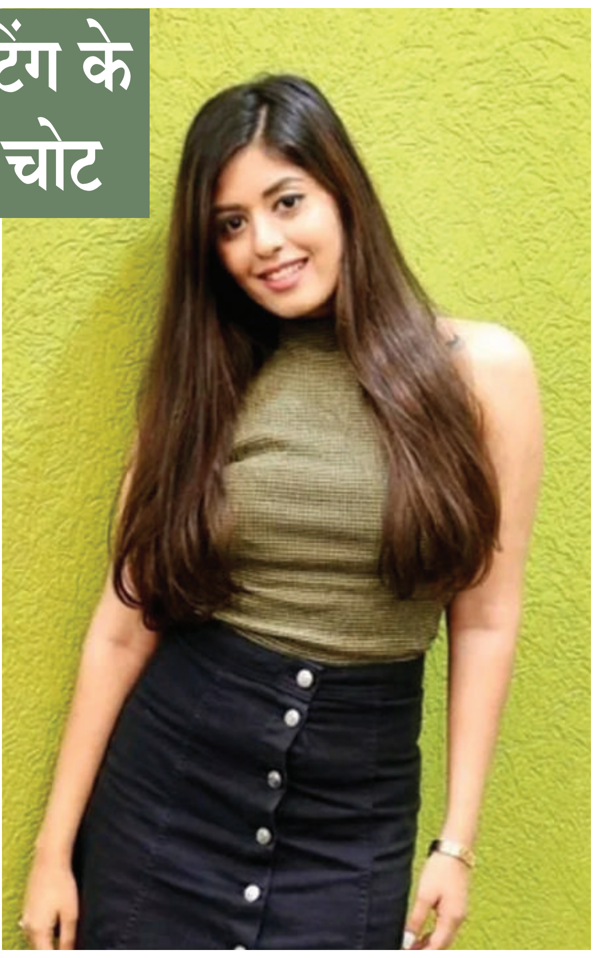

संजू सैमसन पर 12 लाख जुर्माना: गुजरात के खिलाफ ओवररेट धीमा था, फील्डिंग प्रतिबंध भी लगा, पंत पर 2 बार लग चुका फाइन

नई दिल्ली,11 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते संजू पर जुर्माना लगा। इंडियन प्रीमियर लीग ने यह जानकारी दी।

आईपीएल के 17वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स को इस सीजन की पहली हार मिली। टॉस हार कर पहले बैटिंग करते उतरी राजस्थान ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 196 रन बनाए। 197 रन का टारगेट गुजरात ने 20 ओवर में 7 विकेट पर हासिल कर लिया।

20वें ओवर में जीता गुजरात, इस ओवर में सिर्फ 4 प्लेयर बाउंड्री पर थे

गुजरात को जीत के लिए 20वें ओवर जीत के लिए 15 रन चाहिए थे। राजस्थान की टीम तय वक्त पर ओवर करने से 5 मिनट पिछड़ गई। इसके चलते आखिरी ओवर में संजू 5 की जगह सिर्फ 4 प्लेयर बाउंड्री पर भेज पाए। लक्ष्य के राशिद खान ने 3 चौके लगाकर टीम को जीत दिला दी।

आईपीएल ऑफिशियल्स ने कहा कि इस सीजन टीम राजस्थान की यह पहली गलती थी, इसलिए आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुसार सबसे न्यूनतम दंड दिया गया है।

पंत पर 24 लाख का फाइन लगा था

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर लगातार दो मैचों में स्लो ओवर रेटिंग के लिए जुर्माना लग चुका है। आईपीएल के 16वें मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ पंत पर 24 लाख रुपए का फाइन लगाया गया था। यही नहीं पंत के अलावा दिल्ली कैपिटल्स के इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे खिलाड़ियों पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया था। इससे पहले, चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ हुए पिछले मैच में भी वे स्लो ओवर रेट के दोषी पाए गए थे, लेकिन सीजन की पहली गलती होने की वजह से 12 लाख का फाइन लगाया गया था।

गिल पर लगा था 12 लाख का जुर्माना

इस सीजन के 7वें मैच में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में जुर्माना लगा था। टीम के कप्तान गिल पर स्लो ओवर रेट के कारण 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया था। इस मैच चेन्नई ने गुजरात टाइटंस को 63 रन से हराया था।

न्यूज ब्रीफ

डोपिंग अपराध के लिए तीन भारतीय एथलीटों पर चला नाडा का डंडा, किए गए निलंबित

नई दिल्ली । गोवा राष्ट्रीय खेलों के रजत पदक विजेता स्टीपलचेज खिलाड़ी मोहम्मद नूर हसन के साथ भारत के विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के प्रतिभागी हेमराज गुर्जर और अंजलि कुमारी को प्रतिबंधित पदार्थों की जांच में पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। भारतीय एथलेटिक्स में डोपिंग के नवीनतम मामलों में राष्ट्रीय डोपिंग विरोधी एजेंसी पैनल द्वारा धावक जी लक्ष्मणन और धाविका हिमानी चंदेल पर भी क्रमश: दो और चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। हसन ने पिछले साल फेडरेशन कप और नेशनल ओपन चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण पदक जीता था। गुर्जर ने जनवरी में गया में राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप जीती थी लेकिन मार्च में बेलग्रेड में विश्व क्रॉस कंट्री में वह 88वें स्थान पर रहे थे। अंजलि कुमारी जनवरी में नेशनल क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रही थीं । इस प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन वैश्विक प्रतियोगिता के लिए हुआ था जिसमें वह 80वें स्थान पर रहीं। इन तीनों को नाडा द्वारा अस्थाई निलंबन सौंपे गए लोगों की नवीनतम सूची में शामिल किया गया है। इस बीच यह भी पता चला है कि 2017 एशियाई चैंपियनशिप में 5000 मीटर और 10,000 मीटर में स्वर्ण पदक जीतने वाले लक्ष्मणन पर पिछले साल 10 अगस्त से दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उनका नाम उन लोगों में शामिल था जिन पर या तो डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल या नाडा के डोपिंग रोधी अपील पैनल द्वारा प्रतिबंध लगाए गए थे। शीर्ष धाविका हिमानी चंदेल पर भी पिछले साल 15 जून से चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है।

सूर्यकुमार और इशान के तूफान से मुम्बई की आईपीएल में दूसरी जीत

मुम्बई 11 अप्रैल (एजेंसियां)। इशान किशन 40 गेंदों में 69 रन और सूर्यकुमार यादव के 19 गेंदों में 52 रनों की अर्धशतकीय पारियों और उससे पहले जसप्रीत बुमराह के पांच विकेटों की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 25वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सात विकेट से हरा कर लीग में अपनी दूसरी जीत दर्ज की है। 197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की इशान किशन और रोहित शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 101 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में आकाश दीप ने कोहली के हाथों इशान किशन को कैच आउट कराकर मुम्बई को पहला झटका दिया था। इशान ने 34 गेंदों में सात चौके पांच छक्के उड़ाते हुए 69 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद 12वें ओवर में रोहित शर्मा को जेक्स ने आउट कर दिया। रोहित ने 24 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 38 रन बनाये। सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाये। उन्हें वैशाख ने 52 रन पर आउट किया। कप्तान हार्दिक पंड्या 21 और तिलक वर्मा 16 रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई ने 15.3 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आकाश दीप, विजयकुमार वैशाख और विल जेक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट पांच विकेट चटकाते हुए रॉयल चैलेंजर्स को बड़ा स्कोर बनाने रोक दिया था। हालांकि कप्तान फाफ डुप्लेसी 61 रन, रजत पाटीदार की 50 रन और आखिरी ओवरों में दिनेश कार्तिक की नाबाद 53 रनों की तूफानी की पारियों के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुम्बई इंडियंस को जीत के लिए 197 रनों लक्ष्य दिया था।

आज यहां वानखेड़े स्टेडियम में मुम्बई इंडियसं के कप्तान हार्दिक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी शुरुआत खराब रही और उसने तीसरे ही ओवर में विराट कोहली तीन रन का विकेट गवां दिया। चौथे ओवर में विल जेक्स भी आठ रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रजत पाटीदार ने डुप्लेस के साथ पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट लिये 82 रनों की साझेदारी हुई। रजत पाटीदार ने 26 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन बनाये। ग्लेन मैक्सवेल, महिपाल लोमरोर और विजयकुमार वैशाख बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। डुप्लेसी ने 40 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के जड़ते हुए 61 रनों की पारी खेली। सौरव चौहान नौ रन बनाकर आउट हुये। दिनेश कार्तिक ने 23 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए नाबाद 53 रनों की पारी खेली और आकाश दीप दो रन बनाकर नाबाद रहे। बेंगलुरु ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 196 रन का स्कोर खड़ा किया। मुम्बई इंडियंस की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिये। गेराल्ड कोएत्जी, आकाश मधवाल और श्रेयस गोपाल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप 2027 की मेजबानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका जिंबाब्वे और नामीबिया करेंगे : आईसीसी

नई दिल्ली,11 अप्रैल । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने क्रिकेट विश्व कप 2027 के लिए स्थल घोषित कर दिया है। विश्व कप 2027 की मेजबानी अक्टूबर-नवंबर में संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका, जिंबाब्वे और नामीबिया करेंगे ।आईसीसी ने 8 शीर्ष क्रिकेट स्टेडियमों को 2027 आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के आयोजन स्थल के रूप में रखा है। इसमें जोहनिसबर्ग का वांडरर्स, डरबन का किंग्समीड और केप टाउन का न्यूलैंड्स है।

वहीं क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा कि आयोजन स्थल होटल के कमरों और हवाई अड्डे की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए ही तय किए गए हैं। मोसेकी ने साथ ही कहा कि स्थलों के चयन का तरीका इस प्रकार से था कि इसमें होटल के कमरों की संख्या और हवाईअड्डे की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया गया। मोसेकी ने आगे कहा कि बेनोनी, जेबी मार्क्स ओवल और डायमंड ओवल जैसे तीन स्थलों को छोड़ना उनके लिए कठिन रहा। उन्होंने साथ ही कहा कि हमारे पास आईसीसी से मान्यता प्राप्त 11 स्थल हैं इसलिए 3 को छोड़ना कठिन था पर इस दौरान बहुत सारी चीजों को ध्यान में रखा गया। आयोजन स्थल के अलावा इसके आसपास प्रशिक्षण स्थलों की मौजूदगी ने भी अहम भूमिका निभाई।

दक्षिण अफ्रीका में टूर्नामेंट के मुख्य स्थल वांडरर्स, प्रिटोरिया का सेंचुरियन पार्क, किंग्समीड, गकेबरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, पार्ल का बोलैंड पार्क और न्यूलैंड्स होंगे जबकि ब्लोमफोंटेन का मैनगौंग ओवल और ईस्ट लंदन का बफेलो पार्क भी कुछ मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं अन्य मुकाबले टूर्नामेंट के सह मेजबान जिंबाब्वे और नामीबिया में खेल जाएंगे। मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिंबाब्वे ने टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है पर नामीबिया को अफ्रीकी क्वालीफायर से गुजरना होगा।आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष 8 टीमें टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी जबकि शेष 4 टीमें वैश्विक क्वालीफायर टूर्नामेंट के जरिये पहुंचेंगी। टूर्नामेंट में 7-7 टीमों के दो ग्रुप होंगे। प्रत्येक समूह से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में आगे बढ़ेंगी जिससे सेमीफाइनल और फाइनल की विजेता टीमें निकलेंगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक्सीडेंटल हिंदू ...

देते हैं तो वह समय दूर नहीं जब कल वो कोई नया सवाल लेकर उठ खड़े होंगे, क्योंकि उनका उद्देश्य मात्र सांप्रदायिक भावनाओं को भड़का कर कांग्रेस को परेशान करना है।नेहरू का यह निर्णय मुस्लिम लीग के प्रति कांग्रेस की उस तुष्टिकरण की नीति को और आगे ले जाना था जो कांग्रेस ने मुस्लिम लीग से 1916 में लखनऊ में समझौता कर अपनाई थी। इस समझौते के अंतर्गत मुसलमानों की प्रथक निर्वाचन के आरक्षण को माना गया था। इसके अतिरिक्त यह भी माना गया था कि जब तक किसी संप्रदाय विशेष के 3/4 सदस्य काउंसिल में स्वीकृति नहीं दे देते तब तक उनसे संबंधित कोई भी प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार हिंदू मुस्लिम एकता के नाम पर खिलाफत आंदोलन को समर्थन देकर कांग्रेस ने यह स्वीकार कर लिया था कि ऐसे इस्लामिक मुद्दे जिनका भारत से कोई संबंध नहीं है वे भारतीय मुसलमानों के लिए प्रखर हैं। इस प्रकार के अनेक उदाहरण उपलब्ध हैं। जैसे राजगोपालाचारी द्वारा पाकिस्तान पर योजना दिया जाना या गांधी द्वारा जिन्ना को कायदे आजम कह कर संबोधित करना जबकि उसकी लोकप्रियता नीचे गिर रही थी। इससे पहले भी गांधी एक कमाल कर चुके थे। उन्होंने शुद्धि आंदोलन के नेता स्वामी श्रद्धानंद के हत्यारे अब्दुल रशीद को अपना भाई बताया था और यह तक कह दिया था कि उसने जो भी कुछ किया वह इस्लाम को बचाने के लिए किया। गांधी तो अदालत में उसकी पैरवी भी करना चाहते थे। गांधी ने कभी भी इस्लाम में धर्म परिवर्तन का विरोध नहीं किया लेकिन यदि एक स्वामी धर्म परिवर्तित हिंदुओं को वापस हिंदू धर्म में लाने का प्रयास कर रहा था तो क्या वो कोई अपराध था? और वो भी शांतिपूर्वक!सिंध के नेता अल्लाह बक्स सोमरू ने जब मुस्लिम लीग के विरुद्ध 13 दलों का संघ बनाकर पाकिस्तान और मुस्लिम लीग का विरोध किया तो उसको भी कांग्रेस ने कोई अहमियत नहीं दी और जिन्ना को मनाने के वार्तालाप जारी रखे। मुस्लिम लीग ने सोमरू का कत्ल करवा दिया पर कांग्रेस शांत रही। इसी प्रकार खाकसारों ने पाकिस्तान की मांग और जिन्ना का विरोध ही नहीं किया बल्कि दो बार जिन्ना पर हमले भी करवाए। लेकिन कांग्रेस खाकसारों का और इसी प्रकार अरहर दल का भी विरोध करती रही। मुस्लिम लीग को रोकने के लिए कांग्रेस न तो प्रजा कृषक पार्टी को समर्थन देने को तैयार थी और न ही यूनियनिस्ट पार्टी को। बजाए इसके कि आम जनता को साथ लेकर पाकिस्तान की मांग के विरोध में आंदोलन छेड़ा जाए, कांग्रेस ने अंग्रेजों के साथ मिलकर विभाजन को स्वीकार किया और यही नहीं भारत को बांटने वाले लॉर्ड माउंटबेटन को भारतीय डोमीनियन का आमंत्रण देकर पहला गवर्नर जनरल बना दिया। मत भूलिए कि जिन्ना ने जो पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच एक गलियारा मांगा था गांधी ने उसका समर्थन किया था। यही नहीं, हिंदू और सिखों पर हो रही हिंसा को दरकिनार कर पाकिस्तान में रहने की इच्छा भी गांधी ने प्रकट कर दी थी। 1948 में सेना के सुझाव की अवहेलना कर एडविना माउंटबेटन के आग्रह पर पाकिस्तान से युद्ध विराम कर तथाकथित आजाद कश्मीर बनवाने का श्रेय भी नेहरू को ही जाता है। उन्होंने ही शेख अब्दुल्ला से साठगांठ कर धारा 370 लगवाई थी।पूर्वी पाकिस्तान से हिंदू शरणार्थी ही नहीं बल्कि मुस्लिम घुसपैठिए भी निरंतर आते रहे और आराम से बसते रहे। 1950 के बाद से लगभग दो लाख पाकिस्तानी वीजा लेकर भारत आए थे, लेकिन यहां आकर गायब हो गए। कांग्रेस की सरकारों ने उन्हें पकड़ कर वापस भेजने का गंभीर प्रयास तक नहीं किया और यूपीए के समय में तो कमाल ही हो गया जब रोहिंग्याओं ने भारत में घुसपैठ की और जम्मू की छावनी के ठीक पीछे तक जाकर बस गए ।नेहरू ने तो 1955 में गणतंत्र दिवस पर पाकिस्तान के गवर्नर जनरल मालिक गुलाम मुहम्मद तक को मुख्य अतिथि बनाया। केरल में नंबूदरीपाद का मंत्रिमंडल बर्खास्त किए जाने के बाद कांग्रेस ने इस प्रांत में लगातार मुस्लिम लीग के साथ अपने गहन रिश्ते बना कर रखे। यही नहीं उसके सदस्यों को केंद्र में मंत्री तक बनाया और ये संबंध आज भी कायम हैं। क्या मुस्लिम लीग एक धर्म निरपेक्ष पार्टी हो गई थी जो धर्म निरपेक्षता का ढोल बजने वाली कांग्रेस उससे मिल कर चुनाव लड़ती है और सरकारें बनाती है। मुस्लिम लीग ने अपनी सांप्रदायिक कट्टरवादी विचार धारा को कभी नहीं छोड़ा और कांग्रेस ने मुस्लिम लीग को राजनीति में और सशक्त बनाया। आज का केरल इसका सशक्त प्रमाण है। वास्तव में कांग्रेस की नीति केवल तुष्टिकरण तक ही सीमित नहीं है बल्कि मुस्लिम विरोध के कारण एक प्रजातांत्रिक भारतीय गणतंत्र में यूनिवर्सल सिविल कोड का न बनाया जाना क्या दर्शाता है? वक्फ बोर्ड असीमित शक्तियां देना और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को सिर पर बैठ कर रखना ही कांग्रेस का डीएनए है।1986 में स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का गठन हुआ जिसका उद्देश्य इस्लाम के द्वारा भारत को स्वतंत्र कराना था जो कि गजवा-ए-हिन्द का एक दूसरा रूप है। वह भारत को दारु-उल हर्ब के स्थान पर दारु-उल इस्लाम बनाना चाहते हैं। सब कुछ जानते हुए भी कांग्रेस ने इस संगठन पर प्रतिबंध नहीं लगाया। यह प्रतिबंध 2001 में एनडीए सरकार द्वारा लगाया गया। इसी प्रकार यूपीए काल में 2006 में पीएफआई का गठन हुआ जिसका उद्देश्य सिमी के उद्देश्य से भी आगे था। पाकिस्तान की आईएसआई, अलकायदा, आईएसआईएस के साथ संबंध मालूम होने के बाद भी कांग्रेस की सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबंध नहीं लगाया। एनडीए सरकार ने सितंबर 2022 में इस पर प्रतिबंध लगाकर गिरफ्तारियां की। कांग्रेसी तो बस हिन्दुत्व में आतंकवाद ढूंढ रहे थे। भला हो तुकाराम आंबले का जिन्होंने कसाब को जिंदा पकडा, अन्यथा चिदंबरम जैसे मुंबई हमले को हिंदू आतंकी हमला ही चिल्लाते रहते।दिग्विजय सिंह और मणिशंकर अय्यर जैसे कांग्रेसी नेता बेशर्म होकर पाकिस्तान का राग गाते हैं और कांग्रेस में जाते ही सिद्धू ने भी बढ़-चढ़ कर पाकिस्तान प्रेम को अलापा। आतंकी प्रचारक जाकिर नायक दिग्विजय सिंह का आदर्श है और वह बढ़-चढ़ कर इसको दिखाता भी है। क्या इन कांग्रेसी नेताओं के मुंह से सिर तन से जुदा का विरोध सुना है। ये तो धर्म निरपेक्ष भारत में हज की सब्सिडी दिलवाने और इमाम और मदरसों के मौलवियों की तनख्वाह दिलवाने में लगे रहते हैं। लेकिन हिंदू मंदिरों पर जो कर लगाए जाते है उस पर चुप रहते हैं। हजारों गैरकानूनी मदरसों तक को यह सही बताते हैं। कोई भी अपराधी अगर वो मुस्लिम समुदाय से है तो वो इनका खास चहेता है। अगर ऐसा न होता तो देश में अतीक अहमद और मुख्तार अंसारी जैसे कुख्यात अपराधी राजनीति में पनप न पाते। और तो और बाटला हाउस में आतंकियों के मारे जाने पर कांग्रेस की सर्वेसर्वा आंसू तक बहा देती हैं।वह राजीव गांधी की ही सरकार थी जिसने शाहबानो केस में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाबजूद उस पर कानून नहीं बनाया, लेकिन ये स्वयं को स्त्रियों के अधिकारों का पक्षधर बताते हैं। इनके लिए मुस्लिम मुस्लिम चिल्लाकर वोट मांगना धर्म निरपेक्षता है पर अगर कोई हिंदू के नाम पर वोट मांगता है तो वो सांप्रदायिक है। राहुल गांधी का मुस्लिम बहुलता वाले वायनाड से चुनाव लड़ना क्या मायने रखता है, यह जनता जानती है। और अबकी बार तो गजब ही हो गया। जरा बताइए वायनाड को छोड़कर जितने अन्य स्थानों पर कांग्रेसियों ने चुनावी पर्चे भरे क्या वहां जलूस में कांग्रेसी झंडे नहीं थे? हर जगह तो खूब लहराते हैं पर वायनाड़ में क्यों नहीं लहराते? स्पष्ट है कि इससे मुस्लिम लीग नाराज न हो जाए। कश्मीर में भी पाकिस्तान का शोर मचाने वाले अब्दुल्लाओं से इनका गठबंधन है और सत्ता में आने पर 370 को फिर से लागू करना इनका वादा है। क्यों न हो? आखिर चाचा नेहरू के कार्य को फिर से क्यों न लागू किया जाए। यह है राहुल गांधी की मानसिकता और मां, बहन जीजा इसमें उनके साथ हैं। (प्रो कपिल कुमार से साभार)

सफेदपोश षडयंत्रकारियों ...

जो मीडिया की स्वतंत्रता कम होने के संदिग्ध दावों के साथ अपनी असंगति को आम लोगों के साथ जोड़कर देखते हैं।इंटरव्यू के दौरान न्यूज़-वीक के संपादकों ने भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किए जाने का मुद्दा उठाया। इसका जबाव देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस तरह के आरोप ऐसे लोग लगाते हैं, जो अपने बुलबुले के बाहर लोगों से मिलने की जहमत ही नहीं उठाते हैं। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार हमारी सरकार एक ऐसा अद्वितीय दृष्टिकोण लेकर आई है, जिसमें सरकार की योजनाओं को किसी समुदाय विशेष या फिर एक भू-भाग तक सीमित रखने के बजाय सभी को समावेशित किया गया। प्रधानमंत्री कहते हैं कि देश का अल्पसंख्यक समुदाय भी यह बात स्वीकार नहीं करता कि अल्पसंख्यकों पर किसी तरह का अत्याचार किया जा रहा है। मुस्लिम, ईसाई, जैन, सिख और पारसी जैसे सभी अल्पसंख्यक भारत में खुशी के साथ रहते हैं और फल-फूल रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी मैगजीन ने पीएम मोदी को अपने कवर पैज पर जगह दी है। साथ ही उन्हें अनस्टॉपेबल अर्थात जिसकी निर्बाधता रोकी न जा सके बताया है।पीएम मोदी ने अमेरिकी पत्रिका न्यूज़-वीक से कहा, दूसरे कार्यकाल के अंत तक सबसे लोकप्रिय सरकारें भी समर्थन खोने लगती हैं। विश्व में पिछले कुछ वर्षों में सरकारों के प्रति असंतोष भी बढ़ा है। भारत अपवाद के रूप में खड़ा है, जहां हमारी सरकार के लिए जनसमर्थन बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने देशवासियों से किया हर वादा पूरा किया। यह देश की जनता के लिए नई बात थी, क्योंकि उन्हें पिछली सरकारों में ऐसा होने की आदत नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के दूसरे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न्यूज़-वीक ने अपने कवर पर छापा है। इसके पहले पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी न्यूज़-वीक के कवर का हिस्सा बनी थीं। मोदी ने कहा, लोगों को यह भरोसा है कि अगर योजनाओं का लाभ किसी और को मिला है तो उन तक भी पहुंचेगा। लोगों ने देखा है कि भारत 11वीं से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब देश की आकांक्षा है कि तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बने।चीन के साथ सीमा विवाद के सवाल पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और चीन के बीच स्थिर व शांतिपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं। पत्रिका को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम आशा करते हैं कि राजनयिक और सैन्य स्तरों पर सकारात्मक व रचनात्मक द्विपक्षीय बातचीत से भारत व चीन सीमाओं पर शांति और स्थिरता बहाल करने और इसे बनाए रखने में सक्षम होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के लिए चीन के साथ रिश्ते अहम और महत्वपूर्ण हैं। पीएम मोदी ने कहा, मेरा यह मानना है कि हमें अपनी सीमाओं पर लंबे समय से चली आ रही तनाव स्थिति को देखते हुए तत्काल बातचीत करने की आवश्यकता है।जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने पर मोदी ने कहा, आप मेरी बातों में न जाएं, खुद वहां जाकर देखें। आपको साफ पता चलेगा कि इस कदम के बाद वहां क्या बदलाव हुए। वहां जमीनीस्तर पर व्यापक सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। वहां के लोगों के जीवन में नई उम्मीद जगी है। 2023 में 2.1 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। आतंकी घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। पाकिस्तान से संबंधों के सवाल पर मोदी ने कहा, भारत ने हमेशा आतंक और हिंसा मुक्त माहौल में शांति, सुरक्षा और समृद्धि को आगे बढ़ाने की वकालत की है। मैंने पाकिस्तान के पीएम को पदभार संभालने पर बधाई भी दी है। इमरान खान को जेल में डालने पर मोदी ने कहा, मैं पाकिस्तान के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करूंगा।पीएम मोदी ने कहा, प्रभु श्रीराम का नाम हमारी राष्ट्रीय चेतना पर अंकित है। भगवान राम के जीवन ने हमारी सभ्यता में विचारों और मूल्यों की रूपरेखा तय की है। इसलिए 11 दिनों के विशेष अनुष्ठान के दौरान मैंने उन जगहों की तीर्थयात्रा की जहां श्रीराम के पदचिह्न हैं। मैंने देखा कि श्रीराम हम सभी भीतर हैं। मोदी ने कहा, पिछले दशक में भारत के बुनियादी ढांचे में तेजी से बदलाव से देश में सुधार की गति तेज हो गई है। 10 वर्षों में हमारा राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 60 फीसदी बढ़ गया है। हमने अपने हवाईअड्डों को दोगुना से अधिक कर दिया है। 2014 में 74 से बढ़कर 2024 में 150 से अधिक हो गए हैं। हमारी सागरमाला परियोजना से समर्थित अपने बंदरगाहों की क्षमता बढ़ाई है और परिचालन दक्षता में सुधार किया है। टेक-स्मार्ट वंदे भारत ट्रेनें शुरू की हैं।

हर घर के ...

डमरू बजाकर प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा केदार का आह्वान किया।प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस विकास और विरासत की विरोधी है। कांग्रेस ने प्रभु राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए हैं। ये कांग्रेस ही है जिसने पहले राम मंदिर का विरोध किया। अदालत में भी रुकावटें डाली। लेकिन राम मंदिर बनाने वालों ने उनके सारे गुनाह माफ करके घर जाकर निमंत्रण दिया, लेकिन उन्होंने उस अवसर का भी तिरस्कार कर दिया। हिंदू धर्म में जो शक्ति है इस कुरुती का नाश करेगी। उसे पूरा नहीं होने देंगे। कहा कि अब कांग्रेस गंगा के अस्तित्व पर सवाल उठा रही है। लेकिन जनता उन्हें सबक जरूर सिखाएगी। हम विकसित भारत के संकल्प का सपना पूरा करना है तो कमल खिलाने होंगे। बाकी काम करना मेरी गारंटी है।पीएम मोदी ने कहा कि गढ़वाल हो या कुमाऊं माताओं बहनों का समय लकड़ियां लाने और चूल्हे पर काम करने में बीत जाता था। हमने घर घर सिलेंडर पहुंचाया। जल जीवन मिशन पर भी काम हुआ है। आज स्थिति बदल गई है। आज उत्तराखंड में दस में से नौ परिवारों के घर में नल से पानी आ रहा है। राशन और सामान के लिए भी दिक्कत नहीं। मुफ्त राशन, मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। कहा कि धामी और उनकी सरकार इस पर बहुत मेहनत से शानदार काम कर रही है।पीएम ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार थी तो गरीबों और बेरोजगारों का पैसा बिचौलिया खा जाते थे। हमारी सरकार ने सीधे बैंकों खतों में पैसे पहुंचाए। कांग्रेस होती, तो ये सब लुट जाता। हमने इसे बंद किया। इसलिए उनका गुस्सा सातवें आसमान पर है। जब मैं कहता हूं भ्रष्टाचार हटाओ, तो वो कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। उन्होंने जनता से पूछा कि अगर ये सब हटाना है तो आपका आशीर्वाद मुझे मिलेगा न। पीएम ने दोहराया कि मेरा भारत ही मेरा परिवार है।पीएम ने कहा कि पर्यटन और चारधाम यात्रा का उत्तराखंड को विकसित करने में बड़ा योगदान है। इसलिए हम यहां रोडवेज, रेलवे, एयरवेज की लगातार सुविधा दे रहे हैं।

कांग्रेस का ...

बैठे नहीं रहते। मोदी बोले, कांग्रेस ने पानी में पैसा कमाने का काम किया। भाजपा ने उसे जवाबदेही मानकर पूरा किया। मोदी ने कहा कि आने वाले समय में यहां घर-घर पानी पहुंचेगा, यह मोदी की गारंटी है। कांग्रेस ने नौकरियों में भी लूट के मौके तलाशे। कांग्रेस के राज में पेपर लीक इंडस्ट्री तैयार हो गई। मोदी ने गारंटी दी कि मोदी की सरकार आएगी तो पेपर लीक माफिया जेल जाएंगे। मोदी ने पूछा कि बताइए कि मोदी की गारंटी पूरी हो रही है कि नहीं। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी आराम करने के लिए नहीं पैदा हुआ है। मैं काम करने के लिए पैदा हुआ हूं।पीएम मोदी ने इंडी अलायंस पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग मोदी को कितनी गालियां दे दें, लेकिन जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है उन्हें जेल जाना ही पड़ेगा। यह मोदी की गारंटी है। मोदी ने का कहा कि करौली-धौलपुर की यह धरती भक्ति और शक्ति की धरती है। यह उस बृज का क्षेत्र है, जहां की रज भी सर पर धारण करते हैं। यहां आपका यह आर्शीवाद देश के लिए बड़ा संदेश है। चार जून को क्या परिणाम होगा, वह आज करौली में स्पष्ट दिख रहा है। करौली बता रहा है, चार जून 400 पार। पूरा राजस्थान कह रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार। 2024 का लोकसभा चुनाव, कौन सांसद बनेगा या कौन नहीं बन सकता है, इसके लिए नहीं है। यह चुनाव विकसित भारत को नई ऊर्जा देने का चुनाव है। समस्याओं के आगे कांग्रेस ने हाथ खड़े कर दिए। कांग्रेस दशकों को तक गरीबी हटाओ का नारा देती रही, लेकिन मोदी ने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी की रेखा से बाहर निकालने का काम किया है।पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि का जिक्र करते हुए कहा कि करौली-धौलपुर के सवा तीन लाख किसानों के खातों में 700 करोड़ रुपए से अधिक भेजे गए हैं। करौली में 80 हजार से ज्यादा किसानों को पशुओं के लिए डेढ़ लाख से ज्यादा टीके मुफ्त टीके उपलब्ध करवाए हैं। राजस्थान में मोटा अनाज होता है। पहले मोटा अनाज पैदा करने वाले किसानों को कोई पूछता नहीं था। हमने दुनिया को बताया कि हमारा मोटा अनाज सुपर फूड है। आज वही मोटा अनाज श्री अन्न के रूप में जाना जा रहा है। मोदी ने कहा कि आज मैं आपको कांग्रेस का महापाप बताता हूं, जो उन्होंने राजस्थान के सम्मान और पहचान के साथ खिलवाड़ किया था। कांग्रेस ने राजस्थान में तुष्टिकरण का खेल खेला। यह वह धरती है, जो मदन मोहन जी के विग्रह के लिए बलिदान देने के लिए तैयार हो गई। उसी धरती पर कांग्रेस मंदिरों को गिराने के लिए तैयार हो गई। यहां राम मंदिर की शोभायात्रा पर पत्थरबाजी हुई। जिस धौलपुर ने भव्य राममंदिर के लिए पत्थर भेजे। उसी राम मंदिर पर कांग्रेस के लोग कैसी-कैसी भाषा बोल रहे हैं। इनकी साथी पार्टी सनातन को नष्ट करने की बात करते हैं और कांग्रेस वाले मौन खड़े रहते हैं। इस बार जब 19 तारीख को वोट देने जाएं तो बटन ऐसे दबाइए ताकि पापियों को सजा देने संतोष मिले।

नेशनल हेराल्ड ...

नामी वकील सुब्रमण्यम स्वामी ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीस, पत्रकार सुमन दुबे और टेक्नोक्रेट सैम पित्रोदा के खिलाफ मामला दर्ज कराया। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार थी। सुब्रमण्यम स्वामी ने दावा किया कि यंग इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल) ने 2000 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति और लाभ हासिल करने के लिए गलत तरीके से निष्क्रिय प्रिंट मीडिया आउटलेट की सम्पत्ति को अधिग्रहित किया।स्वामी ने यह भी आरोप लगाया कि वाईआईएल ने 90.25 करोड़ रुपए की वसूली के अधिकार हासिल करने के लिए सिर्फ 50 लाख रुपए का भुगतान किया था, जो एजेएल पर कांग्रेस पार्टी का बकाया था। यह राशि पहले अखबार शुरू करने के लिए कर्ज के रूप में दी गई थी।

भारत-म्यांमार ....

मिजोरम विधानसभा ने 28 फरवरी को भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और एफएमआर को खत्म करने के केंद्र के फैसले के विरोध में एक प्रस्ताव पारित किया था। इससे पहले, मुख्यमंत्री लालडुहोमा ने कहा था कि उनकी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने और एफएमआर को खत्म करने के विचार का कड़ा विरोध किया है, लेकिन अगर मिजोरम सरकार अपनी योजना पर आगे बढ़ती है तो केंद्र का विरोध करने का उसके पास कोई अधिकार नहीं है।

सीआरपीएफ को ....

शिकायत की प्रति रीजनल सीडब्ल्यूए, जीसी नोएडा, आईजी विजिलेंस, डीआईजी वेलफेयर और डीआईजी ग्रेटर नोएडा को भेजी है। इसमें कहा गया है कि परिवार कल्याण केंद्र पर अनाधिकृत तौर से ट्रैक सूट की बिक्री हो रही है। नियमों के अनुसार, परिवार कल्याण केंद्र को व्यापार का अधिकार नहीं है। यह तो जवानों और उनके परिवारों के कल्याण की संस्था है। आरोप है कि इसी से जुड़े कुछ लोग जवानों को ट्रैक सूट बेच रहे हैं। यह ट्रैक सूट, बल की वर्दी का पार्ट नहीं है। यह पता चला है कि ट्रैक सूट, जवानों को अधिक दामों पर जबरन बेचा गया है।शिकायत में लिखा है कि इस मामले से बल के उच्च आदर्शों को धक्का पहुंचा है। जवानों की आर्थिक सुरक्षा को चोट पहुंची है। इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाए। सीडब्ल्यूए केंद्र पर नकली ट्रैक सूट का बेचे जाना, ये बल की छवि को धक्का पहुंचाता है। ट्रैक सूट वाले पैकेट पर देश की वर्दी लिखा है। शिकायत के साथ 1600 रुपए के बिल की स्लिप लगाई गई है। इस संबंध में डीआईजी को लिखे एक अन्य पत्र में कहा गया है कि यह मामला गंभीर है। उपभोक्ता फोरम में भी इसकी शिकायत की जाएगी। प्रतिष्ठित ब्रांड के नाम पर नकली ट्रैक सूट बेचा जा रहा है।

सीबीआई ने भी...

में पेश किया जाएगा।इससे पहले सीबीआई के अधिकारियों ने एक विशेष अदालत से अनुमति लेने के बाद जेल के अंदर के कविता से पूछताछ की थी। के कविता से सह-आरोपी के फोन से बरामद व्हाट्सएप चैट और भूमि सौदे से संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की गई थी। आरोप है कि आम आदमी पार्टी (आपा) को आबकारी नीति में बदलाव के लिए रिश्वत के तौर पर 100 करोड़ रुपए दिए गए थे। बताया गया है कि इसी मामले में बीआरएस नेता से पूछताछ के लिए शनिवार को सीबीआई अधिकारी तिहाड़ जेल गए थे।ईडी ने 15 मार्च को उन्हें हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। उनकी न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। कोर्ट के समक्ष ईडी ने बताया कि बीआरएस एमएलसी के कविता पर गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप हैं।

माकपा के 80....

अघोषित बैंक खाते हैं, जिनमें करीब 25 करोड़ रुपए जमा हैं। ईडी का दावा है कि इन बैंक खातों में मिली जमा राशि अधिकतर नकदी के रूप में भेजी गई थी। ईडी ने यह भी बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी के पास त्रिशूर जिले में कार्यालय भवनों के रूप में लगभग 100 अघोषित अचल सम्पत्तियां हैं। एंजेसी ने चुनाव आयोग को बताया कि इन बैंक खातों और कार्यालयों का इस्तेमाल माकपा द्वारा राजनीतिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।प्रवर्तन निदेशालय ने आशंका जताई है कि इन चल और अचल सम्पत्तियों की जानकारी माकपा द्वारा नियमों के अनुसार निर्वाचन आयोग और आयकर विभाग को नहीं दी गई। इस बात का भी संदेह है कि पार्टी के पास राज्य के कुछ अन्य जिलों में भी ऐसी सम्पत्ति है। चुनाव आयोग ने आयकर विभाग के प्रशासनिक प्राधिकरण केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को इन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है।बीते साल नवंबर महीने में करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच के तहत कुल 55 आरोपी संस्थाओं के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दायर आरोप पत्र में अदालत को बताया था कि उसने इस मामले में अब तक लगभग 100 करोड़ रुपए की 120 से अधिक सम्पत्तियां कुर्क की हैं। त्रिशूर में केरल पुलिस की अपराध शाखा द्वारा दर्ज की गई 16 प्राथमिकियों के बाद धनशोधन के मामले ने तूल पकड़ा था।

पद्मजा कला संस्थान का रंगारंग कार्यक्रम

मंच पर सजा कथक का रंग, माटी के संग

लखनऊ बुधवार, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। पद्मजा कला संस्थान की ओर से परम्परा 2024 कथक समारोह का भव्य आयोजन गोमती नगर स्थित उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह में संस्थान में किया गया। संस्थान की सचिव अन्तरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथक नृत्यांगना एवं गुरु डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में कार्यक्रम हुआ। इसमें उनके पचास से अधिक शिष्यों नें कथक नृत्य की प्रभावी प्रस्तुतियां दे कर आगंतुकों की भूरि-भूरि प्रशंसा हासिल की। इस समारोह में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर ने दीप प्रज्वलित कर संध्या का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर संस्था की ओर से विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित और प्रतिभावान शख्सियतों को पद्मजा कला सम्मान से अलंकृत भी किया गया। सम्मान समारोह में वरिष्ठ तबला वादक उस्ताद इल्मास हुसैन खां, वरिष्ठ भरतनाट्यम के कलाकार ज्ञानेन्द्र बाजपेयी, वरिष्ठ कथक नृत्यांगना डॉ. रुचि खरे, वरिष्ठ शास्त्रीय गायिका डॉ. रश्मि चौधरी और वरिष्ठ पत्रकार आलोक पराड़कर को पद्मजा कला सम्मान से अलंकृत किया गया।

कथक परंपरा से पोषित सतरंगी और जोश से सराबोर सांस्कृति संध्या की शुरुआत तालांगी से हुई। उसमें अप्रचलित तालों की नृत्य संरचना कों सुन्दर अंग-संचालन, पद विन्यास, बोल पढ़ंत के माध्यम से दर्शकों के समक्ष पेश किया गया। इसके बोल आंगिकम भुवनम् यस्य वाचिकम् थे। यह रचना, रूपक ताल 7 मात्रा, बसंत 9 मात्रा, अष्टमंगल 11 मात्रा, धमार 14 मात्रा और तीन ताल 16 मात्रा में निबद्ध थी। इसमें डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव के साथ सिजा राय, शैली मौर्या, खुशी मौर्या, प्रीति तिवारी, आरोहिणी चौधरी, सिमरन कश्यप, सपना सिंह, श्रद्धा श्रीवास्तव, श्रेया सिंह, मोनिका सरीन, शिवानी, आराध्या दीक्षित, विकास अवस्थी, प्रखर मिश्रा, अंश रावत, अतुल मने आदित्य गुप्ता, मोहित सोनी, आयुष अग्रवाल ने मनभावन नृत्य किया।

दूसरी प्रस्तुति सितार और तबले की मधुर जुगलबन्दी रही। उसमें लखनऊ की उभरती दो युवा प्रतिभाओं कों मंच दिया गया। इसमें मास्टर संकल्प मिश्रा ने जहां सितार वादन किया वहीं तबले पर मास्टर मनन मिश्रा नें प्रभावी संगत दी। इसका मार्गदर्शन डॉ. नवीन मिश्रा और पं. विकास मिश्रा ने किया।

तीसरी प्रस्तुति तालीम की थी। इसमें चार से लेकर 25 साल तक के कलाकारों ने जय श्री राम जय श्री राम, अवधपति जय,जय श्री राम भजन पर सुंदर भावों का प्रदर्शन किया वहीं परम्परागत कथक की प्रभावी झलक भी पेश कर तालियां बटोंरी। इसमें अहाना गुप्ता, कृतिका गुप्ता, स्वरा मिश्रा, रिदम गुप्ता, देबश्मिता पाल, प्रियांशी गुप्ता, आयुषी सिंह, पाखी मिश्रा, समृद्धि श्रीवास्तव, इशानी शुक्ला, उन्नयन शुक्ला, वरूनिका गुप्ता, रचना, नीतू, आकृति श्रीवास्तव, आकृष्टी जायसवाल, अदिति बसक, मानसी मौर्या, आराध्या अग्रवाल, जान्हवी पाण्डे, निलीशा निगम ने प्रतिभाग किया। इसमें गायन और हारमोनियम का दायित्व दिनकर द्विवेदी, बांसुरी वादन का दिपेन्द्र कुंवर, तबला वादन का इलियाज हुसैन खां और अनुराग मिश्रा ने बखूबी निभाया।

चौथी प्रस्तुति कथक के रंग, माटी के संग नाम से दर्शकों के समक्ष आयी। यह मनोरम प्रस्तुति उत्तर भारत के उपशास्त्रीय गायन शैलियों पर आधारित थी। इसमें चैती, बंदिश और कजरी के गीतों के साथ कथक नृत्य को प्रयोगवादी होते हुए खूबसृरती के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए प्रस्तुत किया गया। नवरात्र के साथ ही भारतीय नया साल भी चैत्र शुक्ल पक्ष से शुरू हो जाता है। ऐसे में चैती गाने का चलन है। इस प्रस्तुति में चैती एही ठईया मोतिया हिराय गइले रामा कहवा में ढून्डू के माध्मय से कथक की परंपरा को पेश किया गया। इस क्रम में प्रस्तुत बंदिश के बोल थे पड़ी मोरे कान, भनक मुरली की तान माधुरी और कजरी के बोल थे, बरसन लागी सावन बुदिया रामा, तोरे बिन लागे न मोरा जिया। इसमें शामिल कलाकारों के नाम इस प्रकार है, अर्पणा शुक्ला, सुमति मिश्रा, मंगला श्रीवास्तव, वैष्णवी संक्सेना, प्रिशा अग्रवाल, श्रेया अग्रहरी, अनामिका यादव, पर्णिका श्रीवास्तव, रितिका, इहारा। इस समस्त कार्यक्रम की परिकल्पना और नृत्य निर्देशन संस्थान की सचिव और अन्तरराष्ट्रीय कथक नृत्यागना डॉ. आकांक्षा श्रीवास्तव ने दक्षता और सौन्दर्य के साथ किया वहीं कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र विश्वकर्मा हरिहर ने संभाला था। इस समारोह में संस्था के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, भातखंडे सम विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ. पूर्णिमा पाण्डे, वरिष्ठ कथक कलाकार डॉ. कुमकुम धर, वरिष्ठ तबला वादक डॉ. मनोज मिश्रा, वरिष्ठ तबला वादक अरूण भट्ट, वरिष्ठ कथकाचार्य पंडित राम मोहन महाराज आमंत्रित विशिष्ट कलाविद् थे।

चार सीटों पर अब तक तय नहीं हुआ भाजपा प्रत्याशी

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए 19 अप्रैल को पहले चरण की वोटिंग होनी हैं। राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में जुटे पड़े हैं और राजनीतिक दलों द्वारा प्रत्याशी भी घोषित किए जा रहे हैं। भाजपा ने यूपी की चार सीटों के लिए अभी तक अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। ये चारों सीटें भाजपा के लिए अहम हैं क्योंकि इन चार सीटों पर पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी ने भगवा लहराया था।

भाजपा ने यूपी की 80 लोकसभा सीटों में 70 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने एनडीए गठबंधन के तहत 5 सीटें यूपी के अपने छोटे सहयोगी दलों को भी दी हैं लेकिन अपने कोटे की बची चार सीटों को लेकर, पार्टी ने अभी यह नहीं बताया है कि उसके इन सीटों पर उम्मीदवार कौन होंगे।

भाजपा ने अभी जिन सीटों पर अपनी उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं, उनमें सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गोंडा की कैसरगंज सीट और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली लोकसभा सीट भी है। सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा पहुंच गई हैं इसलिए वह लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ने वाली हैं। फिलहाल रायबरेली में न तो भाजपा ने कोई उम्मीदवार उतारा है और न ही कांग्रेस की तरफ से कोई प्रत्याशी सामने आया है।

पिछले चुनाव के दौरान भाजपा ने कैसरगंज से बृजभूषण शरण सिंह को टिकट दिया था और वह बड़े अंतर से जीत कर संसद पहुंचे थे। बृजभूषण सिंह के साथ विवाद यह है कि कि वह भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष हैं और कई महिला रेसलर्स ने उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। ऐसे में भाजपा इस बार उन्हें टिकट देने से परहेज कर रही है। लेकिन अभी तक वह किसी नतीजे पर भी नहीं पहुंच पाई है। कैसरगंज लोकसभा सीट को लेकर बृजभूषण शरण सिंह अड़े हुए हैं। उन्होंने टिकट की परवाह किए बगैर चुनाव लड़ने की तैयारी भी शुरू कर दी है। भाजपा भी यह जानती है कि बृजभूषण निर्दलीय भी लड़े तो उनकी जीत होगी। इसीलिए भाजपा उहापोह में है।

रायबरेली से लंबे समय तक सांसद रहीं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि इस सीट से कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार की सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा को चुनाव मैदान में उतार सकती है लेकिन अभी तक कांग्रेस रायबरेली और अमेठी दोनों ही सीटों को लेकर कुछ भी तय नहीं कर पाई है। इसके चलते भाजपा ने भी अभी रायबरेली सीट पर अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान सोनिया गांधी अच्छे-खासे मार्जिन से सीट से जीत कर संसद पहुंची थीं। इस बार पार्टी के आंतरिक सर्वे में यह अंदेशा जताया गया था कि सोनिया गांधी इस सीट से हार भी सकती हैं, जिसके चलते उन्होंने पहले ही चुनाव लड़ने के बजाए राज्यसभा के जरिए संसद जाना सही समझा। रायबरेली सीट पर लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम के तहत पांचवें चरण में 20 मई को वोटिंग होगी।

बृजभूषण शरण सिंह की कैसरगंज लोकसभा सीट और सोनिया गांधी की रायबरेली को छोड़ भी दें, तो उसके बावजूद भाजपा ने दो अन्य सीटों पर भी अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। इससे यह सवाल खड़े होने लगे हैं कि आखिर इन सीटों पर पार्टी अपना प्रत्याशी घोषित करने में इतना वक्त क्यों लगा रही है। इन सीटों में फिरोजाबाद और देवरिया की लोकसभा सीट शामिल हैं। फिरोजाबाद सीट पर अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने रामगोपाल यादव के बेटे अक्षय यादव को प्रत्याशी बनाया है।

▪ भाजपा ने भदोही सीट से विनोद कुमार बिंद को उतारा

लखनऊ, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा ने उत्तर प्रदेश की भदोही सीट से अपने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। भदोही से डॉ. विनोद कुमार बिंद को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। बिंद अभी मिर्जापुर जिले की मझवां विधानसभा सीट से निषाद पार्टी के विधायक हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने उन्हें भदोही जिले की ज्ञानपुर सीट से अपना उम्मीदवार बनाया था। बिंद मझवां सीट से टिकट मांग रहे थे, लेकिन ज्ञानपुर से टिकट मिलने के बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी और निषाद पार्टी के टिकट पर मझवां से उम्मीदवार बन गए। चंदौली के रहने वाले बिंद को अब भाजपा ने भदोही से टिकट दिया है। बिंद पेशे से चिकित्सक हैं और उनका अपना अस्पताल भी है। भदोही में बिंद का मुकाबला टीएमसी के टिकट पर लड़ रहे ललितेशपति त्रिपाठी से होगा। ललितेश सपा-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवार हैं। सपा ने ये सीट टीएमसी को दी है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी के प्रपौत्र ललितेशपति त्रिपाठी कांग्रेस के टिकट पर मिर्जापुर की मड़िहान सीट से विधायक रह चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने भदोही से रामचंद बिंद को मैदान में उतारा था और उन्होंने सपा-बसपा के साझा प्रत्याशी रंगनाथ मिश्र को 50,000 से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया था।

मतदाता जागरूकता के साथ पक्षियों का भी कल्याण

शत प्रतिशत मतदान के लिए शुरू हुआ हर घर सकोरा अभियान

लखनऊ/गोंडा, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा के आम चुनावों को देखते हुए उत्तर प्रदेश में शत प्रतिशत मतदान के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में भीषण गर्मी की आशंका के कारण इन कार्यक्रमों को इनोवेटिव तरीके से प्रस्तुत कर मतदाताओं को गर्मी के बावजूद मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस क्रम में प्रदेश के गोंडा जनपद ने भी एक अनूठी पहल की है। इस पहल के तहत लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव को पक्षी कल्याण कार्यक्रम से जोड़ा गया है। 11 अप्रैल को राष्ट्रीय पालतू पशु दिवस के अवसर पर गोंडा जिला प्रशासन ने 'हर घर सकोरा अभियान'की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पूरे शहर में ऐसे मिट्टी के सकोरे स्थापित किए जा रहे हैं जिन पर मतदाता जागरूकता से संबंधित स्लोगन्स लिखे गए हैं। सकोरा पर लिखे ये स्लोगन्स न सिर्फ मतदाताओं को लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व पर अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे, बल्कि पक्षियों की प्यास और भूख मिटाकर उन्हें तर-ोताजा रखने में भी सहायक होंगे। जिला प्रशासन की ओर से अधिक से अधिक संख्या में सकोरा को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित कर पक्षियों के साथ ही मतदाताओं को आकर्षित किए जाने का प्रयास हो रहा है। उल्लेखनीय है कि गोंडा जनपद में लोकसभा चुनाव पांचवें चरण यानी 20 मई को होना है। गोंडा में 25.30 लाख पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 13.50 लाख पुरुष, 11.82 लाख महिलाएं और 94 ट्रांसजेंडर हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में, इस चुनाव क्षेत्र में 52.2 प्रतिशत मतदान रहा था, जो कि राज्य औसत 59.21 प्रतिशत से कम था। इसी क्रम में आगामी 2024 आम चुनावों में भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रयास जारी हैं।

जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में, मतदाता जागरूकता संदेशों से सजे पारंपरिक मिट्टी के पॉट (सकोरा) पेड़ों पर लगाए जा रहे हैं। ये सकोरा गौरैया, तोते, कोयल, मुनिया और अन्य पक्षियों को आकर्षित करेंगे और उनकी भूख और प्यास को मिटाएंगे। सकोरा मिट्टी का एक बर्तन है जिसमें पक्षियों के लिए पानी और दाने होंगे, ताकि गर्मी के दौरान उनकी भूख और प्यास को बुझाया जा सके। इस पर लिखे स्लोगन्स मतदाताओं को भी उनकी जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करेंगे। यह पहल गोंडा में मतदाता जागरूकता के इतिहास में एक यादगार अध्याय लिखेगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को निर्वाचन आयोग के सिस्टमेटिक वोटर एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (स्वीप) कार्यक्रम से जोड़ा गया है। साथ ही इस पहल के माध्यम से मिट्टी के खिलौने बनाने वाले कुम्हारों और स्थानीय कलाकारों के प्रयासों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अलीगढ़ में ईद की नमाज में लहराए गए फिलिस्तीन झंडे

रोक के बाद भी लोगों ने सड़क घेर कर पढ़ी नमाज

अलीगढ़, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल हमास युद्ध को चलते हुए 5 माह से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन भारत में मुस्लिम समुदाय फिलिस्तीन का समर्थन करता रहता है। इसी क्रम में गुरुवार को ईद के मौके पर एक बार फिर से मुस्लिमों ने फ्री फिलिस्तीन के झंडे लहराए। मुस्लिमों ने ईद उल फितर की नमाज के बाद फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन भी किया।

यह घटना शहर के शाहजमल दरगाह के पास हुई, जहां कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह की नमाज पढ़ी गई। लेकिन नमाज के बाद कुछ मुस्लिमों ने सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश की और फिलिस्तीन के समर्थन में बैनर लहराते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। तुरंत हरकत में आए प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को अपनी हिरासत में ले लिया, जिसका स्थानीय मुस्लिमों ने कड़ा विरोध किया। विरोध के सामने प्रशासन ने घुटने टेक दिए और चेतावनी की औपचारिकता निभा कर बदमाशों को छोड़ दिया। सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर नमाज पढ़ने पर प्रशासन ने रोक के बावजूद अलीगढ़ में लोगों ने सड़क पर ही नमाज पढ़ी। ये सभी नमाजी शाहजमल ईदगाह जा रहे थे, लेकिन फिर रास्ते में बीच सड़क पर ही नमाज अदा करने बैठ गए। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर 2023 के हमास के हमले के बाद जब इजराइली सेना ने जबर्दस्त पलटवार किया था तो भारत में लोगों ने फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन किए थे। फिलिस्तीन के समर्थन में पहली आवाज अलीगढ़ स्थित एएमयू से उठी थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ट्रांसजेंडर बनकर पैसे वसूलने के आरोप में दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

टास्क फोर्स (उत्तर) टीम ने गुरुवार को लोथकुंटा और त्रिमुलघेरी में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के रूप में प्रतिरूपण करने और पैदल यात्रियों और दुकानदारों से कथित तौर पर पैसे वसूलने के आरोप में एक किशोर लड़के सहित दो क्रॉस-ड्रेसर को गिरफ्तार किया। उनके पास से 3,490 रुपए नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में स्वप्ना कुमारी उर्फ सपना गरुड़ उर्फ संजय (37), जीडीमेटला से जो महाराष्ट्र का मूल निवासी और मेडचल के भारतनगर से एक 17

वर्षीय लड़का जो पश्चिम बंगाल का मूल निवासी है।

टास्क फोर्स के अधिकारियों के अनुसार, दोनों ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के रूप में कपड़े पहने और ट्रैफिक सिग्नल और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर दुकानदारों, मोटर चालकों और पैदल चलने वालों से जबरन वसूली की। उन्होंने लोगों को पैसे देने के लिए धमकाया, दुर्व्यवहार किया और सार्वजनिक उपद्रव का सहारा लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे सड़कों पर लोगों को परेशान करने वाले ऐसे क्रॉस-ड्रेसर देखते हैं तो डायल-100 की सुविधा लें और शिकायत करें।

महिला से बलात्कार और धोखाधड़ी में युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काचीगुडा पुलिस ने शादी का वादा करके एक महिला को धोखा देने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया। काचीगुडा के सत्यनगर निवासी अखिल (30), जो एक निजी कंपनी में काम करता है, ने एक साल पहले एक फार्मा कंपनी में काम करने वाली गोलनाका की 29 वर्षीय महिला से दोस्ती की। उसने उससे शादी करने का वादा किया और कथित तौर पर कई बार उसके साथ बलात्कार किया।

हाल ही में जब महिला ने उससे अपनी शादी के बारे में पूछा तो अखिल उससे बचने लगा और बात को टालता रहा। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया और अखिल को गिरफ्तार कर लिया। उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। महिला को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल और तत्पश्चात मनोवैज्ञानिक सहायता के लिए भरोसा सेंटर भेजा गया।

गौरक्षकों और पुलिस ने 15 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर हैदराबाद लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना एवं गोरक्षा दल टाइगर फोर्स, ध्यान फाऊंडेशन हिंदूतख्त के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी भी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। गुरुवार को एक गाड़ी में भरी कुल 15 गायों को इब्राहिमपटनम पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया। गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। इब्राहिमपटनम पुलिस ने 15 गोवंश को बचाकर गायों को जीवन दान दिया है। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में सुरक्षित छोड़ा गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौ रक्षा के इस महा अभियान में गोरक्षादल तेलंगाना के अध्यक्ष कालू सिंह, गौ रक्षा दल टाइगर फोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह, बजरंग दल के ऊपल जिला कन्वीनर सुनील नायक, गौज्ञान फाऊंडेशन नितेश विजय वर्गीय, युग तुलसी फाउंडेशन के के शिव कुमार, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौ रक्षा दल तेलंगाना जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, गौ रक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, जे आर पवन, सुमन, सुनील नायक, सुमित, साईं, मुनेश, सिद्धू, निकिता, छोटू, चिंटू, लोकेश, मोहन, केदार सिंह, बजेश, विधान, गौतम, सतीश सिंह, प्रणीत, कोटी मयूरेश, सोनू सिंह, विद्याला सहित अन्य गौ क्षक मौजूद थे

रेवंत रेड्डी ने राहुल और प्रियंका गांधी को धोखा दिया : हरीश

सिद्दीपेट, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान घोषणा की थी कि कांग्रेस सरकार राज्य में बेरोजगार युवाओं के लिए वित्तीय सहायता देगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित अपनी पार्टी के शीर्ष नेताओं को धोखा दिया है क्योंकि उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान उनसे वादे किए थे लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं कर सके। गुरुवार को मेदक लोकसभा क्षेत्र के चिन्ना कोदुर में पार्टी कैडर को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने

कहा कि प्रियंका गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान घोषणा की थी कि कांग्रेस सरकार राज्य में बेरोजगार युवाओं के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाएगी। हालांकि सत्ता में आने के चार महीने बाद भी रेवंत रेड्डी अपना वादा पूरा नहीं कर सके। कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर राज्य विधानसभा में छह गारंटियों पर कानून बनाने की कसम खाई थी, लेकिन 120 दिनों के बाद भी कुछ नहीं किया। हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सिद्दीपेट में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा दिए गए पशु चिकित्सा कॉलेज को कोडंगल में स्थानांतरित करने की कोशिश कर रहे हैं इसके अलावा पिछली सरकार द्वारा निर्वाचन क्षेत्र को दिए गए 150 करोड़ रुपये के फंड को रद्द कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुब्बाक के लोगों ने भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन राव को सबक सिखाया था क्योंकि वह दुब्बाक उपचुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे।

मां वैष्णो देवी मठ का विशाल जागरण कल

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मां वैष्णो देवी मठ जागरण मंडल हैदराबाद कोर कमेटी के सदस्य अंजनी कुमार अग्रवाल, राकेश नरसिंग पुरिया, संजय अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, राम किशन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, पुरूषोत्तम अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राकेश जालान, प्रवीण नविंदर, सूर्यकमल गुप्ता, अंजन सरावगी ने घोषणा की कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मां वैष्णो देवी मठ जागरण मंडल हैदराबाद द्वारा 13 अप्रैल को गोशामहल पुलिस मैदान में 21वें मां वैष्णो देवी मठ विशाल जागरण का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को हैदराबाद के गोशामहल पुलिस मैदान में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। जागरण भूमि पूजन और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा कि प्राचीन परंपराओं के संरक्षण के तहत प्रेम, करुणा, भक्ति और धर्म जैसे मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए पिछले 20 वर्षों से हैदराबाद में बड़े पैमाने पर मां वैष्णो देवी मठ विशाल जागरण का आयोजन किया जा रहा है। 13 अप्रैल को शाम सात बजे जम्मू में हमारे वैष्णो देवी माता मंदिर में ब्रह्महीन अमीर चंद जी पुजारी के आशीर्वाद से वर्तमान मुख्य पुजारी लोकेश जी पुजारी मां वैष्णो देवी मठ का उद्घाटन करने के लिए विशेष पूजा करेंगे। माता का जागरण मुख्य रूप से एक भक्ति कार्यक्रम है जहां राजस्थान के प्रसिद्ध भक्ति गायक प्रकाश माली, दिल्ली से करिश्मा शर्मा और मीनाक्षी शर्मा, हैदराबाद से मुरारी दाहिमा आदि पूजा के भाग के रूप में भजन और भक्ति गीत गाएंगे। उन्होंने कहा कि लगभग 20,000 भक्तों के शामिल होने की उम्मीद है। जागरण में नि:शुल्क प्रवेश, जलपान और रात्रिभोज की व्यवस्था है। जम्मू में मां वैष्णो देवी माता मंदिर से लाए गए प्रसाद और खजाना (खजाना सिक्के) जागरण में शामिल होने वाले भक्तों को नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्य विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद राव, विधायक राजा सिंह, तलसानी श्रीनिवास यादव, टी. पद्मा राव गौड़, मयनामपल्ली रोहित, भाजपा हैदराबाद संसदीय क्षेत्र की उम्मीदवार माधवी लता और अन्य उपस्थित रहेंगे और देवी का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। माता का जागरण समुदाय में उत्सव के माहौल में योगदान देगा। उन्होंने सभी भक्तों से इस शुभ अवसर का लाभ उठाने और इस मां वैष्णो देवी माता जागरण में हजारों की संख्या में भाग लेने की अपील की, क्योंकि आनंदमय भजन, भक्ति गीत, रंगीन सजावट और सामूहिक उत्सव आपको भक्तिमय आनंद से भर देंगे।

बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर गुरुवार को हैदराबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग बिल्डिंग के विश्वेश्वरैया भवन में आयोजित राज्य स्तरीय महात्मा ज्योतिबा फुले के जयंती उत्सव में शामिल हुए।

स्नेहा सुगंध क्लब की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्नेह सुगंध महिला क्लब की अप्रैल माह की मासिक बैठक संपन्न हुई। प्रभा दूगड़ ने बताया कि स्नेह सुगंध महिला क्लब ने इस महीने के कार्यक्रम में सनफ्लावर ग्रुप की अंजू बाफना, दिखाई। मार्च और अप्रैल महीने में होने वाले जन्मदिन और सालगिरह की सबको चॉकलेट के साथ बधाईयां दीं। लगभग 25 मेंबर्स ने लजीज खाने एवं डेजर्ट का आनंद उठाते हुए खूब एंजॉय किया। अंत में ग्रुप के मेंबर अंजू बाफना ने सभी का धन्यवाद

मंजू टिंबरेवाल, रंजना मोदी, कविता केडिया, श्यामा बागड़ी तथा प्रतिभा अग्रवाल ने पी-वीआर गैलरिया मॉल में फिल्म क्रू ज्ञापन किया एवं सभी से अनुरोध किया कि क्लब की मीटिंग में सभी बहनें उपस्थित रहने का प्रयास करें।

राजस्थानी सखियां मंडल वारिसगुडा का गणगौर कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी सखियां मण्डल वारिसगुडा सीताफलमंडी द्वारा होटल मोक्ष में गणगौर कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजिका मोना सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम गौरा-ईसरजी का स्वागत सुनीता सोलंकी-सुनीता राठौड़ के नेतृत्व सभी सखियों ने किया। सभी सखियां पारंपरिक राजस्थानी वेषभूषा में उपस्थित थी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं द्वारा राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किए गये। जिसमें अलका सोलीवाल, वन्दना शर्मा, रिया चौहान, बबीता शर्मा, सोनिया, कामना मखाना, सरोज सोलिया, पूजा भाटी, प्रेमा परिहार, अनीता, पपीता भाटी, वीणा परिहार, मंजू चौधरी, यशोदा राठौड़ और सुशीला ने पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति दी। प्रीति चण्डक ने तम्बोला का कार्यक्रम रखा जिसमे सभी सखियों ने सहभागी होकर आनंद और पुरस्कार प्राप्त किये। कार्यक्रम में कमल सोमानी, प्रीति फ़ोफ़लिया, ज्योती चौहान, दुर्गा चौधरी, किरण चौधरी, गायत्री छिपा, सुशीला सोलंकी, उषा भाटी, सीता देवी सोलीवाल, सुशीला फूलडालिया सहित अन्य कई राजस्थानी महिलाएं उपस्थित थी। मोना सोलंकी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्रीरामकथा कार्यालय का उद्घाटन, तैयारियां जोरों पर

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नामपल्ली स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में आगामी 22 से 30 अप्रैल तक होने वाली भव्य श्रीरामकथा को लेकर नगर में तगड़ा उत्साह देखा जा रहा है। श्रीरामकथा के सफल आयोजन को लेकर आयोजन समिति लगातार तैयारियों में जुटी है। इसी कड़ी में आगापुरा स्थित जैमेक्स यूपीवीसी के कार्यालय परिसर में श्रीरामकथा के कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस कार्यालय के जरिये अब नगरभर में प्रचार प्रसार और व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से अंजाम दिया जा सकेगा।

श्रीरामकथा सेवा समिति के संयोजक मंडल ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्जना के साथ कार्यालय की शुरूआत की। इस मौके पर बोलते हुए श्रीरामकथा सेवा समिति के संयोजक तुलसीराम बंसल ने कहा कि भगवान राम को लेकर देशभर में एक बड़ा ही भक्ति का माहौल बना हुआ है और अब भाग्यनगर में भी भगवान के प्रसंगों को सुनने और करीब से जानने के लिये जनमानस में तगड़ा उत्साह है। हैदराबाद में यह कथा

अपने आप में ऐतिहासिक होने वाली है क्योंकि प्रशासन और सरकार भी बहुत सकारात्मक रुख अपना रही है। साथ ही इस कथा में पारंपरिक तरीकों के साथ ही अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी शामिल है। जिनसे पहली बार भक्त किसी कथा में रूबरू होंगे। एग्जीबिशन ग्राउंड में होने वाली कथा में भगवान राम के दरबार के साथ साथ गौमाता के दर्शन आशीर्वाद की नायाब व्यवस्था रखी गई है। कथा के प्रचार प्रसार के लिये नगर के विभिन्न इलाके पोस्टर, बैनर और होर्डिंग्स से पटने लगे हैं।कार्यालय उद्घाटन के अवसर पर आयोजक समिति के अर्जुन कुमार गोयल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, विमल अग्रवाल, सुशील पौद्दार, विक्की भट्टड़, मोहित भट्टड़, गोपाल मेहता, रमेश असावा, मुकेश अग्रवाल भवानी कैटरर्स और केसर अग्रवाल मौजूद रहे। सभी ने नगर भगर के भक्तों से इस रामकथा में बढ़चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया।

डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क को कथा में किया आमंत्रित

इसी कड़ी में तेलंगाना सरकार में डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क और उनकी पत्नी नंदिनी मल्लू को रामकथा में आमंत्रित किया गया। इस मौके पर श्रीरामकथा सेवा समिति के संयोजक तुलसीराम बंसल, श्री गोपाल गौशाला के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल, श्री गोपाल गौशाला के ज्वाइंट मैनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन कुमार गोयल, श्री गोपाल गौशाला कोषाध्यक्ष बिनोद गर्ग, लव फॉर काउ फाउंडेशन के फाउंडर जसमत भाई पटेल और गुजराती समाज के संजय भाई पोपट मौजूद रहे। इस मौके पर डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने राजस्थानी और गुजराती समाज के सेवा कार्यओं और धार्मिक आयोजनों की जमकर तारीफ की और कहा कि वो भी रामकथा में जरूर पहुंचेंगे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेलंगाना में लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी तेलुगू देशम पार्टी

हैदराबाद, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव होने में कुछ ही दिन बचे हैं। सभी राजनीतिक दल बढ़चढ़कर तैयारियों में लगे हुए हैं। अदला-बदली और समर्थन का खेल जारी है। इस बीच जानकारी सामने आई है कि तेलंगाना में तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लिया है। टीडीपी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि फिलहाल पार्टी ने यह तय नहीं किया है कि राज्य में किसे समर्थन देना है। बता दें, पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में टीडीपी एनडीए का हिस्सा है।

टीडीपी प्रवक्ता ज्योत्सना तिरुनगरी ने कहा कि टीडीपी जून या जुलाई में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक पारी फिर से शुरू करेगी। उन्होंने कहा, हालांकि हम एनडीए का हिस्सा हैं, लेकिन हम तेलंगाना में लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। तेलंगाना में आगामी चुनावों में किसे समर्थन देना है, इसका फैसला पार्टी का वरिष्ठ नेतृत्व करेगा। अभी तक इस बारे में कोई निर्देश नहीं दिया गया है।

पिछले कुछ सालों से तेलुगू देशम पार्टी खराब दौर से गुजर रही है। टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू को आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद पार्टी की हालत ज्यादा खराब हो गई। नायडू की गिरफ्तारी के बाद पार्टी ने पिछले साल 30 नवंबर को तेलंगाना में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया।

इसके बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कसनाई ज्ञानेश्वर ने टीडीपी का साथ छोड़ दिया और चुनाव से पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए।

तब से, तेलंगाना में पार्टी नेतृत्वहीन हो गई है। कई नेता और कार्यकर्ता इस्तीफा दे चुके हैं।

तेलंगाना में 2018 के विधानसभा चुनावों में दो सीटें जीतने वाली टीडीपी को 3.51 प्रतिशत वोट मिले थे। तब उसने कांग्रेस और भाकपा के साथ समझौता किया था। चूंकि टीडीपी ने पिछले साल चुनाव नहीं लड़ा था, इसलिए अन्य दलों ने उसके नेताओं को लुभाया और विधानसभा चुनावों में अपना वोट डाला। एक सवाल के जवाब में तिरुनगरी ने कहा कि इस बारे में कोई आधिकारिक निर्देश नहीं दिया गया था कि तेलंगाना में पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में किसका समर्थन करना है। समर्थन का विकल्प स्थानीय नेतृत्व पर छोड़ दिया गया था और उन्होंने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिए थे। टीडीपी नेता का कहना है, पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष की नियुक्ति महानाडु (पार्टी के वार्षिक सम्मेलन) में तय की जाएगी।

बीआरएस ने चुनाव आयोग से की भाजपा और सीएम रेवंत की शिकायत

चुनाव प्रचार के लिए तत्काल प्रतिबंधित करने की मांग की

हैदराबाद, 11 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनावों से पहले देशभर में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू है। राजनीतिक दल आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं। ताजा घटनाक्रम तेलंगाना से सामने आया है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने चुनाव आयोग से मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और भाजपा की तेलंगाना ईकाई के खिलाफ आचार संहिता के कथित उल्लंघन की शिकायत की है। बीआरएस ने चुनाव आयोग से रेवंत रेड्डी को संसदीय चुनावों के लिए प्रचार करने से तुरंत प्रतिबंधित करने की मांग की है। बीआरएस ने एमसीसी के कथित उल्लंघन के लिए सीएम रेड्डी के साथ-साथ कांग्रेस के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया है।

बीआरएस ने एमसीसी उल्लंघन के संबंध में आयोग को अलग-अलग शिकायतें दी हैं।

निर्वाचन आयोग को भेजी गई बीआरएस की शिकायत के मुताबिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म-एक्स का इस्तेमाल कर भाजपा के चुनाव प्रचार को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित करने की अपील की गई है। बीआरएस ने भाजपा पर पार्टी के प्रमुख नेताओं के चेहरों को कथित रूप से छेड़छाड़ कर विरूपित करने का आरोप भी लगाया। पार्टी ने इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की भी मांग की।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साइबराबाद पुलिस ने चार सट्टेबाजों की गिरफ्तारी के साथ ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आरोपी व्यक्तियों के कब्जे से 40 लाख रुपये भी जब्त किए, साथ ही 3.57 लाख रुपये के पांच बैंक खाते भी फ्रीज कर दिए।

एक विश्वसनीय गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए माधापुर और मियापुर पुलिस की विशेष अभियान टीम (एसओटी) ने संयुक्त रूप से मियापुर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत मातृश्री नगर के एक अपार्टमेंट से सट्टेबाजों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आलुरु त्रिनाद, मनम राजेश, बोले स्वामी और मार्पेन्ना गणपति राव के रूप में की गई है, जिन्होंने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैचों पर क्रिकेट लाइव गुरु और लकी ऑनलाइन ऐप के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन किया था।

पुलिस जांच में पता चला कि लंदन में रहने वाला शाकामुरी वेंकटेश्वर राव उर्फ चिन्नू नाम का व्यक्ति, जो आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का मूल निवासी है, ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन कर रहा था। गिरफ्तार किए गए चारों व्यक्ति, सभी आंध्र प्रदेश के, उसकी ओर से सट्टेबाजों के रूप में काम करते थे। माधापुर जोन के डीसीपी जी विनीत ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे 100 नंबर डायल करके या व्हाट्सएप नंबर 9490617444 के माध्यम से ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी का आयोजन करने वाले सट्टेबाजों और पंटर्स के बारे में पुलिस को सूचित करें।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई महर्षि गौतम जयंती

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा हैदराबाद एवं श्री महर्षि गौतम आश्रम गुर्जर गौड़ ब्राह्मण ट्रस्ट रामबाग अत्तापुर

के संयुक्त तत्वावधान में महर्षि गौतम जयंती का आयोजन उगादि गुड़ी पड़वा नववर्ष गौतम आश्रम भवन रामबाग में धूमधाम से समाज बंधुओ के सानिध्य में संपन्न हुआ। जिसमें सर्वप्रथम मां गायत्री एवं महर्षि गौतम मंदिर में पूजा अर्चना आरती वाराणसी से पधारे पंडित जी के सानिध्य में संपन्न हुई। मंच का संचालन करते हुए सभा के पूर्व अध्यक्ष ट्रस्टी जुगल किशोर उपाध्याय द्वारा पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश जोशी एवं मैनेजिंग ट्रस्टी श्रवण कुमार व्यास, वर्तमान अध्यक्ष संजय कुमार पंचारिया, मैनेजिंग ट्रस्टी धर्मेंद्र जोशी एवं कोषाध्यक्ष चांद्रतन उपाध्याय को मंचासन करवाया गया।

पूर्व पदाधिकारयों द्वारा वर्तमान नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो सहित संपूर्ण कार्य समिति का शाल माला द्वारा स्वागत किया गया। जिसमें ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश दुबे, उपाध्यक्ष पंडित काशीराम शर्मा, उप मंत्री ओम प्रकाश जोशी, कोषाध्यक्ष पवन कुमार जोशी व समिति सदस्य गोपाल शास्त्री, पुरुषोत्तम उपाध्याय, विजय कुमार व्यास, गिरिराज शर्मा, नरेश दुबे, विजय कुमार जोशी एवं सभा के सदस्य रमेश उपाध्याय, नरसिंहदास उपाध्याय, ललितजी शर्मा, कौशल रोहिवाल, ओम प्रकाश डीडवानिया, वेणुगोपाल चौबे, राजेश व्यास का स्वागत सत्यनारायण रोहिवाल, श्रीकिशन पंचारिया, बाबूलाल जोशी, विनोद त्रिवेदी, अरविंद नारायणीय, अनंत प्रकाश सिवाल, गिरधारी लाल चौबिया, लक्ष्मी नारायण जोशी, नवीन जोशी, दीपक जोशी, अमोलक जोशी, केदार बंड़ेला, श्रीकांत जोशी इसके साथ ही सभा के पूर्व सम्मानित सदस्य स्वर्गीय गोकुलचंद जोशी के पुत्र गोपी किशन साईं राम जोशी द्वारा वर्तमान एवं पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश जोशी एवं संजय पंचारिया का शाल माला साफा स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया।

तत्पश्चात सभा के खुला मंच सत्र के अंतर्गत विचार गोष्ठी प्रारंभ हुई जिसमें वर्तमान परिदृश्य पर उपरोक्त नामांकित सदस्यों के साथ चर्चा प्रारंभ हुई जिसमें भविष्य में आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। सभा के एकमात्र समान्नित सदस्य रामलाल जोशी ने परिचर्चा के निर्णय को सभा पटल पर रखते हुए घोषणाकी की श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा हैदराबाद सिकंदराबाद (रजिस्टर्ड) के आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में श्रवण कुमार व्यास प्रधानमंत्री, शिवप्रसाद चौबे कोषाध्यक्ष, विजय कुमार व्यास को सर्व समिति से घोषित किया गया, देवेंदर सिंवाल, अमरनाथ रोहिवाल उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ तीनों पदाधिकारी का शाल-माला द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर महिलाओं एवं नवयुवकों की उपस्थिति हमेशा से अधिक रही। ट्रस्ट के मंत्री द्वारा उपस्थित सदस्यों का आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया गया। अंत में सभी ने महर्षि गौतम जी की प्रसादी सह भोज का आनंद लिया। इस अवसर पर राजस्थान जयपुर से पधारे इंजीनियर विनोद शर्मा का मंच पर स्वागत किया गया।

श्री कच्छी मित्र मंडल द्वारा रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में नूतन दिपक गेस्ट हाउस उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित मैनेजिंग ट्रस्टी नीतीन धरोड, अध्यक्ष सुशील कापडिया, मंत्री पंकज सावला, हेमांग मोमाया, प्रदीप संघवी, केशव छेडा, शांतिलाल मामणीया, प्रताप जाडेजा, लहेरचंद लोडाया, मनोज नागडा, पराग मारू, दिनेश गोसर, रिद्धीश जागीरदार, निलेश छेडा, राजीव मामणिया एवं अन्य।

गर्मी की तीव्रता को देखते हुए काचीगुडा स्थित श्री गुजराती प्रगति समाज संचालित पटेल घनश्याम भवन द्वारा जनता के लिए शीतल पेयजल का प्रारंभ किया गया। अवसर पर उपस्थित संचालक दिनेश गोसर, गोपाल भंडारी, रिद्धिश जागीरदार एवं अन्य।

गणगौर पूजन अन्नपूर्णा झंवर बोइनपल्ली सिकन्दराबाद के निवास स्थान पर किया गया। जिसमें उपस्थित अनुराधा झंवर, मीना, अर्चना सांवल, शोभा पुरोहित, शिल्पा, रंगा-किर्ति-स्नेहा तोषनीवाल, संगीता विजयवर्गीय- मंजू मर्दा आदि।

गणगौर पूजा उत्सव में रानी, नीलम, अनसूया, स्नेहा, उर्मिला, सुमन, वंदना, प्रीति, शीतल ज्योति एवं अन्य महिलाएं अपने निवास स्थान बसंत कॉम्प्लेक्स काचीगुडा में पूजा करते हुए।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने मिरालाम ईदगाह में रमज़ान की नमाज़ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और सभी मुस्लिम भाइयों को रमज़ान के अवसर पर बधाई दी। इस मौके पर विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी एलएंडओ, वी. सत्यनारायण, संयुक्त सीपी मुख्यालय और साई चैतन्य डीसीपी साउथ जोन और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अग्रवाल समाज के मैरेज डेटा कमेटी के चेयरमेन मुकुंद लाल अग्रवाल के निवास पर परिवार के सदस्य गणगौर की पूजा करते हुए। इस अवसर पर संतोष अग्रवाल, मीनू अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, तन्वी अग्रवाल, ख़ुशी अग्रवाल, सुमिरन अग्रवाल, यशा अग्रवाल आदि।

आर्य समाज ईसामिया बाज़ार में रामायण कथा का आयोजन आज से

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्य समाज ईसामिया बाज़ार में रामायण कथा का आयोजन किया गया है। आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती समारोह के राष्ट्रीय सदस्य डॉ. धर्मतेजा ने बताया है कि 12 अप्रैल से 17 अप्रैल तक प्रतिदिन सबेरे शाम रामायण कथा का आयोजन किया गया है। 17 अप्रैल को राम नवमी पर्व के दिन बृहद यज्ञ एवं भव्य शोभा यात्रा का आयोजन भी किया गया है। इस अवसर पर हरियाणा की प्रसिद्ध क्रान्तिकारी भजनोपदेशिका, रामायण की कथावाचिका बहन अंजली आर्या उपस्थित होंगी। इस आध्यात्मिक समारोह में नगर द्वय के इष्ट मित्र बन्धु-बान्धव परिवार के साथ अधिक संख्या में उपस्थित होकर लाभान्वित हो।

ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 11 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजेंद्र नगर में गुरुवार को समाज सुधारक, समाजसेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रांतिकारी कार्यकर्ता ज्योतिबा राव फुले की जयंती मनाई गई।

उनकी प्रतिमा पर क्षेत्र के अनेक नेताओं प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया।

इस मौके पर राजेंद्र नगर विधायक टी प्रकाश गौड, राजेंद्र नगर इंस्पेक्टर नागेंद्र बाबू, एसआई रवि किरण, बालू सुब्रमण्यम, शेखर, श्रीनू, चारी, रघु सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

गांधी भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष कुमार राव, टीपीसीसी सचिव मणिलाल शाह, श्रीनिवास रेड्डी, प्रशांत, सचिव महिला कांग्रेस सुरेखा, श्री लक्ष्मी, सेवादल खम्मम राजेंद्र और श्रीनु इस अवसर पर उपस्थित थे।

मोदी ने की लू से निपटने की तैयारियों की समीक्षा

नई दिल्ली 11 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को यहां एक बैठक में गर्मी के मौसम में लू से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की।

श्री मोदी को बैठक में अप्रैल से जून तक की गर्मी के मौसम के पूर्वानुमान और तापमान के बारे में जानकारी दी गई। यह बताया गया कि देश के अधिकांश हिस्सों में तापमान के सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है।

बैठक में इस मौसम में जरूरी दवाओं, तरल पदार्थ, आइस पैक, ओआरएस और पीने के पानी के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र में की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई। लोगों को जागरूक करने के लिए टेलीविजन, रेडियो और सोशल मीडिया जैसे सभी प्लेटफार्मों के माध्यम से विशेष रूप से क्षेत्रीय भाषाओं में आवश्यक जागरूकता सामग्री के समय पर प्रसार पर जोर दिया गया। इस बार सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने की उम्मीद है और इसी समय आम चुनाव भी हो रहे हैं इसलिए यह महसूस किया गया कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी की गई सलाह का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जाए और इन्हें व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर सरकार के सभी अंगों और विभिन्न मंत्रालयों को इस दिशा में तालमेल के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने अस्पतालों में पर्याप्त तैयारी के साथ-साथ जागरूकता पर भी जोर दिया। उन्होंने गर्मी के मौसम में जंगलों में लगने वाली आग का जल्दी पता लगाने और उसे बुझाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। बैठक में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, गृह सचिव, मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री उमिया माता मंदिर मेडचल के प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु गुजरात के उमिया माता धाम उंझा से आई अखंड ज्योत के स्वागत में श्री कच्छ कडवा पाटीदार समाज हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा भव्य शोभायात्रा एवं बहनों द्वारा मंगल कलशों द्वारा मूसापेट में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जसमत पटेल, रिद्धिश जागीरदार, घनश्याम के पटेल, मुकेश चौहान, समाज के अध्यक्ष कांतिलाल पटेल, मंत्री हंसराज पटेल एवं बडी संख्या में समाज एवं गुजराती भाई बहन।

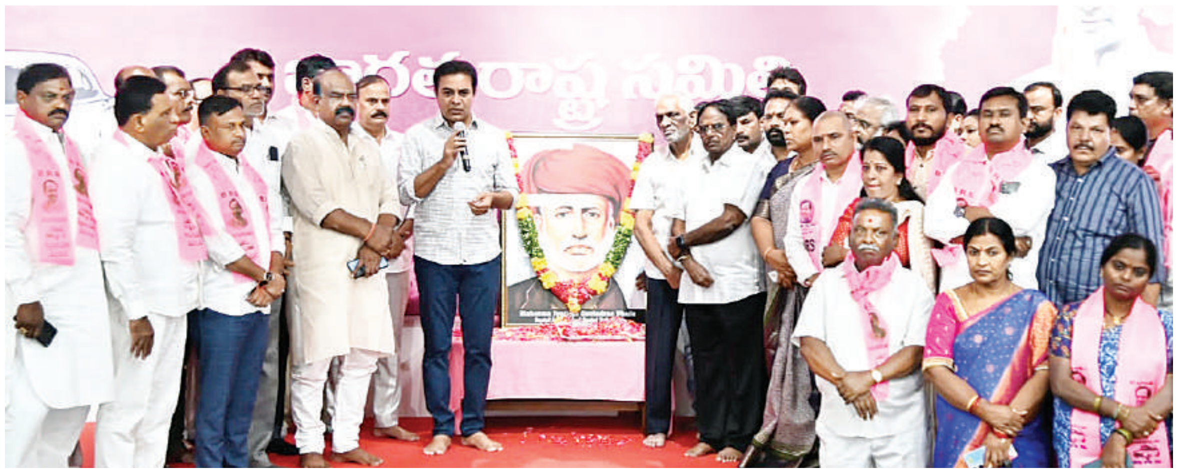

टीआरएस नेता केटी रामाराव ने गुरुवार को ज्योतिबाफुले जयंती के अवसर पर अंबरपेट हाली कैफे में ज्योतिबाफुले के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

बिहार में राजद का नहीं खुलेगा खाता : शाहनवाज़

नई दिल्ली 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन ने आज कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का खाता नही खुलेगा जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बिहार में 40 और देश में 400 सीट मिलेगी।

श्री हुसैन ने ईद के मौके पर अपने निवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में मीडिया के प्रतिनिधियों से बातचीत में यह बात कही और देश वासियों को ईद उल फितर की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राजद के नेताओं द्वारा केंद्र में सत्ता में आने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी और भाजपा के नेताओं को गिरफ्तार करने की धमकी पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर कहा कि राजद के नेताओं को अपनी फ़िक्र करनी चाहिए। पिछली बार राजद को ज़ीरो सीटें मिली थीं और उनके गठबंधन को एक सीट मिली थी।

भाजपा नेता ने कहा कि इस बार भी राजद को ज़ीरो ही मिलेगा। पिछली बार की तरह इस बार किशनगंज की सीट भी नहीं मिलेगी। चार जून को बिहार में 40 और देश में 400 सीटें राजग को मिलेंगी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पुनः प्रधानमंत्री बनेंगे। यह तय है। उन्होंने कहा कि जब श्री मोदी सरकार बनाएंगे तो कार्रवाई ज़ीरो सीट वाले कैसे करेंगे। श्री मोदी पर बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर बात नहीं करने के आरोपों पर श्री हुसैन ने कहा कि हम हर विषय पर बात करते हैं। देश के प्रधानमंत्री आखिर ज़ीरो सीट वाली पार्टी को कितनी तवज्जो देंगे। ज़ीरो सीट वाली श्री मोदी को धमकी दे रही है। उन्हें सवाल पूछने से पहले उन बहुत सारे सवालों के जवाब देने हैं जो अर्से से पूछे जा रहे हैं।

नववर्ष के अवसर पर मैनेपल्ली हिल्स मे स्वर्ण गिरी मंदिर मे पूजा अर्चना और पंचांग श्रवण ओनर रामा राव द्वारा लाखों भक्तों को श्रवण कराया गया और श्रवण स्वामी जी मुख्य पुजारी, मनापाली परिवार, स्वामीजी ने गोरोटी सेवा कराकर गो पूजा भी किया। हनुमान मंदिर बोवेनपाली मे पूजा-अर्चना के लिए उपस्थित प्रवीण आचार्य, कंदूरी नरेंद्र चार्य, स्वर्ण गिरी मंदिर दर्शन चित्र अच्युत रामानूजाचार्य।

भाजपा खरा सोना है: राजनाथ

सतना, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जो कहती है उसे पूरा करती है। श्री सिंह सतना जिले के नागौद विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा खरा सोना है। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है उसे पूरा करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कथनी और करनी में अंतर नही है। उन्होंने कहा कि भारत का विश्व में नाम हुआ भारत जब बोलता है तो विश्व के सभी देश कान खोलकर सुनते है।

श्री सिंह के समक्ष आज कई दलों के नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वालों में पूर्व अध्यक्ष केंद्रीय सहकारी बैंक कमलाकर चतुर्वेदी, पूर्व जनपद अध्यक्ष मैहर ओम वाला सिंह, प्रदेश महामंत्री कांग्रेस शशि मिश्रा देवेंद्र सिंह सपा जिला अध्यक्ष इंद्रजीत गर्ग पार्षद, कांग्रेस के अरुण गोयल, चन्द्रप्रभा श्रीवास्तव, भैयालाल चौधरी, राघवेंद्र सिंह सरपंच सेमरी, भूपेंद्र सिंह जाखी, नन्हे सिंह सरपंच, सुमित माकिन, रमाशंकर, संतोष आहूजा, जतिन जैन, ओमकार कुशवाहा शामिल है।

भारत डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी बोर्ड में फिर से चयनित

नई दिल्ली 11 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी बोर्ड में एक बार फिर आज चुन लिया गया।भारत को डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी बोर्ड में पहली बार 2018 में और दूसरी बार 2022 में चुना गया था। तीसरा कार्यकाल 2025-2027 का होगा।

विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां बताया कि भारत को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के कार्यकारी बोर्ड में तीसरी अवधि 2025-2027 के लिए फिर से चुना गया। डब्ल्यूएफपी कार्यकारी बोर्ड में भारत के बने रहने से डब्ल्यूएफपी में इसकी भागीदारी और मजबूत और गहरी होगी।

कमलापुरी कॉलोनी मार्बल मार्केट में महिलाएं गणगौर उत्सव मनाती हुईं।

प्रदेश के किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं आएगी, ये मोदी की गारंटी है:यादव

मंडला, 11 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि ये मोदी की गारंटी है कि प्रदेश के किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं आयेगी। डॉ यादव मंडला में लोकसभा प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते एवं सीधी लोक सभा प्रत्याशी डॉ राजेश मिश्रा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश के साथ-साथ प्रदेश का भी निरंतर विकास हो रहा है। देश के साथ ही प्रदेश में भी खुशहाली आए, यहां का हर नागरिक खुशहाल रहे, इसकी गारंटी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं। प्रदेश के किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं आएगी और ये मोदी की गारंटी है, जिसको प्रदेश की भाजपा सरकार हर हाल में पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि हम सम्मान के साथ संस्कृति को लेकर चलते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नई शिक्षा नीति लागू करवाई है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने नई शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू किया। अब यहां नई शिक्षा नीति के तहत ही स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए हमने कहा कि गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 देंगे। इस वर्ष 125 रूपए बोनस दिया है और यह बोनस अगले वर्ष भी दिया जाएगा। धान भी खरीदेंगे और किसानों को बोनस भी देंगे। डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार गुंडे-बदमाशों को ठिकाने लगाने वाली सरकार है। गुंडे-बदमाशों की जगह जेल में होती है और इसके लिए हमने नियम भी बनाया है। पहले कोई गुंडा-बदमाश बार-बार क्राईम करके जमानत पर छूट जाता था, लेकिन अब नियम बदलकर ऐसी व्यवस्था कर दी है कि उसका जीवन जेल में ही कटेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीधी में मां नर्मदा के घाटों को पक्का करने के साथ ही नर्मदा पथ को भी बेहतर बनाया जाएगा।डॉ यादव ने चुरहट के हनुमानगढ़ में चुनावी सभा को संबोधित किया।

शुभलाभ

हार्दिक श्रद्धांजलि

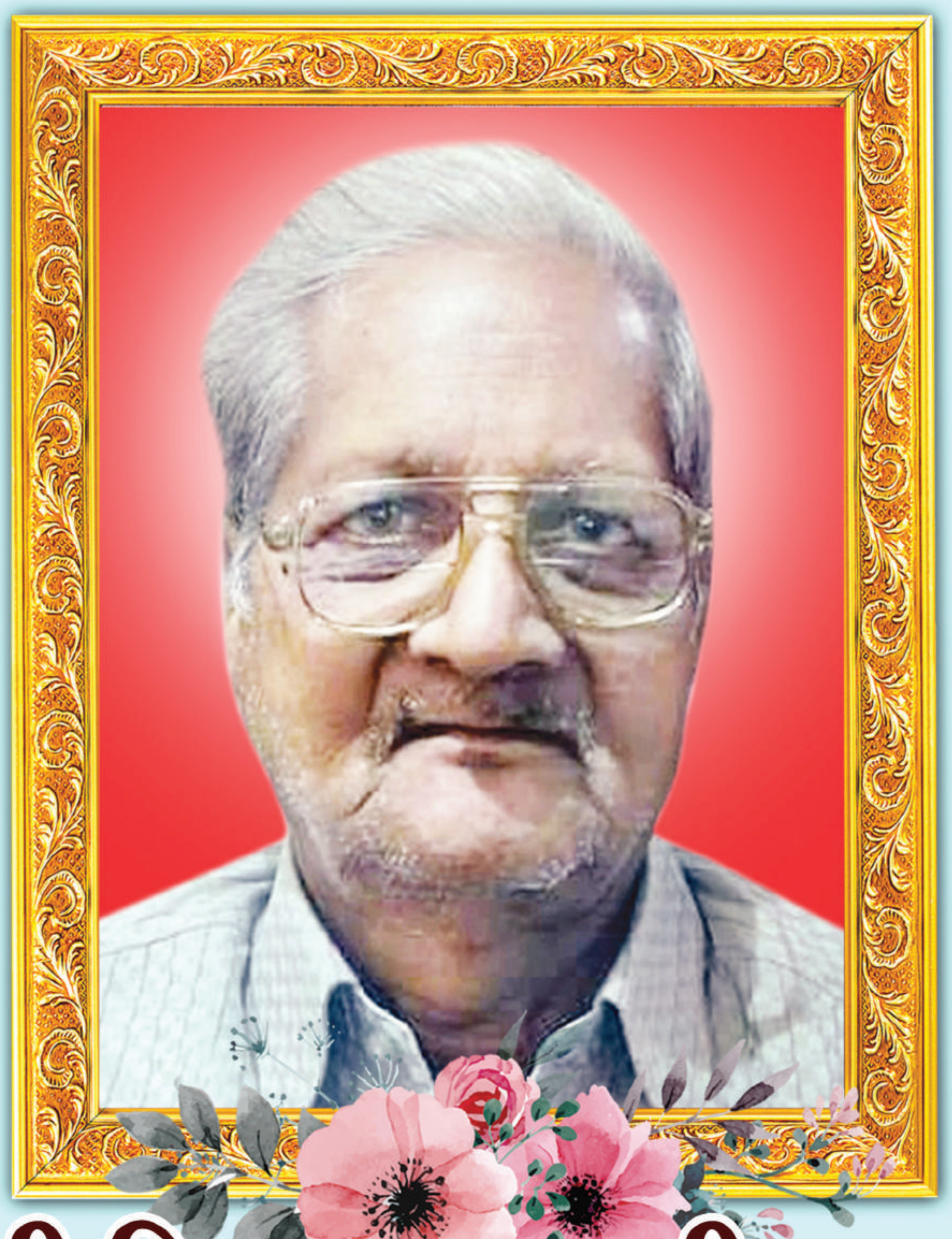

स्व. श्री विष्णुदयाल जी अग्रवाल

(सुपुत्र : स्व. श्री राधाकिशनजी अग्रवाल)

वैकुण्ठवास : शुक्रवार, दि. 05 अप्रैल, 2024

हृदय की गहराइयों से आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं हम ।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पायेंगे हम ।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

आशा – किरण तायल (बहन–बहनोई)
द्रौपदी किरोड़ीमलजी, विमला–महेंद्र अग्रवाल (कोट पुतली),
सुलोचना विनोदकुमारजी, बबीता –सतीश अग्रवाल,
अर्चना–अश्विन बड़ोपालिया (अहमदाबाद),
शीतल–विकास अग्रवाल (कोचीन), सलोनी –सुमित गार्गिया,
अक्षिता –सचिन अग्रवाल (भतीजी –भतीजी दामाद),
मंजू–अनूप साँघी, रेखा –पंकज अग्रवाल,
वर्षा–शैलेंद्र तुलसियान, अर्चना–अनिल अग्रवाल,
मोनिका–जयेश अग्रवाल, दिव्या– वैभव अग्रवाल (पौत्री –पौत्री दामाद)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.